



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्रीष्ठिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 114]

गई दिल्ली, शुक्रवार, मार्च 26, 1993/चैत्र 5, 1915

No. 114] NEW DELHI, FRIDAY, MARCH 26, 1993/CHAITRA 5. 1915

जल भूतल परिवहन मंत्रालय
(परिवहन पथ)

अधिसूचना

गई दिल्ली, 26 मार्च, 1993

सा. का. नि. 338(अ) :—मोटरयान अधिनियम, 1988 (1988 का 59) की धारा 12, 27, 64, धारा 88 की उपधारा (14) और धारा 110 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय मोटरयान नियम, 1989 का संशोधन करने वाला केन्द्रीय मोटर यान (संशोधन) नियम, 1992 का प्रारूप मोटरयान अधिनियम, 1988 (1988 का 59) की धारा 212 की उपधारा (1) की अपेक्षानुसार भारत के राजपत्र असाधारण भाग 2, खण्ड 3, उपखण्ड (1) में अधिसूचना सं. 491 तारीख 13 मई, 1992 द्वारा प्रकाशित किया गया था जिसमें उन लोगों से जिनके इससे प्रभावित होने की संभावना है उस तारीख से जिसको भारत के राजपत्र में प्रकाशित उक्त अधिसूचना की प्रतियां जनता को उपलब्ध करा दी गई थीं

45 दिन [की] अवधि के भीतर [आक्षेप] और सुझाव आमंत्रित किए गए हैं ।

और उक्त [अधिसूचना] की प्रतियां जनता को 24 जूलाई, 1992 को उपलब्ध करा दी गई थीं और प्राप्त आक्षेपों और सुझावों पर विचार कर लिया है ।

प्रतः, अब, केन्द्रीय सरकार, मोटर यान अधिनियम, 1988 (1988 का 49) की धारा 12, धारा 27, धारा 64, धारा 88 की उपधारा (14) और धारा 110 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

केन्द्रीय मोटरयान (संशोधन) नियम, 1993

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम केन्द्रीय मोटरयान (संशोधन) नियम, 1993 है ।
- (2) ये नियम अन्यथा उपबंधित के सिवाय राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे ।

2. केन्द्रीय मोटरयान नियम, 1989 के (जिन्हें इसमें इसके पश्चात् मूल नियम कहा गया है) नियम 2 में (1) खण्ड (क) के पश्चात् निम्नलिखित परिभाषाएं जोड़ी जायेगी,—

(ख) "कृषि ट्रैक्टर" मेर यांत्रिक रूप मेर नोदित कोई ऐसा चार पहिया यान अभियेत है जो कतिपय खेतों मेर प्रचालनों के लिए समुचित व्यक्तियों सहित कार्य करने के लिए डिजाइन किया गया है और/या ऐसा ट्रेलर अभियेत है। कृषि ट्रैक्टर एक अपरिवहन यान है।

(ग) "कृषि ट्रैलर" से साधारण रूप से ऐसा ट्रेलर अभियेत है जो एकल/दोहरी धूरी की संरचना सहित खुला होता है और जिसे किसी कृषि ट्रैक्टर के साथ दो हूकों की सहायता से जोड़ दिया जाता है और जिसका प्रयोग मुख्यतः कृषि सामग्री के परिवहन के लिए किया जाता है।"

(ii) खण्ड "(क), (ख), (ग), (घ) और (ड)" को (घ), (ड.), (च), (छ) और (ज) के रूप मेर पुनः अक्षरांकित किया जाएगा।

3. मूल नियमों के नियम 4 के स्थान पर निम्नलिखित नियम रखा जाएगा, अर्थात्:—

"4. पते और आयु के सही होने का साक्ष्य:—

इस अध्याय के अधीन अनुशासित जारी करने के लिए प्रत्येक अवैदक निम्नलिखित दस्तावेजों मेर से कोई एक या अधिक दस्तावेज मूल रूप मेर या उसका सुसंगत उद्धरण जो केन्द्रीय सरकार या किसी राज्य सरकार के राजपत्रित अधिकारी या किसी स्थानीय निकाय के किसी ऐसे अधिकारी द्वारा जो सरकार के किसी राजपत्रित अधिकारी की सम्मुख पंक्ति का हो या ग्राम प्रशासन अधिकारी या नगर नियम पार्षद या पंचायत अध्यक्ष द्वारा सम्यक् रूप से अनु-प्रमाणित हो, अपने पते और साक्ष्य के रूप मेर पेश करेगा, अर्थात्:—

1. राशन कार्ड
2. निर्वाचक जामावली
3. जीवन बीमा पालिसी
4. पासपोर्ट
5. विद्युत या टेलीफोन बिल
6. केन्द्रीय सरकार या राज्य सरकार या किसी स्थानीय निकाय के किसी कार्यालय द्वारा जारी की गई वेतन पर्ची
7. गृह-कर की रसीद
8. स्कूल प्रमाणपत्र
9. जन्म प्रमाणपत्र

10. आवैदक की आयु के संबंध मेर सिविल सर्जन से अनिम्न पंक्ति के किसी चिकित्सा व्यवसायी द्वारा अनुदत्त प्रमाणपत्र।

परन्तु जहां आवैदक ऊपर उल्लिखित किसी दस्तावेज को पेश नहीं कर पाता है वहां अनुज्ञापन प्राधिकारी आयु और पते के साक्ष्य के रूप मेर आवैदक द्वारा कार्यपालक मजिस्ट्रेट, प्रथम श्रेणी न्यायिक मजिस्ट्रेट या किसी नोटरी पब्लिक के समक्ष प्रहोण किए गए किसी अपराध को स्वीकार कर सकेगा।"

4. मूल नियम के नियम 9 मेर उपनियम (1) के स्थान पर निम्नलिखित उप नियम रखा जाएगा, अर्थात्:—

"(1) केन्द्रीय मोटर यान (संशोधन) नियम, 1993 के प्रारंभ की तारीख से ही किसी ऐसे व्यक्ति के पास जो माल जीवन के लिए खतरनाक या परिसंकटमय प्रकृति का माल ले जा रही मलगाड़ी चालन कर रहा है, परिवहन यान की पालन अनुज्ञित धारक होने के अतिरिक्त संविधान की आठवीं अनुसूची मेर विनिर्दिष्ट कम से कम एक भारतीय भाषा और अंग्रेजी पढ़ने और लिखने की योग्य हो तथा उसके पास ऐसे माल का परिवहन करने संबंधित निम्नलिखित पाठ्यविवरण और अवधि के पाठ्यक्रम को सफलतापूर्वक उत्तीर्ण करने का प्रमाणपत्र भी हो।"

प्रशिक्षण की अवधि + 3 दिन

प्रशिक्षण का स्थान — राज्य सरकार द्वारा मान्यता-प्राप्त किसी भी संस्थान मेर।

पाठ्यविवरण

(क) रक्षात्मक यान चालन प्रशिक्षण की अवधि के लिए प्रशिक्षण की अवधि

दुर्घटनाओं के कारण दुर्घटना संबंधी आंकड़े चालक की व्यक्तिगत उप-

युक्तता

कार की हालत

ब्रेक लगाने की दूरियां

(ब्रेकिंग डिस्टेंस)

राजमार्ग पर यान चलाना

सड़क/पिंडल पथ कार्सिंग

रेलवे कार्सिंग

मौसम को सहने की क्षमता

अग्रभाग का टकराना

पृष्ठभाग का टकरावं

रात्रि मेर यान चालक

फिल्में और विचार-विमर्श

(ख) उन्नत यान चालन कोशल और प्रशिक्षण
(i) विचार विमर्श

चालू करने से पहले	<ul style="list-style-type: none"> - जांच सूची - यान का ब्राह्म/नीचे/पीछे का हिस्सा - उत्पादन साइड - यान के भीतर
यान चालन के दौरान	<ul style="list-style-type: none"> - मही गति/गियर - संकेत देना - लेन नियंत्रण - ओवर टेक करना/साइड देना - गति सीमा-सुरक्षित दूरी/डलानों पर यान चालन
रोकने से पहले	<ul style="list-style-type: none"> - रोकने का सुरक्षित स्थान, संकेत देना, सड़क की चौड़ाई, स्थिति।
रोकने के बाद	<ul style="list-style-type: none"> - यान संचालन को रोकना - पहिए के क्लाक्स - यान पर ध्यान देना
रात्रि के समय यान चालन	
(ii) मैदान परीक्षण/ प्रशिक्षण	<ul style="list-style-type: none"> - एक समय में एक चालक
(ग.) उत्पाद सुरक्षा	
प्र० एन पैनल	<ul style="list-style-type: none"> - यू एन वर्गीकरणी (ग) के लिए - हैजचेक संहिता प्रशिक्षण की - विषेकता अवधि- - जबलनशीलता, तीसरा दिन - अन्य परिभाषाएं
उत्पाद सूचना	<ul style="list-style-type: none"> - डी ई आर एम कार्ड - सी आई एस/एम एस डी एस - तापमान का महत्व, स्तर - विस्फोट सीमा - उपकरणों के बारे में ज्ञान
आपात प्रक्रिया	<ul style="list-style-type: none"> - संचार - स्पिलैज हैर्डिलिंग - पी पी ई का प्रयोग - अग्नि शमन - प्राथमिक सहायता - विपाक्षत निर्मुक्ति नियन्त्रण - कुओं, नदियों, झीलों का बचाव - सुरक्षात्मक उपकरण का प्रयोग - वाल्व ग्रादि के बारे में ज्ञान।

5. मूल नियमों के नियम 31 में, उपनियम (5) के स्थान पर निम्नलिखित उपनियम रखा जाएगा, अर्थात् :—

“(5) इस नियम की कोई बात उस दशा में लागू नहीं होगी जब कोई आवेदक जिसके पास मोटर साइकिल या तिपहिया अपरिवहन यान या मोटरकार चलाने के लिए चालक अनुज्ञित है, संबंधित किसी की मोटर केबल चलाने के लिए अनुज्ञित दी जाने के लिए आवेदन करता है या जब कोई ऐसा आवेदक जिसके पास ट्रैक्टर चलाने के लिए चालन अनुज्ञित है, ट्रैक्टर ट्रैलर संयोजन चलाने के लिए अनुज्ञित दी जाने के लिए आवेदन करता है।”

6. मूल नियमों के नियम 47 में,—

(i) उपनियम (1) में खंड (ग) के स्थान पर निम्नलिखित खंड रखा जाएगा, अर्थात् :—

“(ग) ट्रैलर या अर्द्ध ट्रैलर की दशा में राज्य परिवहन प्राधिकरण या परिवहन आयुक्त या ऐसे अन्य प्राधिकारियों की जो राज्य सरकार द्वारा डिजाइन का अनुमोदन करते के प्रयोजन के लिए विद्वित किए जाएं, कार्यवाहियों की प्रति;”

(ii) खंड (छ) में “विनिर्माता” शब्द के पश्चात् “बॉडी निर्माता से प्राप्त” शब्द जोड़े जाएंगे।

7. मूल नियमों के नियम 48 में “प्रमाणपत्र देना।” शब्दों के स्थान पर निम्नलिखित शब्द जोड़े जाएंगे, अर्थात् :— ‘प्रमाणपत्र देना’ :

परन्तु जहां रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र किसी परिवहन यान में संबंधित हो वहां इसे केवल प्राप्त 38 में योग्यता प्रमाणपत्र लेखदृढ़ करने के पश्चात् रजिस्ट्रीकृत स्वामी के सुपुर्द किया जाएगा।”।

8. मूल नियमों के नियम 50 में,—

(i) शीर्षक और “(1) धारा 41 की उपधारा (6) में निर्दिष्ट” शब्दों से प्रारम्भ होने वाले और “1.5 सेंटीमीटर से कम नहीं होगा :” शब्दों पर समाप्त होने वाले भाग के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात् :—

“50. मोटर यानों में रजिस्ट्रीकरण चिह्नों का आकार और उनके प्रदर्शन की रीति।

(1) धारा 41 की उपधारा (6) में विनिर्दिष्ट रजिस्ट्रीकरण चिह्नों को सभी मोटर यानों पर किसी समतल प्लेट पर या यान पर ऐसी जगह जिसका ऊर्ध्वाधर दृष्टाव 30° से अधिक न हो, ग्रां और पीछे दानों ओर सीधी सामने और पीछे को ओर निम्नलिखित रीति में स्थाय और भुपाल्य रूप से अवर्ती रंग में प्रदर्शित किया जाएगा।

(2) मोटर साइकिल की दशा में रजिस्ट्रीकरण चिह्न सामने की ओर यान की धूरि की रेखा में प्लेट के बजाय हैंडल बार के सामानात्तर प्रदर्शित किया जाएगा।

(ii) इस प्रकार प्रतिस्थापित खंड (2) के परन्तु के उपखंड (घ) के पश्चात् निम्नलिखित अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“(3) रजिस्ट्रीकरण चिह्न दो पंक्तियों में प्रदर्शित किया जाएगा। पहली पंक्ति में राज्य संहिता और दूसरी पंक्ति में रजिस्ट्रीकरण प्राधिकरण संहिता एक संहिता एक दूसरे के नीचे होंगे :

परन्तु यह कि रजिस्ट्रीकरण चिह्न सामने एक पंक्ति में प्रदर्शित किया जा सकता है।

परन्तु यह और कि ऐसे यानों के माडलों में दो पंक्तियों में रजिस्ट्रीकरण चिह्न करने के लिए पर्याप्त स्थान नहीं है उनके लिए यह पर्याप्त होगा कि ऐसे यान में रजिस्ट्रीकरण चिह्न एक पंक्ति में ही प्रदर्शित किया जाए।

(4) केन्द्रीय मोटर यान (संशोधन) नियम, 1993 में प्रारम्भ की तारीख से ही विनियमित प्रत्येक यान में रजिस्ट्रीकरण चिह्न को दो पंक्तियों में प्रदर्शित करने के लिए पार्श्व में पर्याप्त स्थान दिया जाएगा।”

(5) कृषि ट्रैक्टरों की दशा में रजिस्ट्रीकरण चिह्न का 30 डिग्री से अधिक ऊर्ध्वस्थ होना आवश्यक नहीं है।

(6) खींचे जाने वाले कृषि ट्रैक्टरों का रजिस्ट्रीकरण चिह्न कृषि ट्रैलर या ट्रैलरों पर प्रदर्शित नहीं किया जाएगा।

प्रदर्शित करने के लिए पार्श्व में पर्याप्त स्थान दिया जाएगा।”

9. मूल नियमों के नियम 51 के स्थान पर निम्नलिखित नियम रखा जाएगा, अर्थात् :—

“51. रजिस्ट्रीकरण चिह्न के अकारों और अंकों का आकार

रजिस्ट्रीकरण चिह्न के अकारों और अंकों की विमा तथा विभिन्न अकारों और अंकों के बीच का स्थान तथा समतल सतह के अकार और किनारा निम्न प्रकार से होगा :—

कम यान का वर्ग सं.	न्यूनतम से अन्यून विमाएं			
1	2	3	4	5
1. सभी मोटर साइकिलें और तिपहिया अकार याती गाड़ी	पीछे के अकार और अंक	35	7	5

1	2	3	4	5
2 सभी मोटर साइकिलें और तिपहिया अकार याती गाड़ी	पीछे— तंत्याक	40	7	5
3 70 घन सें.मी. से अन्यून की क्षमता वाले इंजन की मोटर साइकिलें	सामने --- अकार अंक और संख्या	15	2.5	2.5
4. अन्य मोटर साइकिलें	सामने— अकार, अंक और संख्या	30	5	5
5 500 घन सें.मी. से अधिक की क्षमता के इंजन वाले तिपहिया	पीछे और सामने 35 की संख्या	7	5	
6. 500 घन सें.मी. से अधिक की क्षमता के इंजन वाले तिपहिया	पीछे और सामने 40 की संख्या	7	5	
7. सभी अन्य यान	पीछे और आगे की ओर के अकार, अंक और संख्या	65	10	10

10. मूल नियमों के नियम 63 में,—

- उपनियम 2 के खण्ड में “दस हजार रुपए” शब्द रखे जाएंगे, पर “एक लाख रुपए” शब्द रखे जाएंगे,
- उपनियम 3 के खण्ड (क) के उपखण्ड (1) में “डिलोसा” शब्द से पूर्व “तीन वर्षीय” शब्द अन्तःस्थापित विए जाएंगे,
- उपनियम 3 के खण्ड (ख) में “पर्याप्त स्थान” शब्दों के स्थान पर “कम से कम एक पाँड़ भूमि” शब्द रखे जाएंगे, और
- उपनियम 3 के खण्ड (ख) में “बच्चता खण्ड के लिए पर्याप्त व्यवस्था हो जिससे पर्याप्त, उपस्कर और अन्य साधित वहां लगाए जा सके” शब्दों के स्थान पर “बच्चता खण्ड तथा परीक्षण उपस्कर और अन्य साधितों को लगाने के लिए स्थान” शब्द रखे जाएंगे।

11. मूल नियमों के नियम 82 में,—

- उपनियम (2) के खण्ड (क) का लोप किया जाएगा और खण्ड (ख) को खण्ड (क) के रूप में पुनर्संबोधित किया जाएगा और इस प्रकार पुनर्संबोधित खण्ड (क) निम्ननिखित रूप में रखा जाएगा :—

“(क) पर्यटक परमिट उस तारीख से जिसको परमिट के अंतर्गत आने वाले यान किसी मोटर कैब की दशा में 9 वर्ष पूरे कर लेता है और यदि यान मोटर कैब से भिन्न है, 8 वर्ष पूरे कर लेता है और व्यक्ति उसके स्थान पर दूसरा यान ले लिया जाता है।”

- खण्ड (ग) की खण्ड (ख) के रूप में पुनर्संबोधित किया जाएगा,
- स्पष्टीकरण में, “2 वर्ष, 5 वर्ष या 7 वर्ष” शब्दों के स्थान पर “9 वर्ष या 8 वर्ष” शब्द और अंक रखे जाएंगे।

12. मूल नियमों के नियम 83 के उपनियम (2) के पश्चात् नियम - निम्न उपनियम रखा जाएगा, अर्थात् :-

“(2क) प्राधिकारी जो प्राधिकार देता है वहन की रजिस्ट्रीकरण संख्या परमिट धारक का नाम और पता और उन अधिकारी की सूची, जिसके लिए प्राधिकार विविधत्य है संबंधित राज्य परिवहन प्राधिकारियों को देगा ।

परंतु जहां परमिट धारक संबंधित राज्य परिवहन प्राधिकारी को प्रत्यक्ष कर देने का बचन देता है जिसकी अधिकारिता में वह उस समय है जब वह प्रवेश करता है, यह स्पष्ट रूप से कथन होगा कि यह संबंधित राज्य की करों के संदर्भ के अवधीन रहते हुए जारी किया गया है” ।

13. मूल नियमों के नियम 85 में,-

(1) उपनियम (1) में “जो उस धोत के जिसमें पर्यटन प्रारंभ होता है कार्यालयक मरिस्ट्रेट या युलिस उपनियमित या यात्रा परिवहन प्राधिकरण, प्रादेशिक प्राधिकरण के नियम या अधिकारियों द्वारा जो इस निम्न प्राधिकृत किया जाए, साथान रूप से अनुमति होगी” शब्दों का लोप किया जाएगा,

(2) उपनियम (2) के स्थान पर निम्नलिखित उपनियम रखा जाएगा, अर्थात् :-

“(2) उपनियम (1) में निश्चित गुरुतों की एक प्रति पर्यटक यात्रा में रखी जाएगी और प्राधिकृत अधिकारियों द्वारा अधिनियम या उसके अधीन दस्तावेजों के पेश करने की मांग पर येत्र की जाएगी और दूसरी प्रति परमिट धारक द्वारा रख ली जाएगी” ।

(3) उपनियम (3) में “दो मास” शब्दों के स्थान पर “तीन मास” शब्द रखे जाएंगे ।

14. मूल नियमों के नियम 85-प्र के उपनियम (2) में निम्नलिखित परंतुक अंत में जोड़ा जाएगा, अर्थात् :-

“परंतु यह नियम “कैवल्य कियाए पर रूपीम, 1989” के अंतर्गत आने वाली मोटर कंवों पर लाभ नहीं होगी” ।

15. मूल नियमों के नियम 88 के स्थान पर निम्नलिखित नियम रखा जाएगा, अर्थात् :-

“४४. राष्ट्रीय अनुज्ञित के प्रयोगन के लिए मोटर यात्रा की आयु :

(1) बहुमुरीय यात्रा को छोड़कर ऐसे किसी भाल वाहन के लिए राष्ट्रीय अनुज्ञित नहीं दी जाएगी जिसकी आयु किसी भी समय ५ वर्ष से अधिक है ।

(2) ऐसे विसं भी बहुमुरीय माल वाहन के लिए राष्ट्रीय अनुज्ञित नहीं दी जाएगी जिसकी आयु किसी भी समय १५ वर्ष से अधिक है ।

(3) बहुमुरीय माल वाहनों की दशा में १५ वर्ष समा बहुमुरीय माल वाहनों को छोड़कर अन्य माल वाहनों के मामले में ९ वर्ष तो अवधि पूरा होने की तारीख में राष्ट्रीय अनुज्ञित अवधिमाल्य समझी जाएगी जब तक कि ऐसे वाहन को बदल नहीं किया जाता है ।

स्पष्टीकरण :-

इस नियम के प्रयोगन के लिए, व्यासियति, ९ वर्ष या १५ वर्ष की अवधि की गणना अनुज्ञित के अंतर्गत मोटर यात्रा या संलग्न यात्रा की दशा में मूल गति उद्दारक के प्रारंभिक रजिस्ट्रेकरण की तारीख से को जाएगी ।” ।

16. मूल नियमों के नियम 90 के उपनियम (4) में निम्नलिखित परंतुक अंत में अंत स्थापित किया जाएगा, अर्थात् :-

“परंतु अहं उपनियम केन्द्रीय सरकार द्वारा अधिसूचित लार्ज ख से केवल द्वारे मोटर यात्रों और मठाम सालकारों को लागू होगा ।”

17. मूल नियमों के नियम 92 के उपनियम (1) में निम्नलिखित परंतुक अंत से अंत स्थापित किया जाएगा, अर्थात् :-

‘परंतु इस नियम को कार्ड बात, केन्द्रीय मोटर यात्रा (संशोधन) नियम, 1993 के प्रवृत्त हात के पूर्व विनियमित यात्रों को लागू नहीं होगा ।’

18. मूल नियमों के नियम 93 में,-

(i) उपनियम (6) निम्नलिखित के रूप में रखा जाएगा, अर्थात् :-

“(6) किसी ट्रैक्टर से भिन्न मोटरयात्रा का प्रलंब त्रॉल बैस के 60% में अधिक नहीं होगा ।”

स्पष्टीकरण :- इस नियम के प्रदोषन के लिए “त्रॉल बैस” निम्नलिखित अधिष्ठेत्र है,

(a) केवल द्वारे धुरियों वाले यात्रों के दशा में यात्रा के अनुदैर्घ्य धुरों के द्वारित और नदानांतर, साथी गई सामने की धुरी और पार्श्व धुरों के केन्द्र बिन्दु के बीच की

(b) केवल नीन धुरियों वाली यात्रा की दशा में और जिसमें स्टैटर धुरों भासन की धुरी है, भासन की धुरों के केन्द्र और दो पार्श्व धुरियों के बीच के केन्द्र बिन्दु के बीच के दिसी यात्र की अनुदैर्घ्य द्वितीय और समानांतर मापी गई धुरी ।

(ii) उपनियम (6) के विद्यमान स्पष्टीकरण को स्पष्टीकरण ३ के रूप में पुनः संख्याक्रित किया जाएगा और इस प्रकार पुनर्संख्याक्रित स्पष्टीकरण ३ के पैर रास्ते में,-

(k) मद (vii) के पश्चात् निम्नलिखित मद अंत स्थापित की जाएगी, अर्थात् :-

(viii) किसी ट्रैक्टर के तीन बिंदु संबंधन वाले बोर्ड एक दूसरे पर चढ़े हुए तंत्रक ।”

(g) ऐसा मार (ii) में “पिछली और दीच वाली धुरी के केन्द्र बिन्दु को मिलाने वाली शीघ्री रेखा के केन्द्र से 102 मिलीमीटर पीछे बोर्ड बिंदु” शब्दों के स्थान पर “मत्रसे पीछे वाली धुरी के केन्द्र बिंदु” शब्द रखे जाएंगे ।

(g) मद (vii) को उपनियम 7 के रूप में पुनर्संख्याक्रित किया जाएगा ।

(g) इस प्रकार पुनर्संख्याक्रित उपनियम (vii) के पश्चात् निम्नलिखित परंतुक जोड़ा जाएगा, अर्थात् :-

“परंतु २०० मिलीमीटर के परेशन के लेटरन प्रोफल्कन वाले कृषि ट्रैक्टरों की दशा में पिछले पहियों की केन्द्रीय रेखा अनुज्ञात की जाएगी ।”

(iii) विद्यमान ऐसे नियम (7) को उपनियम (8) नम्बर दिया जाएगा ।

19. मूल नियमों के नियम 93 में,-

(i) “इस प्रकार विनियमित यात्रों” शब्दों के स्थान पर “इस प्रकार विनियमित दायर” शब्द रखे जाएंगे,

(ii) साली के स्थान पर निम्नलिखित सारणी नम्बर जाएगी, अर्थात् :-

सारणी

आकार	विनियोगिता द्वारा विनि- दिष्ट चलाने की रेटिंग	लागू/नहीं जाने के लिए श्रनुज्ञात अधिकतम भार (किलो ग्राम)	1	2	3	4
			लागू नहीं होता			
4. 50× 12 यू एल टी	6	355	340	4. 50× 12	6	255
4. 50× 12 यू एल टी	8	415	395	4. 50× 17	6	395
6. 00× 16	6	710	620	5.00/5. 25× 16	6	405
6. 00× 16	8	835	730	5. 20× 10	6	275
6. 50× 16	6	795	705	5. 20× 12	6	310
6. 50× 16	8	935	825	5. 20× 13	6	335
6. 70× 15	6	760	670	5. 20× 14	4	315
6. 70× 15	8	895	790	5. 60× 13	4	330
7. 00× 15	6	850	750	5. 60× 13	6	385
7. 00× 15	8	1010	890	5. 65× 12	6	275
7. 00× 15	10	1145	1010	5. 65× 12	4	250
7. 00× 15	12	1280	1125	5. 75/6. 00× 16	6	545
7. 00× 16	6	890	780	5. 90× 13	4	340
7. 00× 16	8	1050	925	5. 90× 13	6	385
7. 00× 16	10	1200	1030	6. 40× 13	6	465
7. 00× 10	12	1325	1160	6. 40× 15	6	520
7. 50× 16	8	1205	1055	6. 40× 15	8	610
7. 50× 16	10	1375	1205	6. 50/6. 75× 16	6	545
7. 50× 16	12	1530	1350	6. 70× 13	6	515
7. 50× 16	14	1630	1435	6. 70× 13	6	560
एक 78-15—एल टी	4	675	लागू नहीं होता	6. 70× 15	6	515
एक 78-15—एल टी	6	755	लागू नहीं होता	6. 95× 14	6	515
एक 78-15—एल टी	8	890	लागू नहीं होता	7. 00× 13	6	510
एल टी 215 80 डी-14	6	870	795	7. 00× 14	6	545
एल टी 215 80डी-14	8	1035	955	7. 25× 13	6	545
एल टी 215 80डी-14	10	1190	1090	7. 50× 11	6	600
एल टी 215 80 भार—14	—	1190	1090	115/70 भार 12	—	325
एल टी 195 80 डी—15	6	790	लागू नहीं होता	145/70 भार 13	—	345
एल टी 195 80 डी-15	8	925	लागू नहीं होता	155/70 भार 13	—	387
7. 00× 20	10	1660	1450	165/70 भार 13	—	437
7. 50× 20	10	1855	1030	145/70 भार 14	—	365
7. 50× 20	12	2060	1805	155/70 भार 14	—	405
8. 25× 20	12	2365	2075	165/70 भार 14	—	465
8. 25× 20	14	2585	2275	195/70 भार 15	—	630
9. 00× 20	12	2710	2380	145/80 भार 10	—	315
9. 00× 20	14	2980	2615	145/80 भार 12	—	355
9. 00× 20	16	3075	2695	155/80 भार 12	—	400
10. 00× 20	14	3180	2790	145/80 भार 13	—	375
10. 00× 20	16	3480	3050	155/80 भार 13	—	425
10. 00× 20	18	3575	3130	165/80 भार 13	—	475
11. 00× 20	14	3470	3040	175/80 भार 13	—	530
11. 00× 20	16	3785	3325	145/80 भार 14	—	410
11. 00× 24	14	3910	3435	155/80 भार 14	—	450
12. 00× 20	14	3685	3230	165/80 भार 14	—	5000
12. 00× 20	16	4070	3575	175/80 भार 14	—	560
12. 00× 20	18	4320	3785	165/80 भार 15	—	530
14. 00× 20	20	5320	4665	195/80 भार 15	—	630
14. 00× 20	22	5765	5060	3. 50× 10	6	375
				4. 00× 8	.4	340

1	2	3	4	1	2	3	4
4.00×8	6	400	लागू नहीं होता	2.25×16	पुनः प्रवृत्त	130	लागू नहीं होता
4.00×10	4	370	"	2.25×19	4	135	"
4.00×10	6	435	"	2.50×16	मानक	110	"
4.50×8	6	400	"	2.50×16	पुनः प्रवृत्त	150	"
4.50×10	6	475	"	2.50×19	मानक	120	"
4.50×10	8	520	"	2.50×19	पुनः प्रवृत्त	165	"
4.50×8	4	340	"	8.3/8×24	4	625	"
2.75×10	4	150	"	8.3/8×24	6	810	"
2.75×10	6	160	"	8.3/8×32	4	715	"
3.00×10	4	175	"	8.3/8×32	6	920	"
3.50×8	4	195	"	11.2×28	4	900	"
3.50×10	4	225	"	11.2×28	6	1115	"
2.25×16	4	120	"	11.2×	8	1305	"
2.25×16	6	138	"	11.4×24	4	945	"
2.25×17	4	127	"	13.4×34	6	1200	"
2.25×17	6	145	"	12.4×28	4	1005	"
2.25×18	4	132	"	12.4×28	6	1275	"
2.25×18	6	154	"	12.4×28	8	1510	"
2.50×14	4	123	"	12.4×36	4	1135	"
2.50×16	4	130	"	12.4×36	6	1440	"
2.50×16	6	160	"	12.4×38	4	1165	"
2.50×17	4	145	"	12.4×38	6	1480	"
2.50×17	6	171	"	12.6×28	4	1100	"
2.50×18	4	154	"	13.8×20	6	1430	"
2.50×18	6	152	"	13.6×28	8	1645	"
2.75×14	4	140	"	13.6×38	6	1660	"
2.75×14	6	160	"	13.6×38	8	1910	"
2.75×17	4	169	"	13.6×28	6	1840	"
2.75×17	6	205	"	16.9×28	8	2175	"
2.75×18	4	175	"	16.9×28	6	1900	"
2.75×18	6	210	"	16.9×30	8	2245	"
3.00×14	4	160	"	16.9×30	10	2815	"
3.00×14	6	182	"	18.4×30	12	3180	"
3.00×18	4	195	"	18.4×30	14	3405	"
3.00×18	6	220	"	4.00×19	4	355	"
3.00×19	4	285	"	5.50×16	4	425	"
3.00×19	6	230	"	5.50×16	6	525	"
3.25×16	4	200	"	6.00×16	4	450	"
3.25×16	6	240	"	6.00×16	6	560	"
3.25×18	4	220	"	6.00×16	8	675	"
3.25×18	6	270	"	6.50×16	4	510	"
3.25×19	4	230	"	6.50×16	6	615	"
3.25×19	6	275	"	6.50×20	4	600	"
3.50×18	6	250	"	6.50×20	6	725	"
3.50×18	6	290	"	7.50×16	8	1355	"
3.50×19	4	255	"	अकर्बंण	10	1525	"
3.50×19	6	295	"	ट्रेक्टर ट्रैक्स	12	1710	"
1.75×19	मानक	80	"	9.00×16 अकर्बंण	14	1865	"
1.75×19	पुनः प्रवृत्त	115	"	ट्रैक्टर ट्रैक्स	16	2290	"
2.00×19	मानक	90	"				
2.00×19	पुनः प्रवृत्त	125	"				
2.00×22	मानक	95	"				
2.00×22	पुनः प्रवृत्त	130	"				
2.25×16	मानक	95	"				

टिप्पण :—

- (1) उपरोक्त अधिकतम भार 1988 के भारतीय मानक भा. मा. 10914 के अनुसार और उसमें उपदर्शित अधिकतम शीत स्फीति दाव के लिए हैं और वह मोटरयान अधिनियम, 1988 की द्वारा 112 के अधीन अधिसूचना में नियत गति सीमाओं के लिए समायोजित किया गया है।
- (2) परिवहन यानों के टायरों की बाबत (भाल गाड़ी और यात्री गाड़ी सहित) उपरोक्त भार इस शर्त के अधीन रहते हुए लागू होगा कि धुरी भार अनुज्ञात सीमा के 6 प्रतिशत से अधिक नहीं होता है। वे यान के रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र में अभिलिखित रजिस्ट्रीकृत धुरी के संबंध में लागू होंगे।
- (3) ऊपर सारणी के अंतर्गत नहीं आने वाली टायरों को भार रेटिंग केन्द्रीय सरकार द्वारा जब अधिसूचित की जा सकेगी जब ऐसे टायर यानों में लगाए जाते हैं। इनके अधिसूचित किए जाने तक यान विनियमान्वयन द्वारा घोषित अनुस्तिम, भार रेटिंग नियम 126 में निर्दिष्ट प्रमाणकर्ता परीक्षण अभिकरण द्वारा अविप्रभावित किया जा सकेगा।

20. मूल नियमों के नियम 96 में :—

- (1) उपनियम (1) के स्थान पर निम्नलिखित उपनियम रखा जाएगा, अर्थात् :—

(1) किसी मोटर साइकिल, तिपहियों अशक्त यात्री गाड़ी ट्रैलर वा किसी रोड रालर से भिन्न प्रत्येक मोटर यान में स्वतंत्र और दक्ष ब्रेक प्रणालियां अर्थात् हैंड ब्रेक और पादचालित सर्विस ब्रेक होंगे :

परंतु यह कि किसी मोटर साइकिल में स्वतंत्र और दक्ष ब्रेकिंग प्रणालियां होंगी जो या तो दोनों हाथों से प्रचलित होंगी या एकपाद प्रचालित होंगी तथा अन्य हस्त प्रचालित होंगी।”

(2) उपनियम (2) में परंतुक का सोमप किया जाएगा।

(3) उपनियम (3) में “मोटर यान” शब्दों से पहले “कृषि ट्रैक्टरों से भिन्न” शब्द अंतः स्थापित किए जाएंगे,

(4) उपनियम (4) के पश्चात् निम्नलिखित उपनियम अंतः स्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“(4) केन्द्रीय मोटर यान (संशोधन) नियम, 1993 के प्रारंभ की तारीख से ही वो वर्ष से विनियमित प्रत्येक मोटर यान में एक ब्रेक-स्पाली होंगी जिसका कार्यपालन निम्न-

लिखित भारतीय मानकों के अनुसर होगा, अर्थात् :—

(i) मोटर साइकिलों के लिए भा. मा. : 10376—1982 या भा. मा. : 11716—1986 जैसा लागू हो।

(ii) एक हजार किलोग्राम से अधिक सकल भार वाले तिपहियों यानों के लिए जिसमें ट्रैलरों के लिए तिपहिया ट्रैक्टर सम्मिलित हैं, जब कभी अधिसूचित किया जाए, भारतीय मानक प्रतिनिवेश भा. मा. 13670—1982

(iii) एक हजार किलोग्राम से अधिक वाले सकल भार यानों वाले तिपहिया यानों के लिए।

सभी अन्य यान भा. मा. : 11852 (भाग 1) 1989,

भा. मा. : 11852 (भाग-2) 1989,

भा. मा. : 11852 (भाग-3)—1989—भा. मा. 11852 (भाग-4)—1989, भा. मा.: 11852

(भाग-5)—1989, भा. मा. 11852 (भाग-6)—1989 और भा. मा.: 11952 (भाग-7)—1989, जैसा लागू हो, और

(iv) कृषि ट्रैक्टरों के लिए भा. मा. 12239 (भाग—2)—1988

स्पष्टीकरण :—

भारतीय मानकों से भारतीय मानक व्यूरों द्वारा विनियमिष्ट भारतीय मानक अभिप्रेत है।

- (v) उपनियम (7) के स्थान पर निम्नलिखित उपनियम रखा जाएगा, अर्थात् :—

“7. (क) 1000 कि. ग्रा. से अनधिक सकल यान भार तिपहियों और मोटर साइकिलों से भिन्न मोटर यानों की दशा में सर्विस ब्रेक यान के सभी पहियों पर क्रियाशील होंगे।

(घ) 1000 कि. ग्रा. से अनधिक सकल भार यान के तिपहियों की दशा में यदि पाद प्रचलित ब्रेक सभी पहियों पर क्रियाशील नहीं हैं तो निम्नलिखित शर्तों का पालन किया जाएगा, अर्थात् :—

(i) पाद प्रचलित ब्रेक वो पहियों पर क्रियाशील होंगे जो उसी धरी पर हों।

(ii) पार्किंग ब्रेक के अतिरिक्त यान के अन्य पहिए पर क्रियाशील एक स्वतंत्र ब्रेक होगा जिसमें एक स्वतंत्र हस्त प्रचलित नियंत्रण होगा।

- (ग) पाद या बाएं हस्त प्रचालित ब्रेकिंग प्रणाली वाले मोटर साइकिलों की दशा में एक ब्रेक कम से कम बाजू के पहिए पर क्रियाशील होगा और दाएं हाथ से प्रचालित ब्रेक कम से कम सामने के पहिए पर क्रियाशील होगा।
- (घ) कुपि ट्रैक्टरों की दशा में, ब्रेक प्रणाली बाजू के दो पहियों पर प्रत्यक्षतः या प्रेषण गियर के द्वारा क्रियाशील होगी।
- (vi) उपनियम (8) के स्थान पर निम्नलिखित उपनियम और सारणी रखी जाएगी, अर्थात् :—
- “(8) तिपहियों और मोटरसाइकिलों से भिन्न यान की दशा में सर्विस ब्रेकिंग प्रणाली तिपहियों और मोटर साइकिलों की दशा

में पाकिंग ब्रेक से भिन्न किसी एक प्रणाली से प्रचालित ब्रेकिंग प्रणाली यानों की एकदम रोक देने के लिए सक्षम होगी जो सारणी में तत्स्थानी रूप से विहित दशा के अनुसार जब परीक्षण किया जाता है। निम्नलिखित सारणी में विनियोग दूरी के भीतर रुक जाएंगे। परीक्षण अच्छी दशा में शुष्क स्तर ठोस सड़क पर संचालित किया जाएगा। गतिवर्धक नियन्त्रण को परीक्षण के दौरान पूर्ण रूप से छोड़ दिया जाएगा और हस्तचालित गीयर वाले यानों की दशा में स्थानांतरण नियन्त्रण के ऊपर का गीयर और बिल्च लगे रहेंगे।

सारणी

क्रम सं.	यान की किस्म	भार	परीक्षण गति (गति जिस पर ब्रेक लगाया जाएगा) (कि.मी.)	ब्रेक की किस्म	रुकने की दूरी (मीटर में)
1.	मोटर साइकिलों, तिपहियों और कुपि ट्रैक्टरों से भिन्न सभी यान	लदे हुए, रजिस्ट्रीकृत जी बी डब्लू	30	पाद प्रचालित सर्विस	13
		या			
"		बिना लदे हुए	30	"	13
"		लदे हुए	40	"	21
"		बिना लदे हुए	40	"	21
2.	मोटर साइकिल	बिना लदे हुए	30	हस्त या पादचालित	21
3.	तिपहिया जिसमें ट्रैलरों के लिए तिपहिया ट्रैक्टर सम्मिलित हैं।	बिना लदे हुए	30	पाद प्रचालित (कम से कम दो पहियों पर प्रचालित ब्रेक)	13
4.	कुपि ट्रैक्टर	परीक्षण भार के लिए लदे हुए	25	पाद प्रचालित सर्विस	10
5.	500 घन सेंटीमीटर से अधिक क्षमता के इंजन वाले तिपहियों, मोटर साइकिल और कुपि ट्रैक्टरों से भिन्न सभी यान	लदे हुए, रजिस्ट्रीकृत जी बी डब्लू	30	यथोक्त	12.7
		या			15.0
		बिना लदे हुए	30	यथोक्त	9.3
			40	यथोक्त	12.0

इस परीक्षण के प्रयोजन के लिए मोटर साइकिल से भिन्न बिना लदे किसी यान से ऐसा यान अभिप्रेत है जो बिना किसी भार के है और यह केवल ड्राइवर और अन्य ऐसे व्यक्ति को जिसके लिए परीक्षण का सवक्षण करते के प्रयोजन के लिए विहित रूप से उपबंध किया गया है तथा अत्य उपकरण यदि कोई हों लग जाएगा। बिना लदे मोटर-साइकिलों की दशा में ऐसे यान से वह यान अभिप्रेत है तो वेक्सल-एकल-सदार और अन्य मापक उपकरणों, यदि कोई हों, को ले जाएगा।

21. मूल नियमों के नियम 98 में,—

- (i) उपनियम (1) में “छड़ों और डंडियों” शब्दों के स्थान पर “बोल्ट संयोजन छड़ों और डंडियों” शब्द रखे जाएंगे।
- (ii). उपनियम (2) के स्थान पर निम्नलिखित उपनियम रखे जाएंगे, अर्थात् :—

“(2) कृषि ट्रैक्टरों से भिन्न प्रत्येक मोटर यान का स्टीयरिंग गियर इस प्रकार बना होगा जिससे कि वह समय-समय पर यथा संशोधित भारतीय मानक : 1222 (1987) के अनुरूप हो। प्रत्येक कृषि ट्रैक्टर का स्टीयरिंग गियर भारतीय मानक भा. मा. : 11859 : 1987 के अनुरूप होगा।

(3) 500 घन सेंटीमीटर से अधिक क्षमता के इंजन वाले तिपहियों, मोटर साइकिलों और अशस्त्र यात्री गाड़ियों कृषि ट्रैक्टरों से भिन्न सभी मोटर यानों के स्टीयरिंग गीयर, जो केन्द्रीय मोटरयान (संशोधन) नियम, 1993 के प्रारंभ की तारीख से एक वर्ष में विनिर्मित किए जाते हैं, भारतीय मानक व्यूरो द्वारा यथा विनिर्दिष्ट भारतीय मानक : 11948—1986 के अनुरूप होंगे।”

22. मूल नियम के नियम 99 में, “आगे या पीछे” शब्दों के स्थान पर “विपरीत दिशा में भी” शब्द रखे जाएंगे।

23. मूल नियमों के नियम 100 में,—

- (क) उपनियम (1) में, “कृषि ट्रैक्टरों से भिन्न” शब्द “मोटर यान” शब्दों से पहले अंतःस्थापित किए जाएंगे,
- (ख) परंतुक में, “पारदर्शी एकीलिक चादर” शब्दों के स्थान पर “एकीलिक प्लास्टिक पारदर्शी चादर” शब्द रखे जाएंगे;
- (ग) उपनियम (2) के स्थान पर निम्नलिखित उपनियम रखा जायेगा, अर्थात् :—

“(2) प्रत्येक मोटरयान का वायुरोधी कांच और विडिकियों के कांच ऐसे होंगे और वे

ऐसी दशा में बनाए रखे जाएंगे कि दृश्यप्रेषण का प्रकाश 70% से अन्यत हो। बाजू की विडिकियों में प्रयुक्त कांच ऐसे होंगे और ऐसी दशा में बनाए रखे जाएंगे कि दृश्यप्रेषण का प्रकाश 50% से अन्यत हो और भारतीय मानक भा. मा. 2553 (भाग—2) के अनुरूप होंगे,

(घ) इस प्रकार प्रतिस्थापित उपनियम (2) के पश्चात् निम्नलिखित उपनियम अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“(3) केन्द्रीय मोटरयान (संशोधन) नियम, 1993 के प्रवृत्त होने से सीन वर्ष के पश्चात् विनिर्मित कृषि ट्रैक्टरों से भिन्न प्रत्येक यान के सामने का वायुरोधी कांच पटलित सुरक्षा कांच का बना होगा।

स्पष्टीकरण—इन उपनियमों के प्रयोजनों के लिए पटलित सुरक्षा कांच से ऐसा कांच अभिप्रेत है जो प्लास्टिक सामग्री के मध्यवर्ती परत या परतों द्वारा इकट्ठे रखे गए कांच के दो या दो से अधिक परतों से मिल कर बना है। पटलित सुरक्षा कांच टूटेगा और प्रत्यक्ष भार से बिखरेगा किन्तु कांच के टुकड़े प्लास्टिक से चिपके होंगे और वे दूधर उधर नहीं बिखरेंगे। यदि उसमें कोई सुराख किया जाता है तो उसके किनारे साधारण कांच के भुकावले नुकीले नहीं होंगे”।

(4) इस नियम में किसी बात के होते हुए भी यदि केन्द्रीय सरकार की यह राय हो कि ऐसा करना लोकहित में आवश्यक और समीचीन है तो केन्द्रीय सरकार राजपत्र में प्रकाशित आदेश द्वारा किसी व्यक्ति द्वारा प्रयोग किए जाने वाले किसी मोटर यान को इस नियम के उपबंध से छूट दे सकेगी।

24. मूल नियमों के नियम 101 के पश्चात् निम्नलिखित नियम रखा जाएगा अर्थात् :—

“101. वायुरोधी कांच प्रोक्षक :—(1) तिपहिया अशक्त यात्री गाड़ी मोटरसाइकिलों और 500 घन सेंटी-मीटर से अधिक की क्षमता वाले तिपहियों को छोड़कर वायुरोधी कांच वाले प्रत्येक मोटरयान पर एक दक्ष शक्ति प्रचालित या पाव प्रचालित वायुरोधी कांच प्रोक्षक लगा होगा।

(2) केन्द्रीय मोटर यान (संशोधन) नियम, 1993 के प्रारंभ की तारीख से एक वर्ष में विनिर्मित 500 घन सेंटी-मीटर से अनधिक की क्षमता वाले तिपहियों और मोटर साइकिलों तथा अशक्त यात्री गाड़ियों से भिन्न ऐसे मोटर-यानों पर वायुरोधी कांच लगे होंगे जिसमें एक दक्ष वायुरोधी कांच प्रोक्षक प्रणाली लगी होगी और यह डी.एम.यू.आर. दस्तावेज सं. ए.आर. ए. शाई/005/डी.एम.यू.आर! / 101 (2)/दिसम्बर 1992—वायुरोधी कांच प्रोक्षक प्रणाली के अनुरूप होंगे।

(3) 500 घन सेंटीमीटर से अनधिक क्षमता के इंजन वाले तिपहियों में या तो शक्ति प्रचालित या हस्त प्रबलीन वागुरुधी कांच प्रोक्षक प्रणाली लगी होगी।”

25. मूल नियमों के नियम 102 के स्थान पर निम्नलिखित नियम रखा जाएगा अर्थात् :—

“102. संकेतन उपकरण दिशासूचक और स्टाप लाइट—
(1) सभी मोटरयानों पर दाएं या बाएं मुड़ने के इरादे के संकेत विद्युत प्रचालित दिशासूचक लैपों द्वारा दिए जाएंगे। ये प्रत्येक यान में लगे होंगे और इस प्रकार रखे जाएंगे कि निम्नलिखित शर्तों वी पूर्ण हो सकें :—

(1) दिशासूचक लैप एम्बर रंग के होंगे जो 60 से अन्यून की दर की लाइट फ्लैशिंग और 102 फ्लैश से अनधिक की लाइट फ्लैशिंग प्रति मिनट की गति से मुड़ने के आशय को सूचित करने के लिए प्रदीप्त होंगे।

(2) लैपों द्वारा उत्सर्जित प्रकाश जब यह प्रचालन में हो सामने और बाजू की ओर से स्पष्ट रूप से दृश्यमान होगा।

(3) ऐसे दिशासूचकों का न्यूनतम प्रदीप्त क्षेत्र निम्नलिखित होगा :—

(क) दो टन से अनधिक भार के बिना लदे यानों या एकमात्र सामने को अवर्जित करते हुए सात व्यक्तियों को ले जाने वाले की दशा में 22.5 वर्ग सेंटीमीटर :

परन्तु यह कि यान चार पहियों से कम वाले या चार पहियों वाले ट्रैलर को छोड़कर जिसमें दोनों ओर दो-दो जुड़वां पहिए लगे हों ट्रैलर को खींचने के प्रयोग किए जाने वाले या

(ख) उल्लिखित यानों से भिन्न यानों की दशा में 60 वर्ग सेंटीमीटर :

परन्तु यह कि इस उपनियम की कोई बात 1 जून, 1990 के पूर्व विनियमित 70 घन सेंटीमीटर से अधिक को क्षमता के इंजन वाले मोटरसाइकिलों और 70 घन सेंटी मीटर से अनधिक की क्षमता के इंजन वाले मोटरसाइकिलों को लागू नहीं होगी।

(2) यान के हक्के का इरादा किसी विद्युत स्टाप लैप द्वारा सूचित किया जाएगा जो लाल रंग का होगा और यान के बाजू में लगा होगा। स्टाप लैप सर्विस ब्रेक नियंत्रण के लाभ करने के समय ही प्रकाशमान होगा :

परन्तु यह कि किसी मोटरसाइकिल को दशा में स्टाप लैप बाजू के पहियों पर ब्रेकों के नियंत्रण के प्रचालन के समय प्रकाशमान होगा।

(3) केन्द्रीय मोटर यान (संशोधन) नियम, 1993 के प्रारम्भ को तारीख से एक वर्ष में प्रत्येक मोटरसाइकिल के ट्राप लैप को इस प्रकार से डिजाइन किया जाएगा और इस प्रकार लगाया जाएगा कि यह यान के किसी पहियों पर ब्रेकों के लगाने और उनके नियंत्रण के समय ही प्रकाशमान होगा।”

26. मूल नियमों के नियम 103 के उपनियम (2) और उपनियम (3) के स्थान पर निम्नलिखित उपनियम रखा जाएगा, अर्थात् :—

“(2) केन्द्रीय मोटरयान (संशोधन) नियम, 1993 के प्रारम्भ को तारीख से एक वर्ष में 500 घन सेंटीमीटर से अधिक क्षमता के इंजन वाले तिपहियों और मोटरसाइकिलों से मिश्र प्रत्येक मोटर यान इस प्रकार सञ्जित होंगे और उनमें ऐसे उपकरण लगे होंगे कि जब यान स्थिर अवस्था में ही तो सड़क के अन्य उपयोगकर्ताओं को परिसंकटमय चेतावनी देने के लिए सभी दिशासूचक फ्लैश लगे हों।”

27. मूल नियमों के नियम 104 में,—

(1) उपनियम (1) और उपनियम (2) के स्थान पर निम्नलिखित उपनियम रखे जाएंगे, अर्थात् :—

“(1) 500 घन सेंटीमीटर से अनधिक क्षमता के इंजन वाले तिपहियों और मोटरसाइकिलों से मिश्र प्रत्येक मोटर यान तथा ट्रैलर और सैमी ट्रैलर यान पर दो परावर्तक, दोनों ओर पार्श्व में लगे होंगे। ऐसे यानों की दशा में जहाँ उसकी समग्र लंबाई 6 मोटर से अधिक है प्रत्येक परावर्तक और परावर्तन क्षेत्र 28.5 वर्ग सेंटीमीटर से कम नहीं होगा और ऐसे यान की दशा में जिसकी समग्र लम्बाई छह मीटर से कम है सात वर्ग सेंटीमीटर होगा और लाल परावर्तन पट्टी 30 मिलीमीटर से अन्यून की चौड़ाई की ओर 15 सेंटीमीटर से अन्यून की लम्बाई की होगी। प्रत्येक मोटरसाइकिल में एक लाल प्रतिवर्त परावर्तक पार्श्व में लगा होगा जिसके परावर्तन क्षेत्र सात वर्ग सेंटीमीटर से कम होगा और एक लाल परावर्तन पट्टी 20 मिलीमीटर से अन्यून की चौड़ाई और 10 सेंटीमीटर से अन्यून की लंबाई की होगी।

परन्तु केन्द्रीय मोटर यान (संशोधन) नियम, 1993 के प्रारम्भ को तारीख से एक वर्ष के भीतर प्रत्येक माल वाहन यान के आगे और भित्ति नाम पर यान का बाढ़ी के पार, 20 मिलीमीटर से अन्यून चौड़ाई को एक परावर्तन पट्टी या परावर्तन पेंट, चिकित्सकाए/पेंट कराएगा।

(2) 500 घन सेंटीमीटर से अनधिक की क्षमता के इंजन वाले तिपहियों से मिश्र प्रत्येक माल वाहन यान तथा ट्रैलर और सैमी ट्रैलर पर दो भक्षेर परावर्तक बाढ़ी के एकदम दाहिने और बाई ओर सामने को और मुंह

किए हुए कीने में दाहिने ओर लगे होंगे। ऐसे यानों की दशा में जिनकी समग्र लंबाई उह मीटर से अधिक है परावर्तक का परावर्तन क्षेत्र 28.5 वर्ग सेंटीमीटर से अधिक नहीं होगा और अन्य यानों की दशा में यह 7 वर्ग सेंटीमीटर से कम नहीं होगा”,

(i) “प्रत्येक माल बाहन यान में या” या ऐसे माल बाहन यान की दशा में जिसमें पीछे बाढ़ी का निर्माण किया गया हो, शब्दों का लोप किया जाएगा,

(ii) उपनियम (3) में, “लहसुनिया रंग के” शब्दों के स्थान पर “प्रतिवर्त” शब्द रखा जाएगा;

(iii) उपनियम (4) के स्थान पर निम्नलिखित उपनियम रखा जाएगा, अर्थात् :—

“(iv) केन्द्रीय मोटर यान (संशोधन) नियम, 1993 के प्रारम्भ की तारीख से ही इस नियम और नियम 110 में निर्दिष्ट परावर्तन भारतीय मानक व्यूरो द्वारा विनिर्दिष्ट भारतीय मानकों के अनुसृत प्रतिवर्त किस्म के होंगे”।

(v) यथा प्रतिस्थापित उपनियम (4) के पश्चात् निम्नलिखित उपनियम रखा जाएगा, अर्थात् :—

“(5) केन्द्रीय मोटर बाहन नियमावधी 1993 के लागू होने के दिन से एवं उस तारीख से प्रत्येक मोटर बाहन तथा 6 मीटर से अधिक की सम्भार्ड वाले ट्रैक्टर के साथ बाहन के दाँड़ी और तथा बाई और अम्बर रंग का एक-एक रिफ्लेक्टर लगाया जाएगा, एक सेट अगले सिरे के पथा संभव अधिकतम निकट तथा दूसरा सेट पिछो सिरे के पथा संभव अधिकतम निकट होगा। साइड रिफ्लेक्टरों की जमीन से ऊंचाई 1500 एम.एम. से अधिक नहीं होगी। प्रत्येक रिफ्लेक्टर का क्षेत्रफल 28.5 वर्ग सेंटीमीटर से कम नहीं होगा। परन्तु यदि दो साइड रिफ्लेक्टरों के बीच की दूरी 3 मीटर से अधिक हो तो अतिरिक्त अन्तर्वर्ती रिफ्लेक्टर इस प्रकार लगाए जाएंगे कि किसी भी समीकर्ता साइड रिफ्लेक्टर के बीच की दूरी 3 मीटर से अधिक नहीं हो”।

28. मूल नियमों के नियम 105 में,—

(1) उपनियम (1) में,—

(i) खंड (क) में “मोटरसाइकिल और अशक्त यात्री बाढ़ी की दशा के सिवाए” शब्दों के स्थान पर आटोविंश्टा, 500 बन सेंटीमीटर से अनुचिक की जमता के इंजन वाले तिपहिया यान और तिपहिया अशक्त बाढ़ी की दशा के सिवाए” शब्द रखे जाएंगे।

(ii) खंड (ख) में—“और जहां रजिस्ट्रीकरण चिह्न यान के सामने की ओर प्लेट के दोनों ओर प्रदर्शित किया जाता है, वहां वह इस प्रकार लगाया जाएगा कि प्लेट दोनों ओर से प्रभासित की जा सके,” शब्दों को लोप किया जाएगा।

(iii) खंड (ग) में, “मोटर साइकिल” शब्दों के पश्चात् “की दशा में” शब्द अंतःस्थापित किए जाएंगे।

(2) उपनियम (3) के स्थान पर निम्नलिखित उपनियम रखा जाएगा, अर्थात् :—

“(3) केन्द्रीय मोटर यान (संशोधन) नियम, 1993 के प्रारंभ की तारीख से ही मोटर साइकिलों से भिन्न किसी मोटर यान के आवश्यक सामने के हैड लैप यथाशक्त निकटम एक ही शक्ति के होंगे और उनकी ऊंचाई जमीन से हैड लैप के नीचे किनारे तक एक मीटर से अधिक नहीं होगी:

परन्तु यह कि चार पहियों पर समग्र देश में चलने वाले यानों की दशा में उक्त सामने के शीर्ष लैप की अधिकतम ऊंचाई भारतीय मानक आ.मा.: 8415 (खंड 4.1.1)।

परन्तु यह और कि कुषि ट्रैक्टरों की दशा में, उक्त सामने के हैड लैप की ऊंचाई 1.6 मीटर से अधिक नहीं होगी।

परन्तु यह और कि केन्द्रीय मोटर यान (संशोधन) नियम, 1993 के प्रारंभ की तारीख से ही 500 बन सेंटीमीटर से अन्यून की जमता के इंजन वाले तिपहियों, मोटर साइकिलों और तिपहिया अशक्त गाड़ियों को छोड़कर सभी यानों पर पीछे की ओर लाल प्रकाश दर्शित करने वाले दो लैम्प फिट किए जाएंगे,”।

(3) उपनियम (4) के पश्चात् निम्नलिखित परन्तुक अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“परन्तु कुषि ट्रैक्टरों की दशा में पीछे के लैप की ऊंचाई 1.6 मीटर से अधिक नहीं होगी।”

(4) उपनियम (6) के पश्चात् निम्नलिखित उपनियम अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“(7) केन्द्रीय सरकार द्वारा अधिसूचित की जाने वाली तारीख से ही विनिर्दिष्ट प्रत्येक मोटर यान में जब यान विपरीत गीयर में चल रहा हो उसके पार्श्व में सफेद प्रकाश डालने के लिए एक पार्श्व में एक लैप लगा होगा। जब यान विपरीत गीयर में चल रहा हो तो उसके लिए एक ध्रुव्य सूचना प्रणाली भी लगी होगी। ध्रुव्य सूचना प्रणाली और प्रकाश इस प्रकार से स्वतः प्रचालित होंगे जिससे कि यह प्रणाली जब तक कि यान विपरीत गीयर में हो काम नहीं करेगी।

परन्तु यह कि यानों के विभिन्न बगों और किस्मों के लिए विभिन्न तारीख अधिसूचित की जा रहेंगी।”

29. मूल नियमों के नियम 106 में,—

(i) उपनियम (1) के खंड (क) के स्थान पर निम्न-लिखित खंड रखा जाएगा, अर्थात् :—

(क) स्थायी रूप से उस विस्तार तक भीचे की ओर अपवर्तित होता है कि वह किसी ऐसे व्यक्ति की आंख को चकाकोंध न कर सके जिसकी आंख निम्न-लिखित स्थिति में हो—

(अ) सामने के लैंप से आठ मीटर की दूरी पर,

(आ) लैंप के दाँड़ और जैसे यान के एकदम दाँड़ और लैंप के दाँड़ किनारे से 0.5 मीटर की दूरी पर हो, और

(इ) यान की आधार धीमा तक से 1.5 मीटर की ऊंचाई पर हो।"

परन्तु कृषि ट्रैक्टरों की दशा में लैंप भारतीय मानक भा.मा. 12239 (भाग-2) : 1988 के अनुसार लगे होंगे और इस प्रकार बने होंगे,"।

(ii) उपनियम (2) का लोप किया जाएगा,

(iii) उपनियम (3) को उपनियम (2) के रूप में पुनरावृत्ति किया जाएगा।

30. मूल नियमों के नियम 107 के स्थान पर निम्न-लिखित उपनियम रखा जाएगा, अर्थात् :—

"107. सबसे ऊपर की बत्तियाँ :

तिपहिया यानों से भिन्न प्रत्येक मालवाहक यान तथा ट्रैलर और सेमी ट्रैलर जिनकी अनधिक चौड़ाई 2.1 मीटर से अधिक होगी। पर एक-एक सफेद बत्ती सामने की ओर दाँड़ और बाएँ किनारों से प्रकाश दर्शाएगी और पीछे की ओर से, सबसे ऊपर बाएँ और दाढ़िने कोने में लगी होंगी। जब यान को सड़क पर खड़ा रखा जाता है तो उसकी बत्तियाँ जलती रहेंगी और उस समय जब कम दिखाई देता हो तो जलती रहेंगी।

परन्तु ऐसे माल वाहक यान की दशा में जिसमें पीछे बाड़ी न लगी हो पीछे की ओर सबसे ऊपर बाली बत्ती लगाना आवश्यक नहीं होगा।"

31. मूल नियमों के नियम 108 के परन्तुक में निम्न-लिखित मर्दे अंत में जोड़ी जाएंगी, अर्थात् :—

"(vi) बाजू की संख्या प्लेट को प्रदीप्त करने वाली सफेद बत्तियाँ,

(vii) जब यान पीछे की दिशा में चल रहा हो तब चालक के मार्गदर्शन के लिए सफेद बत्ती का होना,

(viii) कृषि ट्रैक्टरों में कृषि संबंधी कार्य करते समय उपकरणों के कार्य स्थल को प्रदीप्त करने के लिए हल बत्ती की व्यवस्था।"

32. मूल नियम 109 के स्थान पर निम्नलिखित नियम रखा जाएगा, अर्थात् :—

"109 500 घन सेंटीमीटर से अनधिक की क्षमता के इंजन वाले तिपहियों और मोटरसाइकिलों तथा तिपहियाँ अशक्त गाड़ियों से भिन्न प्रत्येक मोटरयान पर सामने की बत्तियों के अतिरिक्त दोनों तरफ दानेदार कांच लगाकर एक सफेद या एंवर पार्किंग बल्टी लगाई जाएगी जो आगे की अन्य बत्तियों के समान होगी और बाजू में दो अतिरिक्त नाल बत्तियाँ होंगी जो तब भी जलती रहेंगी जब यान को सड़क पर खड़ा रखा जाता है।

परन्तु ये बाजू वाले लैंप वैसे ही हो सकते हैं जैसे कि नियम 105 के उपनियम (2) में निर्दिष्ट हैं।

परन्तु यह और कि कृषि ट्रैक्टरों की दशा में पार्किंग बल्टी बाजू के मड़ाई पर इस प्रकार चढ़ी होगी कि बल्टी सामने तथा बाजू से भी दिखाई दे सके।"

33. मूल नियमों के नियम 110 के स्थान पर निम्न-लिखित नियम रखा जाएगा, अर्थात् :—

"110 आठों रिक्षा और 500 घन सेंटीमीटर से अनधिक की क्षमता के इंजन वाले तिपहिए में एक आगे का लैंप और दो सफेद पार्कर्व बत्तियाँ या बाड़ी पर दो दो आगे के लैंप लगे होंगे। आगे की बत्तियों या पार्कर्व बत्तियों के अतिरिक्त उसमें पिछला भाग दर्शित करने के लिए एक पीछे का लैंप लगा होगा और 75 मीटर की दूरी से दिखाई देने वाली पीछे की लाल बत्ती और यान के पीछे की ओर प्रदर्शित रजिस्ट्रीकरण चिह्न को प्रदीप्त करने वाली सफेद बत्ती जिसमें रजिस्ट्रीकरण चिह्न 15 मीटर की दूरी से पढ़ा जा सके और 7 वर्ग सेंटीमीटर से अन्धून के परावर्तक क्षेत्र वाले और 30 सेंटीमीटर से अन्धून की चौड़ाई और 15 सेंटीमीटर से अन्धून की लंबाई की एक नाल परावर्तक पट्टी वाले प्रत्येक यान पर दो नाल प्रतिवर्त परावर्तक भी लगे होंगे।"

परन्तु इन यानों के किन्हीं ट्रैलरों से जुड़े होने की दशा में इस नियम में उल्लिखित पिछले किटमेंट और नियम 102 में उल्लिखित दिशा संकेतक प्रणाली की ट्रैलरों के पीछे की ओर व्यवस्था की जाएगी।"

34. मूल नियमों के नियम 112 में अंत में निम्नलिखित अतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

"परन्तु यह भी कि ऐसे यानों में जहां निष्कासित गैस यान के दाँड़ और नियमोंवित की जाती है, उसके नीचे की ओर हल्का कोण अनुच्छात होगा परन्तु यह तब जब कि निष्कासित गैस धूल को न उड़ाती हो जब यान खड़ा हुआ हो और उसके इंजन चल रहे हों और किसी भी दिशा में क्षेत्रिज्ज कोण 30 अंश से अधिक नहीं होना चाहिए।"

परन्तु यह और भी कि ऐसे यानों के जहां निष्कासित गैस यान के बासी और निमाचित की जाती है, यहां निष्कासन पाइप का अकाव नीचे की ओर 30 अंश को पार नहीं करना चाहिए और उच्चार्थी तल के साथने बायी और 30 अंश का होना चाहिए जिसमें यान की केन्द्रीय रेखा सम्मिलित है परन्तु यह तब जब कि निष्कासन गैस तब धूल न उड़ाए जब यान उड़ा हो और इंजन चालू हो।

परन्तु यह और भी कि ट्रैक्टरों की दशा में ऊर्ध्वार्थी निष्कासन वाहप लगाया जा सकता है और इस वाहप का निकास इस दिशा में होना चाहिए कि ट्रैक्टर का ड्राइवर का मुंह भारतीय मानक भा.मा. 12239 (भाग—I) : 1988 के अनुसार निकास को, ड्राइवर के सिर के स्तर के ऊपर या उस तक करके, उसकी ओर नहीं होना चाहिए।"

35. मूलनियमों के नियम 115 में:—

(1) उपनियम (1) के स्थान पर निम्नलिखित उपनियम रखा जाएगा, अर्थात्:—

"(1) पहली मार्च, 1990 से पूर्व विनिर्मित 70 घन मीटर से अधिक की क्षमता वाले मोटरयानों से भिन्न प्रत्येक मोटर यान ऐसी दशा में बनाए रखा जाएगा और ऐसे चलाया जाएगा कि इन नियमों में विनिर्दिष्ट मानकों का पालन हो सके,"

(ii) उपनियम (2) की सारणी में उपर्युक्त (ग) के नीचे, निम्नलिखित सारणी रखी जाएगी, अर्थात्:—

"सारणी

परीक्षण की पद्धति	धूएं का अधिकतम आयतन		
प्रकाश	बोश हार्डिंज		
अवशोषण	ईकार्ड ईकार्ड		
गुणांक (—)			

(क) कृषि ट्रैक्टरों से भिन्न यानों के लिए

(1) विनिर्माता द्वारा	3. 25	5. 2	75
घोषित इंजन की			
अधिकतम रेटिंग			
आरपीएम का 60			
से 70% पर संपूर्ण			
भार।			
या			
मुक्त स्वरण	2. 45	—	65

(ख) कृषि ट्रैक्टरों के लिए—

पी.टी.ओ. कार्यपालन परी-	3. 25	5. 2	75
क्षण में विकसित अधिकतम			
शक्ति के तत्समान 80%			
भार।			

(iii) (क) उपनियम (5) में "वे भारतीय चालन चक्र के अधीन उत्सर्जन के निम्नलिखित स्तरों के अनुरूप हों" शब्दों के स्थान पर "जब उनका उपबंध में विनिर्दिष्ट परीक्षण चक्र के अनुसार परीक्षण किया जाता है" शब्द रखे जाएंगे।

(ख) उपनियम (5) में, एक परन्तुक अंत: स्थापित किया जाएगा, अर्थात्:—

"परन्तु कृषि ट्रैक्टरों को लागू निर्बाध गैस उत्सर्जन के मानकों को पृथक रूप से अधिसूचित किया जाएगा।"

(iv) उपनियम (6) के पश्चात् निम्नलिखित उपनियम जोड़ा जाएगा, अर्थात्:—

"(7) उस तारीख से जिसको यान पहली बार रजिस्ट्रीकृत किया जाता है, एक वर्ष की अवधि के अवसान के पश्चात् प्रत्येक ऐसा यान, राज्य सरकार द्वारा इस प्रयोजन के लिए किसी प्राधिकृत अधिकरण द्वारा जारी किया गया विधिमान्य "प्रदूषण नियंत्रणाधीन" प्रमाणपत्र रखा जाएगा। इस प्रमाणपत्र की विधिमान्यता छह मास के लिए या ऐसी कम अवधि के लिए होगी जो राज्य सरकार द्वारा समयसमय पर विहित की जाए और यह प्रमाणपत्र यान में सर्वदा रखा जाएगा और नियम 116 के उपनियम (1) में निर्दिष्ट अधिकारियों द्वारा मांग करने पर पेश किया जाएगा।

(8) उपनियम (7) के अधीन जारी किया गया प्रमाणपत्र जब यह प्रभावी रहता है, पूरे भारत में विधिमान्य रहेगा।"

36. मूलनियमों के नियम 116 के स्थान पर निम्नलिखित नियम रखा जाएगा, अर्थात्:—

"116(1) नियम 115 के उपनियम (7) में किसी बात के होते हुए भी पुलिस उपनिरीक्षक से निम्न पंक्ति का कोई अधिकारी या, कोई मोटर यान निरीक्षक यदि उसके पास यह विश्वास करने का कारण है कि नियम 115 के उपनियम (2) या उपनियम (7) के उपबंधों का किसी मोटर यान द्वारा पालन नहीं किया जा रहा है तो वह यान के ड्राइवर या उसके भारसाधक किसी व्यक्ति को लिखित में किसी प्राधिकृत परीक्षण केन्द्र में उत्सर्जन के मानकों को यानने के परीक्षण करने के लिए यान को पेश करने का निरेश दे सकेगा और जांच करने की तारीख से सात दिन के भीतर लिखित निरेश में वर्णित पते पर किसी प्राधिकारी को प्रमाणपत्र पेश करेगा।

(2) यान का चालक या भारसाधक कोई व्यक्ति उपनियम (1) में किसी अधिकारी द्वारा ऐसा निरेश मिलने पर नियम 115 के उपनियम (2) के उपबंधों के अनुपालन करने के लिए परीक्षण करने के लिए यान को अधिकारी द्वारा वैथानीमनिवेशित किसी प्राधिकृत परीक्षण केन्द्र में पेश करेगा।

(3) नियम 115 के उपनियम (2) के उपबंधों के अनुपालन का माप मूल नियमों के नियम 126 में निर्दिष्ट किसी अधिकरण द्वारा अनुमोदित प्रकार के किसी सीटर द्वारा किया जाएगा।

परंतु यह कि कोई परीक्षण अधिकरण आई.एस.ओ.या ईडी.ई. मानकों और माप मीटरों के अनुमोदन की प्रक्रियाओं का पालन करेगा।

(4) यदि परीक्षणों का परिणाम यह उपर्युक्त करता है कि यान नियम 115 के उपनियम (2) के उपबंधों का पालन करता है तो यान का चालक या भारसाधक व्यक्ति नियम सीमा के भीतर उपनियम (1) में विहित प्राधिकारी को प्रमाणपत्र पेश करेगा।

(5) यदि परीक्षण परिणाम यह उपर्युक्त करता है कि मोटर यान नियम 115 के उपनियम (2) के उपबंधों का पालन करता है तो यान का चालक या भारसाधक व्यक्ति वृटियों को सात दिन की अवधि के भीतर इस प्रकार दूर करेगा जिससे कि नियम 115 के उपनियम (2) के उपबंधों का पालन हो सके और यान पुनः जांच के लिए किसी प्राधिकृत परीक्षण केन्द्र से इस प्रकार प्राप्त प्रमाणपत्र को, उपनियम (1) में निर्दिष्ट प्राधिकारी को पेश करेगा।

(6) यदि उपनियम (1) में निर्दिष्ट प्रमाणपत्र सात दिन की नियत अवधि के भीतर पेश नहीं किया जाता है या यदि यान नियम 115 के उपनियम (2) के उपबंधों का अनुपालन सात दिन की अवधि के भीतर करने में असफल रहता है तो यान का स्वामी अधिनियम की धारा 190 के उपनियम (2) के अधीन विहित शास्ति का दायी होगा।

(7) यदि उपनियम (1) में निर्दिष्ट यान का ड्राइवर या उसका भारसाधक कोई व्यक्ति उक्त सात दिन की अवधि के भीतर उक्त प्रमाणपत्र पेश नहीं करता है तो यह समझा जाएगा कि ऐसे यान ने नियम 115 के उपनियम (2) के उपबंधों का उल्लंघन किया है और पड़ताल अधिकारी भासले की रजिस्ट्रीकरण प्राधिकारी को रिपोर्ट करेगा।

(8) रजिस्ट्रीकरण प्राधिकारी उपनियम (7) में निर्दिष्ट रिपोर्ट की प्राप्ति पर कारणों को लेखबद्ध करते हुए यान के रजिस्ट्रीकरण के प्रमाणपत्र को उस समय तक के लिए निर्लिपित कर देगा जब तक कि रजिस्ट्रीकरण प्राधिकारी के समक्ष इस प्रभाव का प्रमाणपत्र कि यान नियम 115 के उपनियम (2) के उपबंधों का अनुपालन करता है, पेश नहीं किया जाता है।

(9) यान के रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र के इस प्रकार निलंबन पर मोटर यान अधिनियम, 1988 (1988 का 59) के अध्याय 5 के अधीन या अध्याय 6 के अधीन यान की बाबत अनुदत्त कोई परमिट तब तक निलंबित समझा जाएगा जब तक एक नदा “प्रदूषण नियंत्रणाधीन प्रमाणपत्र प्राप्त नहीं कर लिया जाता है।”

37. मूल नियमों के नियम 117 में,—

(i) उपनियम (1) में, निम्नलिखित परन्तुक अंतः स्थापित किया जाएगा, अर्थात्:

“परन्तु यह कि प्रत्येक ड्राइवर में एक आर.एफ. एम-कम-आवर मीटर लगा होगा।”;

(ii) उपनियम (2) के स्थान पर निम्नलिखित उपनियम रखा जाएगा, अर्थात्:

“(2) केन्द्रीय मोटर यान (संशोधन) नियम, 1993 के प्रारंभ की तारीख से ही विनिर्दिष्ट प्रत्येक यान में एक गतिमापी लगा होगा जो भारतीय मानक द्वारा द्वारा विनिर्दिष्ट भा.मा.: 11086 में अधिकारिक अपेक्षाओं के अनुरूप होगा।”

38. मूल नियमों के नियम 120 के उपनियम (2) के स्थान पर निम्नलिखित उपनियम रखा जाएगा, अर्थात् :

“(2) यह मानक :—प्रत्येक मोटर यान का निर्माण और रख-रखाव इस प्रकार किया जाएगा कि वह नीचे सारणी में उपर्युक्त यह मानकों के अनुरूप हो और ये मानक भारतीय मानकों भा.मा.: 3028 के अनुसार परीक्षित होंगे।

सारणी

यानों का प्रवर्ग	अधिकतम अनुज्ञेय रूप स्तर
दो पहिये यान (पैट्रोल चालित)	80 डी.बी. (ए)
सभी यादी कर, सभी पैट्रोल चालित तिपहिए और डीजल चालित दो पहिए	82 डी.बी. (ए)
यादी या हल्के वाणिज्यिक यान जिनमें तिपहिए यान जिनमें डीजल इंजन किट किए गए हों और सकल यान भार 4000 कि.ग्रा. तक हो	85 डी.बी. (ए)

1

2

यात्री या वाणिज्यिक यान जिनका सकल यान भार 4000 कि.ग्रा. के ऊपर और 12000 कि.ग्रा. तक हो	89 डी.बी. (ए)
यात्री या वाणिज्यिक यान जिसका सकल यान भार 12000 कि.ग्रा. से ऊपर हो	91 डी.बी. (ए)

39. मूल नियमों के नियम 122 के स्थान पर निम्नलिखित नियम रखा जाएगा, अर्थात् :

“122 चेसिस संख्यांक और इंजन संख्यांक तथा विनिर्माण की तारीख का समुद्दरण (1) केन्द्रीय मोटर यान (संशोधन) नियम, 1993 के प्रारंभ की तारीख से ही ट्रैलरों और अर्द्ध-ट्रैलरों से भिन्न प्रत्येक मोटर यान पर पहचान संख्यांक जिसमें विनिर्माण का मास और वर्ष समिलित है, समुद्रभूत या उत्कीर्णित या छिप्रित होगा।

परन्तु ऐसे यानों पर जिसमें इंजन संख्यांक, चेसिस संख्यांक और विनिर्माण का मास का उत्कीर्णन समुद्रभरण या छिप्रित करने के लिए स्थान पर्याप्त नहीं है वहां विनिर्माण के वर्ष और मास सहित उत्कीर्ण, समुद्रभरण का छिप्रण यान की बाढ़ी पर बैल्ड करके रिवेट लगा कर एक पहचान प्लेट पर किया जाएगा।

(2) यान विनिर्माता उस स्थान की बाबत जहाँ प्रत्येक माडल की बाबत उत्कीर्णन या समुद्रभरण अथवा छिप्रण किया जाना है, केन्द्रीय सरकार जल भूतल परिवहन मंत्रालय और प्रकाणपथ दैनें वाले परीक्षण अधिकरण को सूचित करेगा जिसमें विनिर्माण के वर्ष और मास की संहिता समिलित है और केन्द्रीय सरकार इन व्यारों की सूचना सभी राज्य सरकारों तथा संघ राज्य क्षेत्र, प्रशासनों को राज्यपत्र में अधिसूचना के द्वारा देगा। कोई भी विनिर्माण केन्द्रीय सरकार, जल भूतल परिवहन मंत्रालय को रजिस्ट्रीकूट डाक द्वारा सूचित करने के पूर्व उत्कीर्णन, समुद्रभरण अथवा छिप्रण कराने के स्थान और विनिर्माण के वर्ष और मास की संहिता को नहीं बदलेगा।

परन्तु किसी भी दशा में समग्र छह मीटर से अन्यून की लंबाई वाले यानों पर चेसिस संख्यांक के उत्कीर्णन, समुद्रभरण अथवा छिप्रण की ऊंचाई 5 मिलीमीटर और छह मीटर से अधिक समग्र लंबाई वाले मोटर यानों की दशा में सात मिलीमीटर से कम नहीं होगी।”

40. मूल नियमों के नियम 123 में “किसी भी मोटर-साइकिल का” शब्दों के पश्चात् “जिसमें पीछे बैठने के लिये व्यवस्था है” शब्द अंतःस्थापित किये जायेंगे।

41. मूल नियमों के नियम 124 के स्थान पर निम्नलिखित नियम रखा जायेगा, अर्थात् :—

“124. संघटकों के सुरक्षा मानक :—

(1) केन्द्रीय सरकार राजपत्र में अधिसूचना द्वारा समय समय पर किसी भाग, संघटक या संयोजन के मानकों को जो भारतीय मानक व्यूरो द्वारा विनिर्दिष्ट किये गये हैं और जो यान के विनिर्माण में प्रयुक्त किये जाते हैं और वह तारीख जिसके ऐसे भाग संघटक या संयोजन किसी यान के विनिर्माण में प्रयुक्त किये जाने हैं विनिर्दिष्ट कर सकेगी और ऐसी अधिसूचना होने पर प्रत्येक विनिर्माता के बल ऐसे भागों संघटकों या संयोजन को यान के विनिर्माण में उपयोग करेगा।

(2) प्रत्येक विनिर्माता प्रलेप 22 में इस नियम के उपबन्धों के अनुपालन को प्रमाणित करेगा।”

42. मूल नियमों के नियम 125 के स्थान पर निम्नलिखित नियम रखा जायगा, अर्थात् :—

“125. केन्द्रीय मोटर यान (संशोधन) नियम, 1993 के प्रारंभ की तारीख से एक वर्ष में, मोटर साइकिल और 500 घन सेंटीमीटर से अनधिक क्षमता के इंजन वाले तिपहियों से भिन्न प्रत्येक यान का विनिर्माता यान को चालक और अगली सीट पर बैठने वाले व्यक्ति के लिये पेटी वाली सीट से सज्जित करेगा।

(2) केन्द्रीय मोटरयान (संशोधन) नियम, 1993 के प्रारंभ की तारीख से छह मास के भीतर सभी मोटर यान और भारी यात्री मोटर यान एक आटो डिपर से सज्जित किये जायेंगे।

(3) केन्द्रीय मोटर यान (संशोधन) नियम, 1993 के प्रारंभ की तारीख से दो वर्ष के भीतर प्रत्येक भारी यान और भारी यात्री मोटर यान एक आटो डिपर से सज्जित किये जायेंगे।

(4) केन्द्रीय मोटर यान (संशोधन) नियम, 1993 के प्रारंभ की तारीख से तीन वर्ष के भीतर, मोटर साइकिल और 500 घन सेंटीमीटर से अनधिक क्षमता के इंजन वाले तिपहियों से भिन्न प्रत्येक यान एक आटो डिपर से सज्जित होगा।

43. मूल नियमों के नियम 126 के स्थान पर निम्नलिखित नियम रखा जायेगा, अर्थात् :—

“126. प्रत्येक मोटर यान के प्रोटोटाइप का परीक्षण किया जाना :—

केन्द्रीय मोटर यान (संशोधन) नियम, 1993 के प्रारंभ की तारीख से ही प्रत्येक मोटर यान की विनिर्माता ट्रैलरों और अर्द्ध-ट्रैलरों से भिन्न सभी मोटर यानों के प्रोटोटाइप का परीक्षण जो उसके द्वारा विनिर्मित किये जाते हैं भारत सरकार के रक्षा मंत्रालय के मान अनुसंधान और विकास स्थापन या आटोमोटिव रिसर्च एसोसिएशन

भाक इंडिया, पुणे या सेंट्रल मनोविदी ईस्टिंग एंड ट्रॉनिंग इंस्टीट्यूट, बुदली (मध्य प्रदेश) को या इंडियन इंस्टीट्यूट ग्राफ पैट्रोलियम, देहरादून तथा ऐसे अन्य अभिकरणों को, जो अधिनियम और इन नियमों के उपबन्धों के अनुपालन के लिये उस स्थापन हारा प्रभाग्न के लिये केन्द्रीय सरकार द्वारा विनिर्दिष्ट किये जाएं, पेश करेगा।”—

44. मूल नियमों के नियम 126 के पश्चात् निम्नलिखित नियम अंतःस्थापित किया जायगा, अर्थात्:—

“126क. नियम 126 में निर्दिष्ट परोक्षण अभिकरण केन्द्रीय सरकार हारा अधिकारित प्रक्रिया के अनुत्तरण में यह स्थापित करने के लिये कि क्या ये यान मोटर यान अधिनियम, 1988 (1988 का 59) या तद्विन बनाए गये नियमों और आदेशों के उपबन्धों के अनुरूप हैं, विनिर्माणों के उत्पादन धारा से लगाये गये परोक्षणों का भी संचालन करेगा।”

45. मूल नियमों के नियम 128 में,—

(1) उपनियम (3) के स्थान पर निम्नलिखित उपनियम रखा जायगा, अर्थात्:—

“(3) यादी प्रवेश और निकास:—यादी प्रवेश-सह निकास द्वारा उन यानों में जिनमें सामने पर्याप्त प्रबंध है यान के बाई और होना चाहिये और द्वार कम से कम 685 मिलीमीटर खुला हुआ होना चाहिये। द्वार का हैंडिल ऐसा होना चाहिये कि उसे अंदर और बाहर दोनों तरफ से खोला जा सके। द्वार यथोचित ताला उपकरणों या जलदाब अथवा विद्युत से प्रचालित हो सकता है।”

(2) उपनियम 7(4) में, “ऊपर कब्जा लगाकर” शब्दों का लोप किया जायेगा।

46. मूल नियमों के नियम 129 में,—

(1) उपनियम (1) में निम्नलिखित उपखंड जोड़ा जायेगा, अर्थात्:—

“(iv) किसी खतरनाक या परिसंकटमय माल का वहन करने वाले प्रत्येक माल वाहन में आग, विस्फोट से बचने या खतरनाक या परिसंकटमय माल को बचाने के लिए सुरक्षा उपकरण लगे होंगे।”

(ii) उपनियम (1) के पश्चात् निम्नलिखित उपनियम अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:—

“(2) केन्द्रीय मोटर यान (संशोधन) नियम, 1993 के प्रारंभ की तारीख से एक वर्ष के भीतर, मानव जीवन के लिए खतरनाक या परिसंकटमय प्रकृति का माल वहन करने वाले प्रत्येक माल वाहक यान में टेकोग्राफ (मोटर यान के चलने के समय के लैप बनाई रखी गई समय गति, गति वर्धन, 758-GI/93—3

गति में कभी आदि को लेखबद करने के लिए एक उपकरण) किट किया जाया होगा जो भारतीय मानक व्यूरो के विनिर्देशों के अनुरूप होगा।”

47. मूल नियमों के नियम 129 के पश्चात् निम्नलिखित नियम रखा जाएगा, अर्थात्:—

“129क. स्पार्क अरेस्टर-केन्द्रीय मोटर यान (संशोधन) नियम, 1993 के प्रारंभ की तारीख से छह मास के भीतर मानव जीवन के लिए खतरनाक या परिसंकटमय माल वहन करने वाला प्रत्येक माल वाहन में एक स्पार्क अरेस्टर लगा होगा।”

48. मूल नियमों के नियम 131 के स्थान पर निम्नलिखित नियम रखा जाएगा, अर्थात्:—

“131. खतरनाक या परिसंकटमय माल के सुरक्षित परिवहन के लिए परेषक का उत्तरदायित्व—

(1) सारणी 3 में सूचीबद्ध किसी खतरनाक या परिसंकटमय माल का परिवहन करने का आशय रखने वाले परेषक का यह उत्तरदायित्व होगा कि वह निम्नलिखित को सुनिश्चित कर ले, अर्थात्:—

(क) माल वाहन का उक्त माल को ले जाने के लिए विधिमान्य रजिस्ट्रीकरण।

(ख) यान किसी दुर्घटना, को रोकने के लिए आवश्यक प्राथमिक उपचार, सुरक्षा उपस्कर और प्रतिकारक से सजित है;

(ग) यह कि परिवहनकर्ता या माल वाहन के स्वामी के पास परिवहन किए जा रहे खतरनाक या परिसंकटमय माल के बारे में संपूर्ण और पर्याप्त सूचना है; और

(घ) यह कि माल वाहन का ड्राइवर ऐसे माल के परिवहन के दौरान होने वाले खतरे से निपटने के लिए प्रशिक्षित है।

(2) प्रत्येक परेषक परिवहन किए जा रहे खतरनाक और परिसंकटमय माल की बाबत माल यान के स्वामी को संपूर्ण और पर्याप्त जानकारी देंगा जिससे कि ऐसा स्वामी या उसका ड्राइवर—

(क) नियम 129 से नियम 137 (जिसमें दोनों सम्मिलित हैं) तक के अपेक्षाओं का अनुपालन कर सकेंगे; और

(3) परेषक का यह कर्तव्य होगा कि वह यह सुनिश्चित करे कि नियम 129 से नियम 137 तक (जिसमें दोनों सम्मिलित हैं) के उपबन्धों का अनुपालन करने के लिए प्रयोजन के लिए सही और पर्याप्त जानकारी है।

49. मूल नियमों के नियम 132 के स्थान पर निम्नलिखित नियम रखा जाएगा, अर्थात्:—

“132 परिवहनकर्ता या माल यान के स्वामी का दायित्व-

(1) किसी खतरनाक या परिसंकटमय माल का परिवहन करने वाले माल यान के स्वामी का यह कर्तव्य होता कि वह निम्नलिखित सुनिश्चित कर ले, अर्थात्—

(क) यह कि माल यान का उक्त आल को ले जाने के लिए विधिमान्य रजिस्ट्रीकरण है और उक्त यान उक्त माल के परिवहन के लिए सुरक्षित है, और

(ख) यह कि यान दुर्घटना को रोकने के लिए सभी आवश्यक प्राथमिक उपचार, सुरक्षा उपस्कर औजार, पेटी और प्रतिकारक से सज्जित है।

(2) माल यान का प्रत्येक स्वामी अपने माल यान में खतरनाक या परिसंकटमय माल का परिवहन करने का बचन देने से पूर्ण स्वयं का यह समाधान करेगा कि परेक द्वारा दी गई जानकारी सभी बाबत संपूर्ण और सही है, तथा नियम 137 में विविदिष्ट ऐसे माल के वर्गीकरण के अनुकूल है।

(3) माल यान का स्वामी यह सुनिश्चित करेगा कि ऐसे यान के ड्राइवर को परिवहन के लिए उसको संवैध भए खतरनाक या परिसंकटमय माल की बाबत इन नियमों के उपाधिध 5 में दी गई लिखित सभी सुसंगत जानकारी दे दी गई हैं और अधना यह समाधान करेगा कि ऐसे ड्राइवर को ऐसे माल की प्रकृति और उससे होने वाले जोखिम की प्रकृति की पर्याप्त समझ है जो ऐसे परिवहन में हो सकती है तथा वह अपात काल के समय समुचित कार्रवाई करने के लिए सक्षम है।

(4) खतरनाक या परिसंकटमय माल ले जाने वाले माल वाहन का स्वामी तथा परेक प्रत्येक ट्रिप के लिए मार्ग निर्धारित करेगा तथा आलक इसके लिए बाध्य होगा जब तक कि पुलिस प्राधिकारियों द्वारा अन्यथा नियंत्रण अवधार अनुशासन दी जाए। वे निर्धारित मार्ग के संबंध में तथा वापस आने को प्रत्येक ट्रिप के लिए समय-सारणी भी नियत करेंगे।

(5) स्वामी का कर्तव्य होता कि वह यह सुनिश्चित करे कि खतरनाक या परिसंकटमय माल ले जाने वाले माल वाहन के आलक के पास इन नियमों के नियम 9 के उपबंधों के अनुसार आलक अनुज्ञित है।

(6) इन नियमों की किसी बात के होते हुए भी नियम 131 और नियम 132 के उपबंधों का यह पर्याप्त अनुपालन होगा यदि खतरनाक या परिसंकटमय माल का परिवहन करने वाला परेक और माल यान का स्वामी अथवा परिवहनकर्ता इन शर्तों का केन्द्रीय भोटरयान (संशोधन) नियम, 1993 के प्रवृत्त होने की तारीख से छह मास के भीतर पालन करता है।

50. मूल नियमों के नियम 133 के स्थान पर निम्नलिखित नियम रखा जाएगा, अर्थात्—

“133. आलक का दायित्व—(1) किसी खतरनाक या परिसंकटमय माल का परिवहन करने वाले माल वाहन का

आलक यह सुनिश्चित करेगा कि नियम 132 के उपनियम (3) के अधीन उसको लिखित में दी गई सूचना आलक के केविन में रखी गई है और वह उस खतरनाक या परिसंकटमय माल से संबंधित है जिसका परिवहन किया जा रहा है तथा सभी समयों पर वाहन में उपलब्ध है।”

(2) किसी खतरनाक या परिसंकटमय माल का प्रतिवहन करने वाले माल यान का प्रत्येक ड्राइवर उसके द्वारा ले जाए जा रहे खतरनाक या परिसंकटमय माल को आग से या उसके विस्फोट होने से या उसे निकालने से बचने के लिए उन सभी समयों पर जब माल वाहन गति में हो सभी आवश्यक निवेदनों का पालन करेगा और जब वह चलाया भी जा रहा हो तब वह यह सुनिश्चित करेगा कि माल वाहन ऐसे स्थान पर बढ़ा किया जाए जहां आग, विस्फोट तथा किसी अन्य जोखिम का खतरा न हो और वह हर समय उसके या 18 वर्ष की आयु से अधिक के किसी अन्य व्यक्ति के नियंत्रण और पर्यवेक्षण में रहे।

5. मूल नियमों के नियम 134 के उप नियम (1) के पश्चात् निम्नलिखित उप नियम अंतः स्थापित किया जाएगा, अर्थात्—

“(2) किसी विशेष ट्रिप ले जाए जाने वाले विशेष खतरनाक या परिसंकटमय माल के संबंध में उप नियम (1) में दी गई सूचना स्टीकर के द्वारा भी यान पर प्रदर्शित की जाएगी।”

(ii) मूल नियमों के नियम 134 के उपनियम (2) को उप नियम (3) के रूप में पुनरावृत्तिकृत किया जाएगा।”

52. मूल नियमों के नियम 136 के स्थान पर निम्नलिखित नियम रखा जाएगा,—

“136. ड्राइवर द्वारा दुर्घटना के बारे में पुलिस स्टेशन को रिपोर्ट :

किसी दुर्घटना या परिसंकटमय माल का परिवहन करने वाले माल वाहन का ड्राइवर उस खतरनाक या परिसंकटमय माल का परिवहन करने वाले माल वाहन का ड्राइवर उस खतरनाक या परिसंकटमय में माल के जिसका उसके वाहन द्वारा परिवहन किया गया है, किसी दुर्घटना की बेपेट में आने पर निकटतम पुलिस स्टेशन को तुरंत रिपोर्ट करेगा तथा दुर्घटना की बाबत माल परिवहन के स्वामी या परिवहनकर्ता को भी सूचित करेगा।”

53. मूल नियमों के प्रलृप 1-का में,

“मैं प्रमाणित करता हूं कि _____ शब्दों से ब्रांस होने वाले और “चालन अनुमति धारण करने के लिए चिकित्सक दृष्टया योग्य है/योग्य नहीं है शब्दों पर समाप्त होने वाले आग के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात्—

“चिकित्सक दृष्टया योग्यता प्रमाणपत्र

मैं प्रभाणित करता हूँ कि :—

- (1) मैंने आवेदक श्री/श्रीमती/कुमारी की व्यक्तिगत रूप से जांच की है;
- (2) मैंने आवेदक की जांच करते समय उसकी दूर दृष्टि की ओर विशेष ध्यान दिया है;
- (3) मैंने आवेदक की जांच करते समय उसको श्वरण योग्यता, भुजाओं, पैरों, हाथों और दोनों अग्राओं के जोड़ों की दशा पर विशेष ध्यान दिया है; और
- (4) मैंने आवेदक की व्यक्तिगत रूप से प्रतिक्रिया समय, पाश्व दृष्टि और चमचमाने से उबरने के लिए जांच की है।

(मानव जीवन के लिए खतरनाक या परिसंकटमय प्रकृति के माल को वहन करते वाले वाहन की चालन अनुमति के लिए आवेदन करने वाले व्यक्तियों की दशा में लागू होता है।

और अतः मैं प्रभाणित करता हूँ कि वह मेरे सर्वोत्तम निर्णय के अनुसार चालन अनुमति धारण करने के लिए चिकित्सक दृष्ट्या योग्य है।

54. मूल नियमों के प्ररूप 20 के स्थान पर निम्नलिखित प्ररूप रखा जाएगा, अर्थात् :—

प्ररूप 20

(नियम 47 देखिए)

किसी मोटरयान के रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन

(यदि यान अवक्रय/पट्टे/आडमान के किसी करार के अधीन लिया जाता है तो दो प्रतियों में किया जाएगा और दूसरी प्रति रजिस्ट्रीकरण प्राधिकारी के पृष्ठांकन सहित मोटर यान के रजिस्ट्रीकरण पर वितरोषक को उसी समय लौटा दी जाएगी)

सेवा में,

रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी

1. रजिस्ट्रीकृत स्वामी के रूप में रजिस्ट्रीकृत किए जाने वाले व्यक्ति का नाम
पिता/पति का नाम
.....
2. रजिस्ट्रीकृत स्वामी के रूप में रजिस्ट्रीकृत किए जाने वाले व्यक्ति की आयु
.....
3. रजिस्ट्रीकृत स्वामी के रूप में रजिस्ट्रीकृत किए जाने वाले व्यक्ति का स्थायी पता
(साक्ष्य प्रस्तुत किया जाए)
.....
.....
4. रजिस्ट्रीकृत स्वामी के रूप में रजिस्ट्रीकृत किए जाने वाले व्यक्ति का अस्थायी पता
.....
5. व्योहारी या विनिर्माता का नाम और पता, जिससे यान का क्रप किया गया था
(विक्रय प्रभाणपत्र तथा फिर्माता द्वारा जारी किया गया सङ्केत पर चलने योग्य होने का या या पन्न संलग्न किया जाए)

6. यदि सेना का पुराना यान या आयातित यान है तो संख्या संलग्न करें। यदि स्थानीय रूप से विनिश्चित द्रेलर/अधं द्रेलर है तो राज्य परिवहन प्राधिकरण द्वारा अनुमोदित डिजाइन संलग्न करें और कार्यवाही संख्याक और प्रमुखोदान की तारीख नोट करें
7. यदि यान का वर्ग
(यदि मोटर साईकिल है तो मियर वाली है या बिना मियर की है)
8. मोटर यान—
(क) नया यान है:
(ख) सेना का पुराना यान है:
(ग) आयातित यान है:
9. बॉडी की किस्म
10. यान की किस्म:
11. निर्माता का नाम
12. विनिर्माण का मास और वर्ष
13. सिलेंडरों की संख्या
14. अस्थ भाविति
15. धन धारिता
16. निर्माता का वर्गीकरण या यदि ज्ञात नहीं है तो व्हील बेस
17. चेसिस सं.
(पेंसिल प्रिट लगाएं)
18. इंजन सं.
19. बैठने के स्थान (चालक सहित)
20. इंजन में उपयोग किया जाने वाला इधन
21. लदान रहित भार:
22. पूर्ववर्ती रजिस्ट्रीकरण की विशिष्टियाँ और रजिस्ट्रीकरण संख्याक :
(यदि कोई हो)
23. बाढ़ी विगत तथा अब सिरों का रंग/के रंग में घोषणा करता हूँ कि यान का भारत में किसी भी राज्य में रजिस्ट्रीकरण नहीं किया गया है।
अतिरिक्त विशिष्टियाँ, जो मोटर टैक्सी से भिन्न परिवहन यान की दशा में ही भरी जानी हैं:
24. टायरों की संख्या, वर्णन और आकार:
(क) अगली छुरी:
(ख) पिछली छुरी:
(ग) कोई अन्य छुरी:
(घ) टैंडेप छुरी:

25. सकल यान भार :
 (क) जो विनियमिता द्वारा प्रभागित है कि.या.
 (ख) रजिस्टर किया जाने वाला कि.या.
26. अधिकतम धुरी भार :
 (क) अगली धुरी कि.या.
 (ख) पिछली धुरी कि.या.
 (ग) कोई अन्य धुरी कि.या.
 (घ) टेंडर धुरी कि.या.
27. (क) समग्र लंबाई
 (ख) समग्र चौड़ाई
 (ग) समग्र ऊँचाई
 (घ) प्रलंबन
- उपरोक्त विशिष्टियां, दृढ़ ढांचे वाले ऐसे मोटर यान के लिए जो या दो से अधिक धुरी वाला है, युग्मित यान के लिए जो तीन या तीन से अधिक धुरी वाला है या जहां तक लागू हो, ड्रेलर के लिए भरी जाएगी। जहां किसी संलग्न मोटर यान के साथ दूसरा अधिक ड्रेलर या अतिरिक्त अधिक ड्रेलर रजिस्टर किए जाने हैं वहां ऐसे प्रत्येक अधिक ड्रेलर के बारे में निम्नलिखित विशिष्टियां दी जाएंगी।
28. बाई की किस्म
29. लदान रहित भार
30. प्रत्येक धुरी पर टायरों की संख्या, वर्णन और आकार
31. प्रत्येक धुरी की बाबत अधिकतम धुरी भार
32. यान अधिनियम के अध्याय 11 के अधीन विधिमान्य
 बीमा प्रमाणपत्र के प्रत्यन्तरात् आता है : (कम्पनी का नाम) का बीमा प्रमाणपत्र या कवर नोट सं. तारीख जो से तक विधिमान्य है।
33. यान को बीमा से छूट प्राप्त है। संसर्गत आदेश संलग्न है
34. मैंने रूपए की विहित फीस का संताय कर दिया है।

तारीख

रजिस्ट्रीकृत स्वामी के रूप में रजिस्ट्रीकृत किए जाने वाले व्यक्ति के हस्ताक्षर या अंगूठे का निशान

टिप्पण : ऊपर वर्णित मोटर यान :

- (1) के साथ किए गए अवक्षय करार/पट्टा करार के अधीन है।
- (2) के पक्ष में किए गए आडमान के अधीन है।
- (3) अवक्षय करार या पट्टा करार के अधीन धारित नहीं है या आडमान के अधीन नहीं है।

*जो लागू नहीं उसे काट दें। यदि यान ऐसे किसी करार के अधीन है तो ऐसे व्यक्ति के हस्ताक्षर, जिसके साथ ऐसा करार किया गया है, लिए जायेंगे।

इस वित्तपोषक के हस्ताक्षर जिसके साथ अवक्षय, पट्टा या आडमान करार किया गया है।

रजिस्ट्रीकृत स्वामी के हस्ताक्षर या अंगूठे का निशान

मोटर यान निरीक्षण प्रमाणपत्र

प्रमाणित किया जाता है कि आवेदन में अन्तर्विष्ट विशिष्टियाँ सही हैं और यान, मोटर यान अधिनियम, 1988 और उसके अधीन बनाए गए नियमों की अपेक्षाओं की पूर्ति करता है।

निरीक्षण प्राधिकारी के हस्ताक्षर

नाम

पदनाम

कार्यालय पृष्ठांकन के लिए

निर्देश सं.

कार्यालय

उपर्युक्त मोटर यान को रजिस्ट्रीकरण संबंधांक दिया गया है और उसे आवेदन के नाम में रजिस्ट्रीकृत किया गया है और यान ऊपर नियष्ट वित्त पोषक के साथ किए गए अवक्षय/पूँड़ा/आड़भाल करार के अधीन है।

तारीख

सेवा में

वित्त पोषक

(रसीदी रजिस्ट्री डाक द्वारा भेजा जाए)

रजिस्ट्रीकृत स्वामी के रूप में रजिस्ट्रीकृत किए जाने वाले व्यक्ति और वित्त पोषक के नमूना हस्ताक्षर या अंगूठे का निशान मूल आवेदन पर लिए जाने हैं जो प्रखण्ड 23 और प्रखण्ड 24 में चिपकाए जाएंगे और रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी द्वारा ऐसी रीति से कार्यालय मुद्रा सहित अनुप्रमाणित किए जाएंगे कि मुद्रा या स्टॉप और अनुप्रमाणन की छाप का कुछ भाग प्रत्येक हस्ताक्षर पर होना चाहिए।

वित्त पोषक के नमूना हस्ताक्षर

रजिस्ट्रीकृत स्वामी के नमूना हस्ताक्षर

(1)

(1)

(2)

(2)

55. मूल नियमों के प्रखण्ड 22 के स्थान पर निम्नलिखित प्रखण्ड रखा जाएगा, अर्थात्:—

प्रखण्ड—22

[नियम 47(छ), 115(6), 124, 126 के और 127 देखिए]

प्रदूषण मानकों के अनुपालन, संघटकों के सुरक्षा मानक और सड़क योग्यता का प्रारम्भिक प्रमाणपत्र

(विनिर्माता द्वारा दिया जाए)

प्रमाणित किया जाता है कि

(यान का बांड नाम)

जिसकी जेसिस सं. और इंजन सं. है।

मोटर यान अधिनियम, 1988 और तदीन बनाए गए नियमों के उपबन्धों का अनुपालन करता है।

विनिर्माता के हस्ताक्षर

प्रखण्ड 22 विनिर्माता के हस्ताक्षर सहित जो प्रखण्ड पर ही सम्बद्ध मुद्रण द्वारा विनिर्माता के स्थानीय प्रतिस्थित हस्ताक्षर को चिपका कर जारी किया जाना चाहिए।

प्रखण्ड—22(क)

[नियम 47(छ), 124, 126(क) और 127 देखिए]

प्रदूषण मानक/संघटकों के सुरक्षा मानक और सड़क योग्यता के अनुपालन का प्रमाणपत्र (उन कारणों के लिए जिसकी वाई प्रथम रूप से निर्मित की जाती है)

भाग—1
(विनिर्माता द्वारा दिया जाए)

प्रमाणित किया जाता है कि :—

(यान का ब्रॉड नाम)
वेसिस सं. और इंजन सं.
मोटर यान अधिनियम, 1988 और तदीन बनाए गए नियमों का अनुपालन करता है।

विनिर्माता के हस्ताक्षर

प्रख्य 22 के भाग 1 विनिर्माता के हस्ताक्षर सहित जो प्रख्य पर ही सम्यक मुद्रण द्वारा विनिर्माता के स्थाही प्रतिरूप हस्ताक्षर को चिपका कर जारी किया जाना चाहिए।

भाग—2

(वाडी विनिर्माता द्वारा दिया जाए)

प्रमाणित किया जाता है कि :—

(यान का ब्रॉड नाम) वेसिस सं.
और इंजन सं. की बाड़ी का निर्माण हमारे द्वारा किया गया है और यह मोटर यान अधिनियम, 1988 और तदीन बनाए गए नियमों के उपचारों का अनुपालन करता है।

बाड़ी विनिर्माता के हस्ताक्षर

*जो लागू न हो उसे काट दीजिए।

प्रख्य 22 के भाग 2 वाडी विनिर्माता के हस्ताक्षर सहित जो प्रख्य पर ही सम्यक मुद्रण द्वारा जो वाडी विनिर्माता के स्थाही ने प्रतिरूप हस्ताक्षर को चिपका कर जारी किया जाना चाहिए।

56. मूल नियमों के प्रख्य 23, 24, 26, 27, 28, 29, 30, 31, 33, 34, 35 और 37 के स्थान पर निम्नलिखित प्रख्य रखे जाएंगे, अर्थात् :—

प्रख्य 23

(नियम 48 देखिए)

रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र

रजिस्ट्रीकरण संख्यांक

यान का संक्षिप्त वर्णन—

(उदाहरणार्थ किएट/एन्डसेडर/भारतीय कार, टाटा/अशोक लेलैंड माल यान, ट्रेलर गियर वाली या बिना गियर की मोटर माइक्रो, साइड कार सहित मोटर साइकिल आदि)

व्येहारी का नाम और पता—

जिससे कथ किया गया—

रजिस्ट्रीकृत स्वामी का नाम—

पिता/पति का नाम—

पूरा पता (स्थायी)—

पूरा पता (अस्थायी)—

रजिस्ट्रीकृत स्वामी के नमूना

हस्ताक्षर, जो चिपकाए और

रजिस्ट्रीकरण प्राधिकारी द्वारा उसकी

मुद्रा सहित अनुप्रमाणित किए जाएंगे।

रजिस्ट्रीकरण प्राधिकारी के हस्ताक्षर
तारीख

बोरिवार वर्णन

1. यान का वर्ग—
मोटर यान
(क) नया यान है—
(ख) सेता का पुराना यान है—
(ग) आयातित यान है—
(घ) अन्य राज्यों से लाया गया है—
 2. निर्माता का नाम—
व्हीहारी का नाम और पता—
 3. बाड़ी की किसी—
 4. विनिर्माण का मास और वर्ष—
 5. सिलेंडरों की संख्या—
 6. चैसिस संरचना—
 7. इंजन संरचना—
 8. इंजन में उपयोग किया जाने वाला ईधन—
 9. अंग शक्ति (बी.एच.पी.)—
 10. घन धारिता—
 11. निर्माता का वर्गीकरण—
 12. व्हील वेस—
 13. बैठने के स्थान (चालक सहित)—
 14. लदान रहित भार—
 15. बाड़ी विंग और अग्र सिरे का रंगकि रंग—
मोटर टैक्सी से भिन्न सभी परिवहन यानों की दशा में अतिरिक्त विशिष्टियाँ

 16. सकल यान भार
(क) जो विनिर्माता द्वारा प्रमाणित है—
(ख) जो रजिस्ट्रीकृत है—
कि.पा.
कि.पा.
 17. टायरों की संख्या वर्णन और आकार
(क) अगली धुरी—
(ख) पिछली धुरी—
(ग) अन्य कोई धुरी—
(घ) टैक्सी धुरी—
 18. रजिस्ट्रीकृत धुरी भार
(क) अगली धुरी—
(ख) पिछली धुरी—
(ग) अन्य कोई धुरी—
(घ) टैक्सी धुरी—
कि.पा.
कि.पा.
कि.पा.
कि.पा.
- युक्ति यान के साथ रजिस्ट्रीकृत मानकत्विक या अतिरिक्त अधं ट्रैकर की अतिरिक्त विशिष्टियाँ

19. बाई को किस्म—
 20. लदान रहित भार—
 21. प्रत्येक धुरी पर टायरों की संख्या,
 वर्णन और ग्राहकार—
 22. रजिस्ट्रीकृत धुरी भार (प्रत्येक धुरी के संवंध में)

यह प्रभाग तक विधिमाल्य है।

तारीख—

रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के हस्ताक्षर

टिप्पण : ऊपर वर्णित मोटर यात्रा

- (i) — के साथ किए गए अवक्रय करार के अधीन है।
 (ii) — के साथ किए गए पट्टा करार के अधीन है।
 (iii) — के पक्ष में किए गए आडमान के अधीन है।

वित्तपोषक के नमूना हस्ताक्षर (जो चिपकाए जाने हैं) और रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी द्वारा रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के हस्ताक्षर उसकी मुद्रा भवित अनुप्रमाणित किए जाएंगे।

तारीख—

इस प्रमाण पत्र का

से— तक नवीकरण किया जाता है।

तारीख— रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के हस्ताक्षर

से— तक नवीकरण किया जाता है।

तारीख— रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के हस्ताक्षर

से— तक नवीकरण किया जाता है।

तारीख— रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के हस्ताक्षर

से— तक नवीकरण किया जाता है।

तारीख— रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के हस्ताक्षर

टिप्पण :

- (i) यह पुस्तक के रूप में होगा, जिसमें स्वामित्व का अंतरण पते में परिवर्तन, अवक्रय पृष्ठांकन, अवक्रय संबंधी प्रविष्टियों का रद्दकरण, रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र में परिवर्तन, उसका निलंबन, और रद्दकरण आदि अभिलेखन के लिए पर्याप्त पृष्ठ होंगे।
 (ii) जो लागू न हो उसे काट दें।
 (iii) जब कभी स्वामित्व में अंतरण/पते में परिवर्तन किसी करार के पृष्ठांकन का टिप्पण और रद्दकरण लेखबद्ध किया जाता है तब यथास्थिति, रजिस्ट्रीकृत स्वामी और वित्तपोषक के नमूना हस्ताक्षर रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी द्वारा अभिलेखन के पास इस रीति में चिपकाए, मुद्रांकित और अनुप्रमाणित किए जाएंगे कि मुद्रा या स्टांप और अनुप्रमाणन की छाप पर कुछ भाग हस्ताक्षरों के ऊपर आना चाहिए।
 (iv) दुपहिया यानों और कारों के लिए ऐसी पुस्तक की व्यवस्था की जा सकती है जिसमें परिवहन यात्रा और ट्रेलर या अच्छे ट्रेलर की अतिरिक्त विशिष्टियां न हों।
 (v) परिवहन यानों के लिए ऐसी पुस्तक की व्यवस्था की जा सकती है जिसमें रजिस्ट्रीकरण के नवीकरण संबंधी स्तंभ न हों।

प्राप्ति 24

[नियम 49 देखिए]

मोटर यान रजिस्टर

मोटर यान के रजिस्ट्रीकरण का विवरण	मोटर यान के रजिस्ट्रीकरण स्वामित्व में परिवर्तन/पते में परिवर्तन के सम्बन्ध रजिस्ट्रीकरण स्थामी की विशिष्टियाँ	अवक्रय पट्टा और आडमान-करार की विशिष्टियाँ	रजिस्ट्रीकरण प्रमाण-पत्र से संबंधित, जैसे निलंबन/रद्दकरण, दूसरी प्रति जारी करने (रजिस्ट्रीकृत स्थामी को) तथा प्रमाण-पत्र (वित्तपोषक को) और दी गई छूट, आवेदन होने का प्रमाण-पत्र जारी किए जाने, दूसरे जिला/राज्य में यान ले जाने, यान में परिवर्तन संबंधी विशिष्टियाँ	टिप्पणी
विभिन्नियोगी व्यापार	पूरा नाम नमूना वित्तपोषक वित्तपोषक पिता/पति हस्ताक्षर, जो के पूरे नाम के नमूना का नाम, विपक्षाएँ और पत सहित ऐसे अंगूठे का वसंतमान पता गए हैं और रजिस्ट्रीकर्ता करार के निशान, जो प्राधिकारी पृष्ठांकण का विपक्षाएँ गए द्वारा जास- द्विप्पण और हैं और ¹ कीय मुद्रा के रद्दकरण रजिस्ट्रीकर्ता प्रभागित है साथ अनु- संबंधी प्राधिकारी प्रभागित है प्रविष्टियाँ जो द्वारा अनु- द्वारा अनु- रजिस्ट्रीकर्ता प्रभागित है प्रभागित है प्राधिकारी द्वारा अनु- प्रभागित है	प्रभागित है	प्रभागित है	प्रभागित है

1 2 3 4 5 6 7 8

1. रजिस्ट्रीकरण सं.
2. रजिस्ट्रीकरण की तारीख
3. स्थामी का नाम
पिता/पति का नाम
पूरा पता
(स्थायी)
(प्रस्थायी)
4. व्योद्धारी का नाम और पता
5. पूर्ववर्ती रजिस्ट्रीकरण संख्यांक
को विशिष्टियाँ अथवा:—
 - (क) रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी का नाम
 - (ख) दिया गया रजिस्ट्रीकरण संख्यांक
 - (ग) रजिस्ट्रीकरण की समाप्ति की तारीख
 - (घ) क्या अवक्रय/पट्टा और आडमान के अधीन प्राप्ति है

1	2	3	4	5	6	7	8
---	---	---	---	---	---	---	---

- (इ) यदि ये भाइ हैं तो वित्तपोषक
की विशिष्टियां आदि

6. मोटर यान :

- (क) नया यान है
(ख) रेना का पुराना यान है
(ग) आयानित यान है

7. यान का वर्ग

- (यदि मोटर साड़किल है तो
तो क्या गियर वाली है
या बिना गियर वाली)

8. निर्माता का नाम

9. बाड़ी की किसी

10. विनिर्माण के माम और वर्ष

11. सिलेंडरों की सं.

12. चेसिस सं.
पैमिल प्रिंट
वंलगन करें जो
रजिस्ट्रीकर्ता प्राप्तिकाने
द्वारा अनुप्रमाणित है

13. इंजन सं.

14. इंजन में उपयोग किया
जाने वाला ईथन

15. अश्व शक्ति

16. घन धारिता

17. निर्माता का वर्गीकरण

18. बाल बोस

19. बैठने के स्थान
(चालक सहित)

20. बाड़ी, विग और अग्र मिरे का
रंग/के रंग

21. लदान रहत भार

22. सकल यान भार

- (1) जो विनिर्माता द्वारा
प्रमाणित है
(2) जो रजिस्ट्रीकृत है

1	2	3	4	5	6	7	8
---	---	---	---	---	---	---	---

23. मोटर ट्रैक्सी से भिन्न परिवहन

यान की दशा में अतिरिक्त
विशिष्टियाँ

(1) टायरों की सं.,

वर्णन और आकार

अगली धुरी

पिछली धुरी

कोई अन्य धुरी

टेंडम धुरी

(2) रजिस्ट्रीकृत धुरी भार

अगली धुरी—कि.ग्रा.

पिछली धुरी—कि.ग्रा.

कोई अन्य धुरी—कि.ग्रा.

टेंडम धुरी—कि.ग्रा.

24. युक्ति यान के साथ रजिस्ट्रीकृत

अनुकूलिक या अतिरिक्त ट्रैलर

या अधिक ट्रैलरों की अतिरिक्त

विशिष्टियाँ

(1) बाड़ी की किस्म

(2) लदान रहित भार

(3) प्रत्येक धुरी पर टायरों

की संख्या और वर्णन और
आकार

(4) प्रत्येक यान की बाबत

रजिस्ट्रीकृत धुरी भार

25. _____ द्वारा

(बीमा कंपनी का नाम और पता)

जारी किया गया बीमा प्रमाणपत्र/

कवर नोट सं.—तारीख—

जो—से—तक

विविमान्य है।

26. मोरर यान कर की दर

27. रजिस्ट्रीकरण की विविमान्यता

_____ से _____ तक

_____ से _____ तक

नवीकरण

28. उस निरीक्षण अधिकारी का नाम

और पदनाम, जिसने यान को

रजिस्ट्रीकरण के लिए उपयुक्त

होने के रूप में प्रमाणित किया है

29. रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी का

नाम और पदनाम तथा हस्ताक्षर

टिप्पणी: स्तम्भ 4 और 6 में चिपकाए गए क्रमशः रजिस्ट्रीकृत स्वामियों और वित्तपोषकों के नमूना हस्ताक्षर रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी
द्वारा ऐसी रीति से शासकीय मुद्रा के साथ अनुप्रमाणित किए जाएंगे कि मुद्रा या स्टांप और अनुप्रमाणन की छाप का कुछ
भाग प्रत्येक हस्ताक्षर पर हो।

प्र० 26

[नियम 53 देखिए]

रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र की दूसरी प्रति जारी किए जाने के लिए आवेदन (यदि यात्र अवक्रय/पट्टा/आडमान) करार के अधीन धारित है तो आवेदन दो प्रतियों में और यदि मूल रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी कोई दूसरा है तो आवेदन तीन प्रतियों में किया जाए, दूसरी प्रति और तीसरी प्रति रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के पृष्ठांकन महित, प्रमाणपत्र की दूसरी प्रति जारी किए जाने पर उसी समय वित्तपोषक और रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी को लौटा दी जाए:—

सेवा में,

रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी ————— मेरे/हमारे मोटर यात्र का, जिसका रजिस्ट्रीकरण चिह्नत है, रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र निम्नलिखित परिस्थितियों में खो गया है/नष्ट हो गया है/पूर्ण रूप में अपलिखित हो गया है/मैला हो गया है/फट गया है/विकृत हो गया है।

मैं/हम घोषित करता हूँ/करते हैं कि यात्र का रजिस्ट्रीकरण, मेरी/हमारी सर्वोत्तम जानकारी के अनुसार, अधिनियम या उसके अधीन बनाए गए नियमों के उपबंधों के अधीन निलिखित या रद्द नहीं किया गया है और ऊपर स्पष्ट की गई परिस्थितियां सही हैं। मैं/हम रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र की दूसरी प्रति जारी किए जाने के लिए आवेदन करता हूँ/करते हैं।

अपलिखित/मैला/फटा हुआ/विकृत रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र मंत्रमन है।

यात्र किसी अवक्रय/पट्टा/आडमान करार के अधीनधारित नहीं है। यात्र किसी सुरुदगी में भी नहीं है और वह सभी वित्तलंगमों से मुक्त है। मैं/हम यह घोषणा करता हूँ/करते हैं कि मैंने/हमने ————— नामिया ————— को रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र के खो जाने के बारे में, इसके खोने की सूचना भिलने के तुरन्त पश्चात्, पुलिस में शिकायत दर्ज करा दी है (प्रति मंत्रमन है)।

तारीख —————

आवेदक के हस्ताक्षर/नमूना हस्ताक्षर

*जो लागू न हो उसे काट दें।

यात्र ————— के साथ किए अवक्रय/पट्टा/आडमान करार के अधीन धारित है और वित्तपोषक ने इसके नीचे “आक्षेप न होने का प्रमाणपत्र” दे दिया है/दिने से इनकार कर दिया है:

[जहां “आक्षेप न होने का प्रमाणपत्र” देने से उनकार किया जाता है, वहां आवेदन धारा 51 की उपधारा (8) के अधीन यथापेक्षित घोषणा करेगा]

तारीख —————

स्वामी के हस्ताक्षर या अंगूठे का निशान
नाम —————
पूरा पता —————

टिप्पण : (1) रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र के खो जाने या नष्ट हो जाने की दशा में परिस्थितियों की पूर्ण विशिष्टियां दी जाएं, धारा 51(6) के अधीन “आक्षेप न होने का प्रमाणपत्र” देने के लिए वित्तपोषक की महमति

मैं/हम ऊपर विनिर्दिष्ट मोटर यात्र की बाबत उपक्रय/पट्टा/आडमान करार का/के पक्षकार हूँ/हैं

(1) मुझे/हमसे उक्त यात्र के रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र की दूसरी प्रति जारी करने में कोई आक्षेप नहीं है।

(2) मुझे/हमसे नीचे दिए गए कारणों से उक्त यात्र के रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र दूसरी प्रति जारी करने में “आक्षेप” है।

तारीख

वित्तपोषक के हस्ताक्षर

कार्यालय पृष्ठांकन

निर्देश संख्यांक ————— कार्यालय ————— जैसा कि ऊपर प्रारंभना की गई है रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र की दूसरी प्रति अवक्रय/पट्टा/आडमान करार के टिप्पण के साथ ————— को जारी की जाती है और प्र० 24 में मूल रजिस्ट्रीकरण अभिलेख में उसे नोट किया जाता है।

तारीख

रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के हस्ताक्षर

सेवा में,

वित्तपोषक —————

रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी —————

(उपर्युक्त दोनों पक्षकारों को रसीदी रजिस्ट्री डाक द्वारा भेजा जाए) —————

रजिस्ट्रीकृत स्वामी और वित्तपोषक के नमूना हस्ताक्षर या अंगूठे का निशान मूल आवेदन में चिपकाए जाने और रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी द्वारा प्रस्तु 23 और प्रस्तु 24 में शासकीय मुद्रा के साथ ऐसी रीति से अनुप्रमाणन के लिए प्राप्त किए जाने हैं जिससे कि भूक्त या स्टांप या अनुप्रमाणन की छाप का कुछ भाग प्रत्येक हस्ताक्षर पर पड़े।

वित्तपोषक के नमूना हस्ताक्षर

रजिस्ट्रीकृत स्वामी के नमूना हस्ताक्षर

1. —————

1. —————

2. —————

2. —————

प्रस्तु 27

[नियम 54 देखिए]

मोटर यान को नया रजिस्ट्रीकरण चिह्न दिए जाने के लिए आवेदन

(यदि यान अवक्रय/पट्टा/आडमान करार के अधीन धारित है तो आवेदन तीन प्रतियों में किया जाए, दूसरी और तीसरी प्रति नया रजिस्ट्रीकरण चिह्न देविए जाने पर रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के पृष्ठांकन सहित उसी समय वित्तपोषक और मूल रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी को लौटा दी जाएगी।

सेवा में,

रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी —————

मैं/हम ————— जो ————— का/की पुत्र/पत्नी/पुत्री हूँ/हैं, और मोटर यान सं. ————— का/के रजिस्ट्रीकृत स्वामी हूँ/हैं, जिसकी चेसिस सं. ————— इंजन सं. ————— यान की किस्म ————— है और जो ————— राज्य में रजिस्ट्रीकृत है, यह घोषणा करता हूँ/करती है कि मैंने/हमने ————— मास के ————— दिन से उक्त मोटर यान को इस राज्य में रखा है और मैं/हम उक्त मोटर यान को एक नया रजिस्ट्रीकरण चिह्न किए जाने के लिए आवेदन करता हूँ/करते हैं।

मैं/हम घोषणा करता हूँ/करते हैं कि रजिस्ट्रीकरण ————— तक विधिभावित है और यह इस अधितिव्रम्भ के उपबंधों के अधीन निलंबन या रद्द नहीं किया गया है। मैं/हम मोटरमान का रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र और डीक हालत में होने का प्रमाणपत्र संलग्न करता हूँ/करते हैं।

मैं/हम रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी का “आक्षेप न होने का प्रमाणपत्र” संलग्न करता हूँ/करते हैं।

यदि रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी का “आक्षेप न होने का प्रमाणपत्र” संलग्न नहीं किया जाता है तो आवेदक को इस आवेदन के साथ धारा 47 की उपधारा (1) के प्रथम परन्तुक के अधीन यथारेक्षित घोषणा फाइल करनी चाहिए।

*यान किसी अवक्रय/पट्टा/आडमान करार के अधीन नहीं है।

*यान ————— के साथ किए गए अवक्रय/पट्टा/आडमान करार के अधीन है और वित्तपोषक ने इपके नीचे आक्षेप न होने का प्रमाणपत्र दे दिया है/दिने से इन्कार कर दिया है। यदि वित्तपोषक ने आक्षेप न होने का प्रमाणपत्र दिने में इन्कार कर दिया है तो आवेदक को धारा 51 की उपधारा (8) के अधीन यथारेक्षित घोषणा फाइल करनी चाहिए।

तारीख ————— आवेदक के हस्ताक्षर या अंगूठे का निशान

जो लागू न हो उसे काट दें।

धारा 51(6) के अधीन “आक्षेप न होने का प्रमाणपत्र” देने के लिए वित्तपोषक की सहमति

मैं/हम ऊपर विनिर्दिष्ट मोटर यान की बाबत अवक्रय/पट्टा/आडमान करार का/के पक्षकार हूँ/हैं:

(1) मुझे/हमें उक्त यान को नया रजिस्ट्रीकरण चिह्न देने में कोई आक्षेप नहीं है।

(2) मुझे/हमें इसके नीचे दिए गए कारणों से उक्त यान को नया रजिस्ट्रीकरण चिह्न देने में “आक्षेप” है।

कार्यालय पृष्ठांकन

निवेश संख्यांक—कार्यालय—यात्र सं.—को इम राज्य में लाए जाने पर एक नया रजिस्ट्रीकरण निहत—(यहाँ रजिस्ट्रीकरण चिह्न प्रविष्ट करें) दिया गया है।

तारीख—तारीख—रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के हस्ताक्षर सेवा में

वित्तपोषक—वित्तपोषक

रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी—रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी

(उपर्युक्त दोनों पक्षकारों को रसीदी रजिस्ट्री डाक डारा भेजा जाए)

प्ररूप 28

[नियम 34, नियम 58(1) (3) और (4) देखिए]

आधेय न होने का प्रमाणपत्र और प्रमाणपत्र देने के लिए आवेदन (यदि यात्र घबक्षण/पट्टा/ग्राइमान के करार के अधीन धारित है तो चार प्रतियों में प्रस्तुत किया जाए) रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के पृष्ठांकन के साथ दूसरी प्रति, तीसरी प्रति और चौथी प्रति आधेय न होने के प्रमाणपत्र के मिलने/इकार किए जाने पर यात्र के रजिस्ट्रीकृत स्वामी, ऐसे रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी, जिसकी अधिकारिता में यात्र हटाया जाना है, और माथ-माथ विनिपोषक को बापस की जाएगी।)

भाग 1 आवेदन पत्र

सेवा में,

रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी—रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी

मेरा/हमारा यात्र को रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी की अधिकारिता में अन्तरित करने का इरादा है।

मेरा/हमारा यात्र को श्री/श्रीमती/कुमारी को, जो राज्य के रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी की अधिकारिता में निवास करता है/करती है, विक्रय करने का इरादा है/अतः मैं/हम अपने यात्र के लिए “आधेय न होने का प्रमाणपत्र” देने के लिए अनुरोद करता हूँ/करती हूँ/करते हैं। यात्र की विविधियाँ नीचे दी जाती हैं:—

1. नाम और पता:—

2. पिता/पति का नाम:—

3. यात्र का रजिस्ट्रीकरण संख्यांक:—

4. यात्र का वर्ष:—

5. वह रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी जिसने यात्र को मूल रूप में रजिस्टर किया था:—

6. इंजन संख्यांक:—

7. चैसिस संख्यांक:—

(पेंसिल प्रिट भी लगाएं)

8. ग्रज्य में ठहरने की अवधि:—

9. वह अवधि जिस तक भौटर यात्र कर का संदाय किया गया है:—

10. का कर के लिए कोई मांग लम्बित है, यदि इसे तो व्यौरा दें:—

11. क्या यात्र किसी चोरी के मामले में अन्तर्वलित है, यदि हाँ तो व्यौरा दें:—

12. क्या भौटर यात्र अधिनियम, 1988 की धारा 53, धारा 54 या 55 के अधीन कोई कार्रवाई किसी रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी या अन्य विहिन प्राधिकारी के समक्ष लम्बित है, यदि हाँ तो व्यौरा दें:—

13. क्या यात्र प्रतिषिद्ध भाल के धरिवहन के किसी मामले में अन्तर्वलित है यदि हाँ, तो व्यौरा दें:—

14. क्या यात्र किसी अवक्षण/पट्टा/ग्राइमान करार के अधीन धारित है : यदि हाँ तो विनिपोषक का पूरा नाम और पता दें:—

मैं/हम माथ निष्ठा से घोषणा करता हूँ/करते हैं कि उक्त कथन सही है।

तारीख—तारीख

रजिस्ट्रीकृत स्वामी के हस्ताक्षर या अंगूठे का निशान

भाग-2 किसी करार के अधीन मोटर यान की दृश्या में वित्तपोषक की सहमति
मे/हम उपरोक्त यान की बाबत अवक्षय/पट्टा/आडमान करार का/के एक पक्षकार हूँ/है।

1. उपरोक्त यान के लिए ऊपर निर्दिष्ट प्रयोजन के लिए “आक्षेप न होने का प्रमाणपत्र” जारी किए जाने की सहमति देता हूँ/देते हैं।
2. उपरोक्त यान के लिए “आक्षेप न होने का प्रमाणपत्र” जारी किए जाने की सहमति देने में निम्नलिखित कारणों से इंकार करता हूँ :

तारीख:

वित्तपोषक के हस्ताक्षर

भाग 3 कार्यालय पृष्ठांकन

(मोटर यान अधिनियम, 1988 की धारा 48(3) के अधीन “आक्षेप न होने का प्रमाणपत्र” देने/देने से इंकार किया जाना।)

- (1) यान जिसका विस्तृत व्यौरा ऊपर अभिलिखित है, की बाबत “आक्षेप न होने का प्रमाणपत्र” मोटर यान अधिनियम, 1988 की धारा 48(3) के अधीन दिया जाता है।
(उस रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी जिस पर यह जारी किया गया है के प्रयोग के लिए विधिमान्य)।
- (2) मोटरयान जिसका विस्तृत व्यौरा ऊपर अभिलिखित है, की बाबत मोटर यान अधिनियम, 1988 की धारा 48(3) के अधीन “आक्षेप न होने का प्रमाणपत्र” दिया जाना निम्नलिखित कारणों से इंकार किया जाता है :—

तारीख:

रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के हस्ताक्षर
मुद्रा सहित

पता—

*जो लागू न हो काट दें।

सेवा में,

रजिस्ट्रीकृत स्वामी

वित्तपोषक

रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी

(उपरोक्त तीनों पक्षकारों को रजिस्ट्रीकृत रसीदी डाक से भेजें)

प्रृष्ठ 29

[नियम 55(1) देखिए]

मोटर यान के स्वामित्व के अन्तरण की मूचना (दो प्रतियों में किया जाएगा और दूसरी प्रति रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के पृष्ठांकन सहित रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र और प्रत्येक 24 में स्वामित्व के अन्तरण की प्रविष्टियों करने पर उसी समय अन्तरक को बापस की जाए)।

सेवा में,

रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी— (जिसकी अधिकारिता में अंतरिती निवास करता है)

मे/हम— (नाम) ने, जो ————— का/के निवासी हूँ/है आज वर्ष ————— की ————— तारीख को अपना यान संख्यांक ————— मेक ————— चेसिस संख्यांक ————— इंजन संख्यांक —————, श्री/श्रीमती ————— (नाम) को, जो ————— का/की पुत्र/पुत्री/पत्नी है और ————— (मकान सं./गली/ग्राम/कस्बा/जिला और राज्य) में निवास करता/करती है।

अब अक्षय/पट्टा/आडमान करार के अधीन श्री/श्रीमती ————— को बेच दिया है और उसका उसे परिदान कर दिया है। रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र और बीमा प्रमाणपत्र उसको/उनको सौंप दिया गया है।

मे/हम अपने सर्वोत्तम ज्ञान और विश्वास के अनुसार यान किसी सुपुदेशी में नहीं है। यान सभा विलंगमों से मुक्त है और दी गई मूचना सत्य है।

मे/हम सूचना में की गलती, या छिपाए जाने के लिए स्वयं को उत्तरदायी ठहराने का बचत देता हूँ/देते हैं।

वित्तपोषक के हस्ताक्षर

(वह अपनी सहमति दे)

तारीख:

रजिस्ट्रीकृत स्वामी (अंतरक) के हस्ताक्षर या अंगूठे का निशान
तारीख :

मैं/हम

(अंतरिती)

प्रतिलिपि : रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी

(जिसकी अधिकारिता में अंतरक निवास करता है)

टिप्पण — दोनों रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी को रसीदी रजिस्ट्रो डाक द्वारा भेजा जाए।

कार्यालय पृष्ठांकन

संदर्भ नं.

का कार्यालय

यान का स्वामित्व

के नाम उपरोक्त करार टिप्पण के साथ —————— तारीख ते प्रतारित कर दिया गया है।

तारीख :

जो लागू न हो काट दें।

रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के हस्ताक्षर

कार्यालय मुद्रा के साथ

प्ररूप 30

[नियम 55(1) और (3) देखिए]

मोटर यान के स्वामित्व के अन्तरण और सूचना के लिए आवेदन पत्र (यदि यान अवक्षम/पट्टा/आडमान करार के अधीन अंतरित है तो दो प्रतियों में दी जाएगी)। दूसरी प्रति रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के पृष्ठांकन सहित रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र और प्ररूप 24 में रजिस्ट्रीकरण अभिलेख में स्वामित्व के अन्तरण की प्रविधिट किए जाने पर वितरोपक को वापस की जाए।)

सेवा में

रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी

भाग-1,

अंतरक के प्रयोग के लिए

अंतरक का नाम ——————

पिता/पति का नाम ——————

पूरा पता ——————

मैं/हम घोषणा करता हूँ/करते हैं कि मैंने/हमने वर्ष —————— की तारीख —————— को अपना मोटर यान जिसका रजिस्ट्रीकरण चिन्ह —————— है श्री/श्रीमती —————— को, जो —————— का/की पुत्र/पुत्री/पत्नी है और जिसका निवास स्थान —————— (पूरा पता) —————— में है बेच दिया है और रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र और बीमा प्रमाणपत्र उसको/उनको साँप दिया है।

मैं/हम यह घोषणा करता हूँ/करते हैं कि मेरे/हमारे सर्वोत्तम ज्ञान के अनुसार यान का रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र निलंबित या रद्द नहीं किया गया है।

*मैं/हम रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी द्वारा जारी किया गया “आक्षेप न होने का प्रमाणपत्र” संलग्न करता हूँ/करते हैं।

**यदि रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी द्वारा जारी किया गया “आक्षेप न होने का प्रमाणपत्र” संलग्न नहीं किया जाता है तो अंतरक को अपने आवेदन के साथ धारा 50 की उपधारा (1) की अपेक्षानुसार एक घोषणा दाखिल करनी चाहिए।

तारीख :

अंतरक का हस्ताक्षर या अंगूठे का निशान

*निलम्बन या रद्द किए जाने का ब्यौरा

**जो लागू न हो उसे काट दें।

(पर्याप्ति के लिए) अध. २-संस्थानी के लिए

संस्थानी का नाम

पिता/पति का नाम

वायु

पूरा पता

(पते का सबूत संलग्न करें) ।

मैं/हम घोषणा करता हूँ/करते हैं कि मैंने/हमने उत्त मोटर यान का जिसका रजिस्ट्रीकरण है वर्ष _____ की _____ तारीख को _____ (नाम और पूरा पता) से कथ कर लिया है और अनुरोध करता हूँ/करते हैं कि यान के स्वामित्व के अन्तरण की बाबत आवश्यक प्रविष्टियाँ रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र और यान के ठीक होने के प्रमाणपत्र में ऐरे/हमारे नाम में अभिलिखित की जाएं। उक्त प्रमाणपत्र संलग्न है।

बीमा प्रमाणपत्र भी संलग्न है। मैं/हम अपने सर्वोत्तम ज्ञान और विश्वास के प्रनुसार मैंने/हमने कोई सूचना नहीं छिपाई है और दी गई सूचना सही है। यान किसी सुपुदेंगी में नहीं है और सभी प्रकार के विलंगणों से मुक्त है। मैं/हम किसी सूचना की गलती के लिए स्वयं को उत्तरदायी ठहराने का वचन देता हूँ/देते हैं।

(वित्तपोषक का नाम और पूरा पता)

वित्तपोषक के हस्ताक्षर

तारीख

तारीख

कार्यालय पृष्ठांकन

संदर्भ सं. कार्यालय

प्रब क्रप/पट्टा/आडमान करार के पृष्ठांकन के जारी रहने के अधीन यान के स्वामित्व के अन्तरण को यान के रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र में _____ और इस कार्यालय के रजिस्ट्रीकरण अभिलेख प्रूप 24 में तारीख _____ से अभिलिखित कर लिया गया है।

तारीख:

रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के हस्ताक्षर

सेवा में

अन्तरक

वित्तपोषक

उपरोक्त दोनों पक्षकारों को रसीदी रजिस्ट्री डाक से भेजा जाए।

रजिस्ट्रीकृत स्वामी और वित्त पोषक के नमूना हस्ताक्षर या अंगूठे का निशान मूल आवेदन पर रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी द्वारा प्रूप 323, 24 में कार्यालय मुद्रा लगाने और अनुप्रमाणन के लिए प्राप्त किए जाएंगे।

मुद्रा या स्टाम्प और अनुप्रमाणन इस रीति से लगाया जाएगी कि वह प्रत्येक हस्ताक्षर पर हो।

1. _____ वित्त पोषक के नमूना हस्ताक्षर

2. _____ रजिस्ट्रीकृत स्वामी के नमूना हस्ताक्षर

प्र०-31

[नियम 56 (2) बेंच]

यान के कब्जे को उत्तराधिकारी में प्राप्त करने वाले व्यक्ति के नाम में स्वामित्व के अन्तरण के लिए आवेदन। (यदि यान अब कथ/पट्टा/शाडमान करार के अधीन धारित है तो दो प्रतियों में प्रस्तुत किया जाएगा और दूसरी प्रति रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के पृष्ठांकन सहित रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र और प्रस्तुप 24 में कार्यालय अभिलेख में अन्तरण की प्रविष्टि करने पर उसी समय वित्त पोषक को वापस की जाए।

सेवा में

रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी—

1. यान का रजिस्ट्रीकरण संख्यांक—

सेक और भैंडल—

चेसिस संख्यांक—

इंजन संख्यांक—

यान की किस्म—

2. मृत रजिस्ट्रीकृत स्वामी का नाम—

3. यान के कब्जे को उत्तराधिकार में प्राप्त करने वाले व्यक्ति का नाम और उसकी आयु—

पिता/पति का नाम—

पूरा डाक पता—

(पते का सदृश संलग्न करें)

4. मृत रजिस्ट्रीकृत स्वामी के साथ नातेवारी—

5. कब्जे को उत्तराधिकार में प्राप्त करने का सबूत—

रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र संलग्न है। यान का स्वामित्व मेरे नाम में अन्तरित करने की कृपा करें।

आवेदक के हस्ताक्षर

तारीख :

उस मोटर यान की दशा में वित्तपोषक की सहमति किसी भी नुस्खे के अधीन धारित है।

अै/हम ऊपर विनिष्ट नियम अनुसार यान को बावत अब कथ/पट्टा/शाडमान करार को/के एक पक्षकार है/हैं और उक्त यान के स्वामित्व का उपरोक्त नामित आवेदन के नाम में जिसके साथ मैं/हमने अब कथ/पट्टा/शाडमान करार किया है अन्तरण करने की सहमति देता है।

(वित्तपोषक का नाम और पूरा पता)

वित्तपोषक के हस्ताक्षर

तारीख—

कार्यालय पृष्ठांकन

संदर्भ कार्यालय
यदि क्रय/पट्टा/आडमान करार के जारी रहने के अधीन यात्र के स्वामित्व के अन्तरण को, यात्र के रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र में और इस कार्यालय के रजिस्ट्रीकरण अभिलेख प्र० 24 है तारीख से अभिलिखित कर दिया गया है।

रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के हस्ताक्षर

तारीख :

(X) जो लागू न हो उसे काट दें।

सेवा में

वित्तपोषक

(उपरोक्त दोनों पक्षकारों को दसीदी रजिस्ट्रीकृत डाक से भेजा जाए)

मूल आवेदन पर रजिस्ट्रीकृत स्वामी और वित्त पोषक के नमूना हस्ताक्षर या झंगड़े का निशान रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी द्वारा प्र० 23 और 24 में कार्यालय की मुद्रा लगाने या अनुप्रमाणन के लिए प्राप्त किए जाएंगे।

मुद्रा या स्टाम्प और अनुप्रमाणन इस रीति से लगाया/किया जाएगा कि वह प्रत्येक हस्ताक्षर पर हो।

वित्त पोषक के नमूना हस्ताक्षर

रजिस्ट्रीकृत स्वामी के नमूना हस्ताक्षर

1. _____

2. _____

प्र० 33

(नियम 59 देखिए)

रजिस्ट्रीकरण, प्रमाणपत्र और कार्यालय अभिलेख में पते में परिवर्तन अभिलिखित करने की सूचना।

जहाँ यात्र अवक्षय/पट्टा/आडमान करार के अधीन पारित है वहाँ तीन प्रतियों में की जाएगी। दूसरी प्रति और तीसरी प्रति रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के पृष्ठांकन सहित, रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र और प्र० 24 में पते में परिवर्तन की प्रविष्टि करने के पश्चात् उसी समय वित्त पोषक और रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी को (जिसकी अधिकारिता से यात्र हटाया जाना है) बापस की जाएगी।

सेवा में

रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी—

मैं/हम _____ (नाम) ने, जो _____ की/की
पुल/पत्नी/पुत्री हूँ/हैं और जो मोटर यान संख्या _____ का/के रजिस्ट्रीकृत
स्वामी हूँ/हैं _____ तारीख से उस पते पर जो रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र में अभिलिखित है,
निवास करना छोड़ दिया है, कारबार का स्थान बन्द कर दिया है, वर्तमान पता नीचे दिया गया है (प्रमाण संलग्न करें)।

यान किसी अवक्षय/पट्टा/आडमान करार के अधीन धारित नहीं है।

(वित्तपोषक का नाम और पता)

के साथ किए गए अवक्षय/पट्टा/आडमान करार के अधीन धारित है।

रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र संलग्न है। मैं/हम यह अनुरोध करता हूं/करते हैं कि पते में परिवर्तन रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र और प्ररूप 24 में अभिलिखित कर लिया जाए।

तारीख

जो लागू न हो काट दें।

किसी करार के अधीन धारित मोटर यान की दशा में वित्तपोषक की सहमति।

मैं/हम उपरोक्त यान की बाबत अवक्षय/पट्टा/आडमान करार का एक पक्षकार होने के कारण :—

1. मेरे/हमारे पक्ष में प्ररूप 23 और 24 में रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के टिप्पण के साथ उपरोक्त पते में परिवर्तन को लागू किए जाने के लिए सहमति देता हूं/देते हैं।
2. रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी द्वारा उपरोक्त पते में परिवर्तन को लागू किए जाने से नीचे दिए गए कारणों से इकार करता हूं/करते हैं :

यान के रजिस्ट्रीकृत स्वामी के हस्ताक्षर या अंगूठे का निशान

तारीख

वित्तपोषक के हस्ताक्षर

कार्यालय पृष्ठांकन

संदर्भ सं.

रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र और प्ररूप 24 में अवक्षय/पट्टा/आडमान करार टिप्पण सहित उपरोक्त पते में परिवर्तन की प्रविष्टि कर दी गई है।

तारीख

रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के हस्ताक्षर

सेवा में

वित्तपोषक

रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी

(दोनों पक्षकारों को रजिस्ट्रीकृत रसीदी डाक से भेजें)

रजिस्ट्रीकृत स्वामी और वित्तपोषक के हस्ताक्षर या अंगूठे का निशान रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी द्वारा प्ररूप 23 और 24 में चिपकाए जाने या अनुप्रमाणन के लिए प्राप्त किए जाएं। मुद्रा इस रीति से लगाई जाएगी कि उसके भाग का चिह्न प्रत्येक हस्ताक्षर पर लगे।

वित्तपोषक के नमूना हस्ताक्षर

रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के नमूना हस्ताक्षर

प्ररूप—34

[नियम 60 देखिए]

रजिस्ट्रीकरण के पश्चात् अवक्षय/पट्टा/आडमान करार की प्रविष्टि करने के लिए आवेदन।

(दो प्रतियों में जहां मूल प्राधिकारी विभाग है वहां तीन प्रतियों में प्रस्तुत किया जाएगा दूसरी प्रति और तीसरी प्रति रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के पृष्ठांकन सहित, रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र और प्ररूप 24 में प्रविष्टि करने के पश्चात् उसी समय वित्तपोषक और रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी को बापस कर दी जाएगी।

सेवा में,

रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी

मोटरयान जिसका रजिस्ट्रीकरण संख्यांक

स्वामी/स्वामी के रूप में रजिस्टर किए जाने वाले व्यक्ति

और

हैं रजिस्ट्रीकृत

(वित्तपोषक का नाम और पूरा पता लिखें)

के बीच किए गए अवक्षय/पट्टा/आडमान करार का विषय है।

हमारा अनुरोध है कि रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र और आपके कार्यालय के सुझाव अभिलेख में करार की प्रविष्टि कर दी जाए।
फीस सहित रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र संलग्न है।

तारीख

रजिस्ट्रीकरण स्वामी के हस्ताक्षर या अंगूठे का निशान
वित्तपोषक के हस्ताक्षर

(+) जो लागू न हो उसे काट दें।

कार्यालय पृष्ठांकन

संदर्भ संख्या

उपरोक्त अनुरोध के अनुसार अवक्ष्य/पट्टा/आडमान करार की प्रविष्टि इस कार्यालय में रजिस्ट्रीकरण अभिलेख प्रक्रम 24 में और
रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र में तारीख

को अभिलिखित कर दी गई है।

तारीख

सेवा में

का कार्यालय

वित्तपोषक

रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी

(दोनों को रजिस्ट्रीकरण रसीदी डाक से भेजें)

वित्तपोषक के नमूना हस्ताक्षर मूल आवेदन पत्र में रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी द्वारा प्रक्रम 23, 24 में कार्यालय मुद्रा लगाने
और अनुप्रशमान के लिए प्राप्त किए जाएंगे। मुद्रा इस रीति से लगाई जाएगी कि उसका विहङ्ग प्रत्येक हस्ताक्षर पर हो।

1.

2.

प्रारूप 35

[नियम 81 (1) देखिए]

अवक्ष्य/पट्टा/आडमान करार की समाप्ति की सूचना

(को प्रतिस्पदन में झोर अहां अहां मूल प्राधिकारी चिन्ह है अहां तीन प्रतियों में प्रस्तुत किया जाएगा दूसरी प्रति और तीसरी प्रति रजिस्ट्रीकर्ता
प्राधिकारी के पृष्ठांकन सहित रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र और प्रारूप 24 में समाप्ति संबंधी प्रविष्टि करने के पश्चात् उसी समय वित्तपोषक
और रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी को बापस कर दी जाएगी)

सेवा में

रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी

हम यह धोषणा करते हैं कि हमारे बीच किया गया अवक्ष्य/पट्टा/आडमान करार समाप्त कर दिया गया है। अतः हम, अनुरोध करते हैं कि
हमारे बीच उक्त करार की बाबत जो नोट याद रखें, के रजिस्ट्रीकरण प्रमाण-पत्र में पृष्ठांकित किया गया है उसे रद्द कर दिया जाए।

कीस सहित रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र संलग्न है।

तारीख

तारीख

स्थान लागू न हो काट दें

रजिस्ट्रीकरण स्वामी के हस्ताक्षर द्वा अंगूठे का निशान

वित्तपोषक के हस्ताक्षर

कार्यालय की मुद्रा और पूरे पते के साथ

कार्यालय पृष्ठांकन

संदर्भ सं.

करार की प्रविष्टि का रद्द किया जाना, असद लिए और अनुरोध से अनुसार तरीका के रजिस्ट्रीकरण प्रमाण-पत्र में
कार्यालय के रजिस्ट्रीकरण प्रमाण-पत्र में अभिलिखित किया जाता है।

तारीख

सेवा में,

वित्तपोषक

रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी

[दोनों को रजिस्ट्रीकरण रसीदी डाक से भेजें]

रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी द्वारा अपनी कार्यालय की मुद्रा के साथ प्रक्रम 23 और 24 में कियाजाने और
अनुप्रशमान किए जाने के लिए वित्तपोषक के हस्ताक्षरों के नमूने मूल आवेदन पत्र में प्राप्त किए जाएंगे। यह
इस रीति से किया जाएगा कि मुद्रा चिन्ह का भाग या स्टाम्प और अनुप्रशमान प्रत्येक हस्ताक्षर पर हो।

1.

2.

प्र० ४८-३७

[नियम 1(3) देखिए]

मोटर यान के रजिस्ट्रीकृत स्वामी को रद्द करने के लिए रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र अध्यापित करने और वित्तपोषक के नाम में नया रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र जारी करने की सूचना ।

[दो प्रतियों में प्रस्तुत किया जाए और दूसरी प्रति सूचना के जारी किए जाने पर उसी समय वित्तपोषक को वापस करें]

रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी का कार्यालय
संदर्भ सं. तारीख
श्री/श्रीमती/कुमारी (रजिस्ट्रीकृत स्वामी) को यह सूचित किया जाता है कि (वित्तपोषक) ने यह रिपोर्ट दी है कि उसने उन्होंने उक्त करार के उपबंधों के अधीन उस मोटर यान पर, जिसका रजिस्ट्रीकरण सं. है और जो अब जल्दी/पट्टा आडमान करार के अन्तर्गत आता है, आपके व्यक्ति क्रम के कानून कब्जा ले लिया है और यह कि :—

* (1) आपने उसे/उन्हें रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र देने से इंकार कर दिया है।

* (2) आप करार हो गए हैं।

उसने/उन्होंने रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र रद्द करने और अपने नाम में नया रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र जारी करने का अनुरोध किया है। अतः आपको निर्देश दिया जाता है कि आप उक्त मोटर यान के रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र को अध्यापित कर दें जिसे आप कब्जा और तदुनसार धारा 2(30) के अधीन मोटर यान के स्वामित्व की समाप्ति के बावजूद अपने पास रखे हुए हैं। इस बावजूद आप अपना अध्यावेदन यदि कोई हो, आपके द्वारा सूचना की प्राप्ति के सात दिन के भीतर इस कार्यालय को भेज दें, इसके न हो सकने पर आपके द्वारा धारित प्रमाणपत्र को रद्द करते हुए धारा 51(5) के अनुसार वित्त पोषक के नाम नया रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र जारी कर दिया जाएगा।

तारीख :

*जो लागू न हो काट दें।

रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के हस्ताक्षर

सेवा में

वित्तपोषक

(रसीदी रजिस्ट्री डाक से भेजें)

57. मूल नियम के प्र० ४७ में निम्नलिखित को प्रविष्टि 13 के रूप में अन्त में जोड़ा जाएगा, अर्थात् :—

“13. निम्नलिखित राज्य/राज्यों के लिए प्राधिकारी भिन्न-भिन्न राज्य के परमिट धारकों द्वारा करों के संदर्भ के अधीन रहते हुए हैं।

1.

2.

3.

4.

58. मूल नियम के प्र० ४९ का लोप किया जाएगा।

59. मूल नियमों के उपावंश 1 को निम्नलिखित रूप में रखा जाएगा, अर्थात् :—

“उपावंश —1

[115 (3) देखिए]

पैट्रोल से चलने वाले यानों के लिए द्रव्यमान उत्सर्जन मानक

निर्देश द्रव्यमान आर (किलो)	सी ओ (ग्रा/किलो)	एच सी (ग्रा/किलो)
आर < 150	12	8
150≤आर≤350	12 + 18(आर-150)	8 + 4(आर-150)
आर > 350	200	200
हल्का डब्ल्यू यान		
निर्देश द्रव्यमान आर डब्ल्यू (किलो ग्राम)	सी ओ (ग्रा/किलो ग्राम)	एच सी (ग्रा/किलो ग्राम)
आर डब्ल्यू < 1020	14.3	2.0
1020≤आर डब्ल्यू≤1250	16.5	2.1
1250≤आर डब्ल्यू≤1470	18.8	2.1
1470≤आर डब्ल्यू < 1700	20.7	2.3

(1)	(2)	(3)
1700 < भार डब्ल्यू < 1930	22.9	2.5
1930 < भार डब्ल्यू < 2150	24.9	2.7
भार डब्ल्यू < 2150	27.1	2.9

2. उत्पादन परीक्षणों की अनुहपता :
दुपहिया और तिपहिया यान :

निर्देश इव्वमान, भार (किलो)	सी ओ एच. सी. (ग्राम/किलो)	सी.ओ.एच. सी. (ग्राम/किलो)
(1)	(2)	(3)
भार < 150	15	10
150 < भार < 350	15 + 25(भार-150)	10 + 5(भार-150)
	200	200
भार > 350	40	15

हल्का डब्ल्यू यान :

निर्देश इव्वमान, भार डब्ल्यू (किलो)	सी ओ एच सी (ग्राम/किलो)	सी.ओ.एच. सी. (ग्राम/किलो)
(1)	(2)	(3)
भार डब्ल्यू < 1020	17.3	2.7
1020 < भार डब्ल्यू < 1250	19.7	2.7
1250 < भार डब्ल्यू < 1470	22.5	2.8
1470 < भार डब्ल्यू < 1700	24.9	3.0
1700 < भार डब्ल्यू < 1930	27.6	3.3
1930 < भार डब्ल्यू < 2150	29.9	3.5
भार डब्ल्यू > 2150	32.6	3.7

स्पष्टीकरण :—द्रव्यमान उत्सर्जन मानक यान के प्रति किलो बीटर चलने से ग्रामों में उत्सर्जित प्रदूषणों की मात्रा के प्रति निर्देश है, जो भारतीय ड्राइंग चक का प्रयोग करके चेसिस ड्यून बोम्बे द्वारा अधिकृत किया जाए।

60. मूल नियम के उपार्वक 2 में, गढ़ संख्या 15 के सामने स्तंभ 3 में आने वाले "34—34" अंकों के स्थान पर "37—34" अंक रखे जाएंगे।

61. मूल नियम के उपार्वक 4 में—

(i) "अवशोषण गुणांक" शीर्षक के नोंचे के (एम—1) और (के—1—1) शब्दों को छोड़कर और अंकों के स्थान पर कमशः के (1/एम) शब्द और अंक रखे जाएंगे।

(ii) उपार्वक 4 के नोंचे अंत में निम्नलिखित पाद टिप्पण जोड़ा जाएगा :—

उपरोक्त मानक कृषि ड्रेक्टरों को लागू नहीं होंगे और इन्हें किसी पश्चात्वर्ती तारीख

को जो कृषि ड्रेक्टरों के लिए अधिसूचित किया जायेगा।

(iii) "अवशोषण गुणांक" शीर्षक के नोंचे 135 के लिए "सामान्य प्रवाह" के साथने आने वाले "1.31" अंकों के स्थान पर "1.13" अंक रखे जाएंगे।

62. मूल नियमों के उपार्वक 4 के पश्चात् निम्नलिखित उपार्वक अन्त स्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

"उपार्वक 4—क"

[नियम 115 (5) देखिए]

परीक्षण चक

निम्नलिखित 13—माह चक का डायनमोमीटर प्रचलन इंजन के परीक्षण पर अनुपालन किया जाएगा :—

मांड सं.	इंजन की गति	प्रतिशत भार
1.	बैकार	—
2.	मध्यवर्ती	10
3.	यथोक्त	25
4.	यथोक्त	50
5.	यथोक्त	75
6.	यथोक्त	100
7.	बैकार	75
8.	रेटिंग	100
9.	यथोक्त	75
10.	यथोक्त	50
11.	यथोक्त	25
12.	यथोक्त	10
13.	बैकार	—

[फा. नं. आरटी-11028/6/91-एच. बी. एस]

जी. के. पिल्ले, संयुक्त सचिव

पाद टिप्पणी :—

मुख्य नियम जल भूतल परिवहन भवालय की अधिसूचना सं. 590 (ई) दिनांक 2 जून 1989 में भारत सरकार के राजपत्र में प्रकाशित किया गया है और बाद में इसे निम्नलिखित राजपत्र अधिसूचना द्वारा संशोधित किया गया :—

- (1) जी एस आर सं. 666(ई) दिनांक 30 जून, 1989
- (2) जी एस आर सं. 933(ई) दिनांक 28 अक्टूबर, 1989
- (3) जी एस आर सं. 132(ई) दिनांक 9 मार्च, 1990
- (4) जी एस आर सं. 389 (ई) दिनांक 21 मार्च, 1990

MINISTRY OF SURFACE TRANSPORT

(Transport Wing)

NOTIFICATION

New Delhi, the 26th March, 1993

G.S.R. 338(E).—Whereas the draft of the Central Motor Vehicles (Amendment) Rules, 1992, amending the Central Motor Vehicles Rule, 1989, in exercise of the powers conferred by sections 12,27,64, sub-section (14) of section 88 and section 110 of the Motor Vehicles Act, 1988 (59 of 1988), was published vide notification No. 491, dated the 13th May, 1992, as required by sub-section 1 of section 212 of the Motor Vehicles Act, 1988 (59 of 1988) in the Gazette of India, Extra-ordinary, Part II, Section 3, sub-section (i), inviting objections and suggestions from all persons likely to be affected thereby within 45 days from the date on which copies of the said notification published in the Gazette of India were made available to the public.

And whereas, copies of the said notification were made available to the public on the 24th July, 1992. And whereas, the objections and suggestions received have been considered.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sections 12,27,64, sub-section (14) of the section 88 and section 110 of the Motor Vehicles Act, 1988 (59 of 1988), the Central Government hereby makes the following rules, namely :

**THE CENTRAL MOTOR VEHICLES (AMENDMENT)
RULES, 1993**

1. (1) These rules may be called the Central Motor Vehicles (Amendment) Rules, 1993.

(2) Save as otherwise provided, these rules shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In rule 2 of the Central Motor Vehicles Rules, 1989 (hereinafter referred to as the principal rules),

(i) after Clause (a) the following definitions shall be added,

(b) 'Agricultural tractor' means any mechanically propelled 4 wheel vehicle designed to work with suitable implements for various field operations and/or trailers to transport agricultural materials. Agricultural tractor is a non-transport vehicle.

(c) 'Agricultural Trailer' means a trailer generally left uncovered with single/double axle construction which is coupled to an Agricultural Tractor by means of two hooks and predominantly used for transporting agricultural materials."

(ii) the clauses "(aa), (b), (c), (d), and (e)" shall be re-lettered as "(d), (e), (f), (g) and (h)" respectively.

3. For rule 4 of the principal rules, the following rule shall be substituted, namely :—

4. Evidence as to the correctness of address and age :— Every applicant for the issue of a licence under this chapter shall produce as evidence of his address and age, any one or more of the following documents in original or relevant extracts thereof duly attested by a Gazetted Officer of the Central Government or of a State Government or an officer of a local body who is equivalent in rank of a Gazetted Officer of the Government or Village Administration Officer or Municipal Corporation Councilor or Panchayat President, namely :—

1. Ration Card,
2. Electoral Roll,
3. Life Insurance Policy,
4. Passport,

5. Electricity or Telephone Bill,
6. Pay slip issued by any office of the Central Government or a State Government or a local body,
7. House tax receipt,
8. School Certificate,
9. Birth Certificate,
10. Certificate granted by a registered medical practitioner not below the rank of a Civil Surgeon, as to the age of the applicant :

Provided that where the applicant is not able to produce any of the above mentioned documents for sufficient reason, the licensing authority may accept any affidavit sworn by the applicant before an Executive Magistrate, or a First class Judicial Magistrate or a Notary Public as evidence of age and address".

4. In rule 9 of the principal rules, for sub-rule (1), the following sub-rule shall be substituted, namely :—

"(1) One year from the date of commencement of Central Motor Vehicles (Amendment) Rules 1993, any person driving a goods carriage carrying goods of dangerous or hazardous nature to human life shall, in addition to being the holder of a driving licence to drive a transport vehicle, also has the ability to read and write at least one Indian language out of those specified in the VII schedule of the Constitution and English and also possess a certificate of having successfully passed a course consisting of following syllabus and periodicity connected with the transport of such goods.

Period of training	3 days
Place of training	At any institute recognised by the State Government
Syllabus	
A. Defensive driving	
Questionnaire	Duration of training for A&B—1st and 2nd day.
Cause of Accidents	
Accidents statistics	
Driver's personal fitness	
Car condition	
Braking distance	
Highway driving	
Road/Pedestrian crossing	
Railway crossing	
Adapting to weather	
Head on collision	
Rear end Collision	
Night driving	
Films and discussion	
B. Advanced driving skills and training	
(i) Discussion	
Before starting	<ul style="list-style-type: none"> —Check list —outside/below/near vehicle —product side —inside vehicle
During driving	<ul style="list-style-type: none"> — Correct speed/gear —signalling — lane control —overtaking/giving side —speed limit/safe distance/ —driving on slopes.
Before stopping	<ul style="list-style-type: none"> —safe stopping place, —signalling, road width, condition.

After stopping	—preventing vehicle movement —wheel clocks —vehicle attendance
Night driving.	
(ii) Field test/training	—1 driver at a time.
C Product safety	
UN Panel	—UN classification Duration —Hazchem Code of training —Toxicity, for (C) flammability, Third day other definitions
Product Information	—Tremcards —CIS/MSDS —Importance of temperature Pressure, level. —Explosive limits —Knowledge about equipment
Emergency Procedure	—Communication —Spillage handling —Use of PPE —Fire fighting —First Aid —Toxic release control —Protection of wells, rivers, lakes, etc. —use of protective equipment. —knowledge about valves etc.

5 In rule 31 of the principal rules, for sub-rule (5) the following sub-rule shall be substituted, namely:—

"(5) Nothing in this rule shall apply in the case of an applicant whose driving licence authorises him to drive a motor cycle or a three-wheeler non-transport vehicle or a motor car, applying for a licence to drive a motor cab of the respective type, or in the case of an applicant holding a driving licence to drive a tractor, applying for a licence to drive a tractor-trailer combination."

6. (i) In sub-rule (1) of rule 47 of the principal rules,—

(i) for clause (c) the following clause shall be substituted, namely:—

"(c) Copy of the proceedings of the State Transport Authority or Transport Commissioner or such other authorities as may be prescribed by the State Government for the purpose of approval of the design in the case of a trailer or a semi trailer;"

(ii) in clause (g) after the words "manufacturers", the words "Form 22A from the body builders" shall be added.

7. In rule 48 of the principal rules, the following proviso shall be added namely :—

"Provided that where the certificate of registration pertains to a transport vehicle it shall be handed over to the registered owner only after recording the certificate of fitness in Form 38.".

8. In rule 50 of the principal rules,—

(i) for the heading, the opening para and clause (a), the following heading and sub-clauses shall be substituted, namely :—

"50. Form and manner of display of registration marks on the motor vehicles.

(1) The registration mark referred to in sub-section (6) of section 41 shall be displayed both at the front and at the rear on all motor vehicles clearly and legibly on a plain surface of a plate or part of the vehicle not inclined to vertical by more than thirty degrees, at the front facing direct to the front and at the rear facing direct to the rear.

(2) In the case of motor cycles the registration mark in the front shall be displayed parallel to the handle bar or on any part of the vehicle including mudguard facing the front instead of, on a plate in line with the axis of the vehicle.";

(ii) after clause (d) of the proviso, the following sub-rules shall be added, namely :—

"(3) The registration mark shall be exhibited in two lines, the State code and registering authority code forming the first line and the rest forming the second line, one below the other :

Provided that the registration mark in the front may be exhibited in one line ;

Provided further that in models of vehicles having no sufficient provision at the rear to exhibit the registration mark in two lines, it shall be sufficient if in such vehicles registration mark is exhibited in a single line :

Provided further that registration mark on a light motor vehicle may be in the centre with illumination.

(4) Every motor vehicle, except motor cab and motor car, manufactured on and from the date of commencement of the Central Motor Vehicles (Amendment) Rules, 1993, shall be provided with sufficient space in the rear for display of registration mark in two lines—

(5) In case of agricultural tractors, the registration mark need not be inclined to the vertical by more than 30 degrees.

(6) The registration mark of the drawing agricultural tractor may not be exhibited on the agricultural trailer or trailors".

9. For rule 51 of the principal rules, the following rule shall be substituted, namely :—

"51. Size of letters and numerals of the registration mark
The dimension of letters and figures of the registration mark and the space between different letters and numerals and letters and edge of the plain surface shall be as follows :—

Sl. No.	Class of vehicle	Dimensions not less than		
		Height	Thickness	Space between
1	2	3	4	5
1.	All motor cycles and three wheeled invalid carriages	Rear-letters	35	7 5
2.	All motor cycles and three wheeled invalid carriages	Rear-numeral	40	7 5
3.	Motor cycles with front letters engine capacity & less than 70 cc	Front numerals	15	2.5 2.5
4.	Other motor cycles	Front-letters & numerals	30	5 5
5.	Three wheelers of engine capacity not exceeding 500 cc	Rear and front numerals	35	7 5
6.	Three wheelers of engine capacity exceeding 500 cc	Rear and front numerals	40	7 5
7.	All other motor vehicles	Rear and front letters, and numerals	65	10 10"

10. In rule 63 of the principal rules,—

- (i) in clause (b) of sub-rule 2, for the words "rupees ten thousands", the words "rupees one lakh" shall be substituted;
- (ii) in sub-clause (i) of clause (a) of sub-rule 3, between the words "a" and "diploma", the words "three years" shall be inserted;
- (iii) in clause (b) of sub-rule 3, for the words "adequate space", the words "minimum of one acre of land" shall be substituted; and

(iv) in clause (b) of sub-rule 3, for the words "sanitary block for erection", the words "sanitary block and space for erection" shall be substituted.

11. In rule 82 of the principal rules,—

(i) clause (a) of sub-rule (2) shall be omitted, and clause (b) shall be renumbered as clause (a); and the clause (a) so re-numbered, shall be substituted as follows :

"(a) A tourist permit shall be deemed to be invalid from the date on which the motor vehicle covered by the permit completes 9 years in the case of a motor cab and 8 years where the motor vehicle is other than a motor cab, unless the motor vehicle is replaced";

(ii) clause (c) shall be renumbered as clause (b).

(iii) in the Explanation, for the words and figures "2 years, 5 years or 7 years", the words and figures "9 years or 8 years" shall be substituted.

12. After sub-rule (2) of rule 83 of the principal rules the following sub-rule shall be inserted, namely :—

"(2a) The authority which grants the authorisation shall inform the State Transport Authorities concerned the registration number of the motor vehicle, the name and address of the permit holder and the period for which the said authorisation is valid :

Provided that where the permit holder undertakes to pay the tax direct to the concerned State Transport Authority at the time of entry in his jurisdiction, the authorisation shall expressly state that it has been issued subject to payment of taxes to the concerned State Transport Authority".

13. In rule 85 of the principal rules,—

(i) in sub-rule (1), the words "duly attested by the Executive Magistrate or Sub-Inspector of Police or a Gazetted Officer of the State Transport Authority or Regional Transport Authority authorised in this regard of the area from which the tour emanates", shall be omitted;

(ii) for sub-rule (2), the following sub-rule shall be substituted, namely :—

"(2) one copy of the list referred to in sub-rule (1) shall be carried in the tourist vehicle and shall be produced on demand by the officers authorised to demand production of documents by or under the provisions of the Act and the Rules, and the second copy shall be preserved by the permit holder";

(iii) in sub-rule (3), for the words "two months", the words "three months" shall be substituted.

14. After sub-rule (2) of rule 85-A of the principal rules, the following proviso shall be added at the end, namely :—

"Provided that this rule shall not apply to motor cabs covered under the 'Rent a Cab' Scheme, 1989".

15. For rule 88 of the principal rules, the following rules shall be substituted, namely :—

88. Age of motor vehicle for the purpose of national permit :

- (1) No national permit shall be granted in respect of a goods carriage, other than multiaxle vehicle, which is more than 9 years old at any point of time.
- (2) No national permit shall be granted for a multiaxle goods carriage which is more than 15 years old at any point of time.
- (3) A national permit shall be deemed to be invalid from the date on which a goods carriage covered by the permit completes 15 years in case of a multi-axle goods carriage and 9 years where the vehicle is other than a multiaxle goods carriage, unless such goods carriage is replaced.

Explanation.—For the purpose of this rule, the period of 9 years or 15 years, as the case may be, shall be computed from the date of initial registration of the motor vehicle covered under its permit or the prime mover in case of an articulated vehicle.

16. In sub-rule (4) of rule 90 of the principal rules, the following proviso shall be added at the end, namely :—

“Provided that this sub-rule shall apply to light motor vehicle and medium good vehicles only from a date to be notified by the Central Government.

17. In rule 92 of the principal rules, in sub-rule (1), the following proviso shall be inserted, namely :—

“Provided that nothing contained in this rule shall apply to vehicles manufactured prior to the coming into force of the Central Motor Vehicles (Amendment) Rules, 1993”.

18. In rule 93 of the principal rules,—

(i) sub-rule (6) shall be substituted as follows namely :—

“(6) The overhang of the motor vehicle other than a tractor shall not exceed 60% of the wheel base.

Explanation I—For the purpose of this rule “wheel base” means,—

(a) in the case of vehicles with only two axles, the distance measured horizontally and parallel to the longitudinal axis of the vehicle, between the centre points of the front axle and rear axle ;

(b) in case of a vehicle having only three axles, and the front axle is only the steered axle, the distance measured horizontally and parallel to longitudinal axis of the vehicle between the centre of the front axle and centre point between the two rear-axles ;

(ii) the existing Explanation to sub-rule (6) shall be renumbered as Explanation II, and in paragraph A of the Explanation II so renumbered,—

(a) after item (vii), the following shall be inserted, namely :—

“(viii) any mounted implement on a 3 point linkage of a tractor” ;

(b) in paragraph B of Explanation II so renumbered, in item (ii), for the words and figures “a point 102 millimeters in rear of the centre of straight line joining centre points of rear and middle axle”, the words “the centre point of the rear most axle” shall be substituted ;

(c) in paragraph B of the Explanation II so renumbered, item (vii) shall be numbered as sub-rule (7) ;

(d) after sub-rule (7) so renumbered, the following proviso shall be added, namely :—

“Provided that in case of agricultural tractors lateral projection upto 700 millimeters beyond the central line of the rear wheel shall be permitted”.

(iii) Existing sub-rule (7) shall be renumbered as sub-rule (8).

19. In rule 95 of the principal rules,—

(i) for the words “such vehicle specified” the words “such tyre specified” shall be substituted ;

(ii) for the Table, the following Table shall be substituted, namely :—

TABLE

Size (1)	Plyrating specified by the manufacturer (2)	Max. weight permitted to carry (Kgs.)	
		Single (3)	Dual (4)
4.50 × 12 ULT	6	355	340
4.50 × 12 ULT	8	415	395
6.00 × 16	6	710	620
6.00 × 16	8	835	730
6.50 × 16	6	795	705
6.50 × 16	8	935	825
6.70 × 15	6	760	670
6.70 × 15	8	895	790
7.00 × 15	6	850	750
7.00 × 15	8	1010	890
7.00 × 15	10	1145	1010
7.00 × 15	12	1280	1125
7.00 × 16	6	890	780
7.00 × 16	8	1050	925
7.00 × 16	10	1200	1030
7.00 × 16	12	1325	1160
7.50 × 16	8	1205	1055
7.50 × 16	10	1375	1205
7.50 × 16	12	1530	1350
7.50 × 16	14	1630	1435
F-78-15-LT	4	675	N.A.
F-78-15	6	775	N.A.
F-78-15-LT	8	890	N.A.
LT 215 80D-14	6	870	795
LT 215 80D-14	8	1035	955
LT 215 80D-14	10	1190	1090
LT 215 80R-14	—	1190	1090
LT 195 80D-15	6	790	N.A.
LT 195 80-D 15	8	925	N.A.
7.00 × 20	10	1660	1450
7.50 × 20	10	1855	1630
7.50 × 20	12	2060	1805
8.25 × 20	12	2365	2075
8.25 × 20	14	2585	2275
9.00 × 20	12	2710	2380
9.00 × 20	14	2960	2615
9.00 × 20	16	3075	2695
10.00 × 20	14	3180	2790
10.00 × 20	16	3480	3050
10.00 × 20	18	3575	3130
11.00 × 20	14	3470	3040
11.03 × 20	16	3785	3325
11.00 × 24	14	3910	3435
12.00 × 20	14	3680	3230
12.00 × 20	16	4070	3575
12.90 × 20	11	4320	378
14.00 × 20	20	5320	4665
14.00 × 20	22	5765	5060
4.50 × 12	6	255	Note applicable
4.50 × 17	6	395	”
5.00/5.25 × 16	6	405	”
5.20 × 10	6	275	”
5.20 × 12	6	310	”
5.20 × 13	6	335	”
5.20 × 14	6	375	”
5.20 × 14	4	315	”

1	2	3	4	1	2	3	4
5.60×13	4	330	Not applicable	2.25×16	4	120	Not applicable
5.60×13	6	305	"	2.25×16	6	138	"
5.60×14	6	405	"	2.25×17	4	127	"
5.60×15	6	425	"	2.25×18	6	145	"
5.65×12	4	250	"	2.25×18	4	132	"
5.65×12	6	275	"	2.50×14	6	154	"
5.75/6.00×16	6	545	"	2.50×16	4	123	"
5.90×13	6	425	"	2.50×16	5	138	"
5.90×14	6	440	"	2.50×17	4	160	"
5.90×15	6	460	"	2.50×17	6	145	"
6.15×13	4	340	"	2.50×18	4	171	"
6.15×13	6	385	"	2.50×18	6	154	"
6.40×13	6	465	"	2.75×14	4	152	"
6.40×15	6	520	"	2.75×14	6	140	"
6.40×15	8	610	"	2.75×17	4	160	"
6.50×6.7×16	6	545	"	2.75×17	6	169	"
6.70×13	4	455	"	2.75×18	4	175	"
6.70×13	6	515	"	2.75×18	6	210	"
6.70×15	6	560	"	3.00×14	4	160	"
6.95×14	6	515	"	3.00×14	6	182	"
7.00×13	6	510	"	3.00×18	4	195	"
7.00×14	6	545	"	3.00×18	6	220	"
7.25×13	6	545	"	3.00×19	4	205	"
7.50×14	6	600	"	3.00×19	6	230	"
7.60×15	6	650	"	3.25×16	4	200	"
7.60/7.00×15	6	650	"	3.25×16	6	240	"
7.75×14	6	600	"	3.25×18	4	220	"
145/70 R 12	—	325	"	3.25×18	6	270	"
145/70 R 13	—	345	"	3.25×19	4	230	"
155/70 R 13	—	387	"	3.25×19	6	275	"
165/70 R 13	—	437	"	3.50×18	4	250	"
145/70 R 14	—	365	"	3.50×18	6	290	"
155/70 R 14	—	405	"	3.50×19	4	255	"
165/70 R 14	—	465	"	3.50×19	6	295	"
195/70 R 15	—	630	"	1.75×19	Standard	80	"
145/80 R 10	—	315	"	1.75×19	Reinforce	115	"
145/80 R 12	—	355	"	2.00×19	Standard	90	"
155/80 R 12	—	400	"	2.00×19	Reinforce	125	"
145/80 R 13	—	375	"	2.00×22	Standard	95	"
155/80 R 13	—	425	"	2.00×22	Reinforce	130	"
165/80 R 13	—	475	"	2.25×16	Standard	95	"
175/80 R 13	—	530	"	2.25×16	Reinforce	130	"
145/80 R 14	—	410	"	2.25×19	4	135	"
155/80 R 14	—	450	"	2.50×16	Standard	110	"
165/80 R 14	—	500	"	2.50×16	Reinforce	150	"
175/80 R 14	—	560	"	2.50×19	Standard	120	"
165/80 R 15	—	530	"	2.50×19	Reinforce	165	"
195/80 R 15	—	630	"	8.3/8×24	4	625	"
				8.3/8×24	6	810	"
3.50×10	6	375	"	8.3/8×32	4	715	"
4.00×8	4	340	"	8.3/8×32	6	920	"
4.00×8	6	400	"	11.2×28	4	900	"
4.00×10	4	370	"	11.2×28	6	1115	"
4.00×10	6	435	"	11.2×28	8	1305	"
4.50×8	6	400	"	11.4×24	4	945	"
4.50×10	6	475	"	13.4×34	6	1200	"
4.50×10	8	520	"	12.4×28	4	1005	"
4.50×8	4	340	"	12.4×28	6	1275	"
2.75×10	4	150	Not applicable	12.4×28	8	1510	"
				12.4×36	34	135	"
2.75×10	6	160	"	12.4×36	6	1140	"
3.00×10	4	175	"	12.4×38	4	1165	"
3.50×8	4	195	"	12.4×38	6	1480	"
3.50×10	4	225	"	12.6×28	4	1100	"
				1.8×20	6	1420	"

1	2	3	4
13.6 × 28	8	1645	Not Applicable
13.6 × 38	6	1660	"
13.6 × 38	8	1910	"
16.9 × 28	6	1840	"
16.9 × 28	8	2175	"
16.9 × 30	6	1900	"
16.9 × 30	8	2245	"
18.4 × 30	10	3815	"
18.4 × 30	12	3180	"
18.4 × 30	14	3405	"
4.00 × 19	4	355	"
5.50 × 16	4	425	"
5.50 × 16	6	525	"
6.00 × 16	4	450	"
6.00 × 16	6	560	"
6.00 × 16	8	675	"
6.50 × 16	4	510	"
6.50 × 16	6	615	"
6.50 × 20	4	600	"
6.50 × 20	6	725	"
7.50 × 16	8	1355	"
Non traction	10	1525	"
Tractor trailer	12	1710	"
9.00 × 16 Non traction	14	1865	"
Tractor trailer	16	2290	"

Note:—(i) The above maximum weights are in accordance with Indian Standards IS:10914 of 1988, and for the maximum cold inflation pressures indicated therein and have been adjusted for the speed limit stipulated in the notification under Section 112 of the Motor Vehicles Act, 1988.

(ii) The above weights in respect of tyres of transport vehicles (goods as well as passenger carriages) shall be applicable subject to the condition that the axle loads do not exceed 6% of the permitted limits. They apply in relation to registered axle rates recorded in registration certificate of the vehicles:

(iii) The load rating for tyres not covered by the above Table may be notified by the Central Government as and when such tyres are introduced on vehicles. Till these are notified the provisional load rating declared by the vehicle manufacturer may be certified by the certifying test agency referred to in rule 126.

20. in rule 96 of the principal rules.—

(i) for sub-rule (1) the following sub-rule shall be substituted, namely :—

“(1) Every motor vehicle, other than a motor cycle, three wheeled invalid carriage, trailer or a road roller shall be equipped with two independent and efficient braking systems, namely, the parking brake and foot operated service brake :

Provided that a motor cycle and three wheeled invalid carriage shall be equipped with the independent and efficient braking systems, either both hand operated or one foot operated and the other hand operated ;”

(ii) in sub-rule (2), the proviso shall be omitted;

(iii) in sub-rule (3) the words “other than agricultural tractors,” shall be added after the words “motor vehicle”;

(iv) for sub-rule (4), the following sub-rule shall be substituted, namely :—

“(4) Two years from the date of commencement of the Central Motor Vehicles (Amendment) Rules, 1993, every motor vehicle manufactured shall have a braking system, whose performance shall conform to the following Indian Standards, namely—

(i) for motor cycles IS : 10376-1982 or IS . 11716-1986, as applicable;

(ii) for three wheelers with gross vehicle weight not exceeding 1000 Kgs., including three wheeled tractors for trailers, the Indian Standards IS 13670—1992.

(iii) for three-wheelers with gross vehicle weight exceeding 1000 kg; and all other vehicles IS : 11852 (Part 1) 1987,

IS : 11852 (Part 2)—1987, IS : 11852 (Part 3)—1987,

IS : 11852 (Part 4)—1987, IS : 11852 (Part 5)—1987

IS : 11852 (Part 6)—1987 & IS : 11852 (Part 7)—1987, as applicable; and

(iv) for agricultural tractors IS : 12239 (Part 2)—1988 ;

Explanation.—Indian Standards means the Indian Standards specified by the Bureau of Indian Standards” ;

(v) for sub-rule (7) the following sub-rule shall be substituted, namely :—

“(7) (a) In the case of motor vehicles, other than three wheelers of gross vehicle weight not exceeding 1000 Kgs and motor cycles, the service brake shall be acting on all the wheels of the vehicle.

(b) In case of three wheelers of gross vehicle weight not exceeding 1000 Kgs. if the foot operated brake does not act on all the wheels, the following conditions shall be fulfilled, namely :—

(i) the foot operated brake shall act on the two wheels which are on the same axle, and

(ii) in addition to the parking brake, there shall be an independent brake acting on the other wheel of the vehicle with an independent hand-operated control.

(c) In the case of motor cycles, the braking system operated with the foot or left hand shall act at least on the rear wheel and the brake operated by right hand at least on the front wheel.

(d) In the case of agricultural tractors, the braking system shall act as on both the rear wheels, either directly or through the transmission gear” ;

(vi) for sub-rule (8) the following sub-rule and Table be substituted, namely :—

“(8) The service braking system in the case of vehicle other than three wheelers and motor cycles, and the braking system operated by one of the means of operation other than the parking brake in the case of three wheelers and motor cycles, shall be capable to bring the vehicles to halt within the distance specified in the following Table when tested in accordance to the condition prescribed correspondingly in the Table. The test shall be conducted on a dry level hard road in good condition. During the test the accelerator control shall be fully released and in the case of vehicles with manual gear shifting control, the top gear and the clutch shall be engaged.

TABLE

Sl. No.	Type of vehicle	Load	Test speed (The speed at which the brake should be applied) (Kmph)	Type of brake	stopping distance(m)
1	2	3	4	5	6
1.	All vehicles other than motor cycles, three wheelers and agricultural tractors	Laden to the registered GVW OR unladen	30 30	Foot operated service „ „	13 13
		OR laden	40	„ „	21
		OR unladen	40	„ „	21
2.	Motor Cycles	Unladen	30	Foot or Hand operated	21
3.	Three wheelers including three wheeler tractors for trailers	Unladen	30	Foot operated (brakes operating on at least two wheels)	13
4.	Agricultural tractors	Laden to Test Mass	25	Foot operated service	10
5.	All other than three wheelers of engine capacity not exceeding 500 cc, motor cycles and agricultural tractors	Laden to the registered GVW OR Unladen	30 40 30 40	-do- -do- -do- -do-	12.7 15.0 9.3 12.0

For the purpose of this test for vehicles other than motor cycles the 'unladen' means the vehicle is without any load and shall carry only the driver and another person for specific purpose of supervising the test, and the instruments, if any. In the case of motor cycles, the 'unladen' means that vehicle will carry only the single rider and the measuring instrument, if any".

21. In rule 98 of the principal rules,—

- (i) In sub-rule (1), for the words "rods and arms", the words "ball joints connecting the steering linkage," shall be substituted ;
- (ii) for sub-rule (2) the following sub-rules shall be substituted namely :—

"(2) the steering gear of every motor vehicle other than agricultural tractors shall be so constructed as to conform with the Indian Standards IS : 1222 (1987), as modified from time to time. The Steering gear of every agricultural tractor shall conform to Indian Standard IS : 11859 : 1987.

(3) One year from the date of commencement of the Central Motor Vehicles (Amendment) Rules, 1993 the steering effort of all motor vehicles other than three wheelers of engine capacity not exceeding 500 cc, motor cycles, invalid carriages and agricultural tractors manufactured shall conform to the Indian Standards IS : 11948 : 1986 as specified by the Bureau of Indian Standards."

22. In rule 99 of the principal rules, for the words "either forwards or backwards", the words "in the reverse direction also", shall be substituted.

23. In rule 100 of the principal rules,—

- (a) in sub-rule (1), the words "other than agricultural tractors", shall be inserted after the words "motor vehicles" ;

(b) in the proviso for the words "acrylic transport sheet", the words "acrylic or plastic transport sheet", shall be substituted ;

(c) for sub-rule (2), the following sub-rule shall be substituted, namely :—

"(2) The glass of the wind screen and rear window of every motor vehicle shall be such and shall be maintained in such a condition that the visual transmission of light is not less than 70%. The glasses used for side windows are such and shall be maintained in such condition that the visual transmission of light is not less than 50%, and shall conform to Indian Standards IS : 2553 (Part 2)" ;

(d) after sub-rule (2), as substituted, the following sub-rules shall be inserted, namely :—

"(3) The glass of the front wind screen of every motor vehicle other than agricultural tractors manufactured after three years from the coming into force of the Central Motor Vehicles (Amendment) Rules, 1993 shall be made of laminated safety glass.

Explanation.—For the purpose of these sub-rules 'laminated safety glass' shall mean two or more pieces of glass held together by an intervening layer or layers plastic materials. The laminated safety glass will crack and break under sufficient impact, but the pieces of the glass tend to adhere to the plastic material and do not fly, and if a hole is produced, the edges would be less jagged than they would be in the case of an ordinary glass.

(4) Notwithstanding anything contained in this rule if the Central Government is of the opinion that it is necessary and expedient to do so in public interest, it may by order published in the Official Gazette exempt any motor vehicle for use by any person, from the provisions of this rule."

24. For rule 101 of the principal rules, the following rule shall be substituted, namely :—

"101. Wind screen Wiper.—(1) An efficient power operated or foot-operated wind screen wiper shall be fitted to every motor vehicle having a wind screen, other than three wheeled invalid carriage, motor cycles and three-wheelers of engine capacity not exceeding 500 cc.

(2) One year from the date of commencement of Central Motor Vehicles (Amendment) Rules 1993, all motor vehicles manufactured having a windscreens, other than three-wheelers of engine capacity not exceeding 500 cc and motor cycles and invalid carriages, shall be fitted with an efficient windscreens wiping system which shall conform to CMVR document No. ARAI/005/CMVR/101-(2) December 92—Wind-screens wiping system.

(3) Three-wheelers with the engine capacity not exceeding 500 cc shall be fitted with either a power operated or hand-operated windscreens wiper system."

25. For rule 102 of the principal rules, the following rule shall be substituted, namely :—

"102. Signalling devices, Direction indicators and stop lights. (1) The signal to turn to the right or to the left shall be given by electrically operated, direction indicator lamps on all motor vehicles. Every motor vehicle shall be fitted and maintained such that the following conditions are met, namely :—

(i) The direction indicator lamps shall be of amber colour which are illuminated to indicate the intention to turn, by a light flashing at the rate of not less than 60 and not more than 120 flashes per minute.

(ii) The light emitted by the lamps when in operation shall be clearly visible from both front and rear of the vehicle.

(iii) The minimum illuminated area of each direction indicator shall be,—

(a) 22.5 square centimetres, in the case of motor vehicles with unladen weight not exceeding two tonnes or adapted solely for the carriage of seven persons excluding the driver and luggage :

Provided that the vehicle is not used for drawing a trailer other than one of less than four wheels or a four-wheeled trailer having two close coupled wheels on each side : or

(b) in the case of vehicles other than those mentioned in sub-clause (a), 60 square centimetres :

Provided that nothing contained in this sub-rule shall apply to motor cycles of engine capacity exceeding 70 cc, manufactured before the 1st day of June, 1990 and to motor cycles of engine capacity not exceeding 70 cc.

(2) The intention to stop the vehicle shall be indicated by an electrical stop lamp which shall be red in colour and shall be fitted at the rear of the vehicle. The stop lamp shall light up on the actuation of the service brake control :

Provided that in the case of a motor cycle, the stop lamp shall light up on the actuation of the control operating the brakes on the rear wheels.

(3) One year from the date of commencement of the Central Motor Vehicles (Amendment) Rules, 1993, the stop lamp of every motor cycle shall be so designed and fitted that it will light up on actuation of any of the controls which operate the brakes on any wheel".

26. For sub-rules (2) and (3) of rule 103 of the principal rules, the following sub-rule shall be substituted, namely :—

"(2) One year from the date of commencement of the Central Motor Vehicle (Amendment) Rules, 1993,

every motor vehicle other than three wheelers of engine capacity not exceeding 500 cc and motor cycles shall be equipped with such a device that when the vehicle is in an immobilized condition all the direction indicators flash together giving hazard warning to other road users".

27. In rule 104 of the principal rules,—

(i) for sub-rules (1) and (2), the following sub-rules shall be substituted, namely :—

"Fitment or reflectors.—(1) Every motor vehicle including trailers and semi-trailers other than three wheelers of engine capacity not exceeding 500 cc and motor cycle shall be fitted with two red reflectors, one each on both sides at the rear. The reflecting area of each reflector shall not be less than 28.5 sq. cms., in the case of vehicles where the overall length is more than 6 metres, and 7 sq. centimetres, in case of vehicles where the overall length is less than 6 metres. Every motor cycle shall be fitted with one red reflex reflector at the rear having the reflecting area of not less than 7 square centimetres :

Provided that one year from the date of commencement of Central Motor Vehicles (Amendment) Rules 1993, a reflective tape or reflective paint of not less than 20 millimetres width and running across the width of the body shall be affixed/painted at the front and rear of every goods carriage.

(2) Every goods carriage vehicle including trailers and semi-trailers other than three wheeler of engine capacity not exceeding 500 cc shall be fitted with two white reflectors one each at the extreme right and left bottom corners in the front of the vehicle and facing to the front. The reflecting area of each reflector shall not be less than 28.5 sq. centimetres, in the case of vehicles with overall length of more than 6 metres, and not less than 7 sq. centimetres in case of other vehicles";

(i) the words "Every goods carriage or" and the words "in the case of goods carriage not constructed with body in the rear", shall be omitted;

(2) (ii) in sub-rule (3), for the words "cat's eye", the word "reflex" shall 60 substituted; and

(iii) for sub-rule (4) the following sub-rule shall be substituted, namely :—

"(4) On and from the date of commencement of the Central Motor Vehicle (Amendment) Rules, 1993, the reflectors referred to in this rule and rule 110 shall be reflex type conforming to the Indian Standards specified by the Bureau of Indian Standards".

(iv) after sub-rule (4), as substituted, the following sub-rule shall be inserted, namely :—

(5) On and from the date of commencement of the Central Motor Vehicles Rules, 1993 every motor vehicle and trailer of length exceeding 6 meters shall be fitted with two amber coloured reflex reflectors on each left hand and right hand of the vehicle, one set as close to the front end as possible and the other set as close to the rear end as possible. The height of the side reflectors above the ground shall not be more than 1500 mm. The area of each reflector shall not be less than 28.5 sq. cm.:

Provided that in case the distance between the two side reflectors is more than 3 meters, additional intermediate side reflectors shall be fitted so that the distance between any adjacent side reflector is not more than 3 meters.

28. In rule 105 of the principal rules,—

(I) in sub-rule (1),—

(i) in clause (a) for the words "save in case of a motor cycle and an invalid carriage", the words "save in case of auto rickshaw, three wheeled vehicles of engine capacity not exceeding 500 cc and three wheeled invalid carriage" shall be substituted, and

(ii) in clause (b) the words "and where the registration mark at the front of the vehicle is exhibited on both sides of the plate so fixed as to illuminate both sides of the plate" shall be omitted;

(iii) in clause (c) the words "motor cycles" shall be inserted after the words "in the case of".

(II) for sub-rule (3) the following sub-rule shall be substituted, namely :—

"(3) On and from the commencement of the Central Motor Vehicles (Amendment) Rules, 1993, all the obligatory front head lamps of a motor vehicle other than motor cycles shall be as nearly as possible of the same power and fixed at a height as specified in Indian Standards IS:8415 (clause 4.1) :

Provided that in the case of four-wheel drive cross country vehicles, the maximum height of the said front head lamps may be as per limits specified in Indian Standards IS:8415 (clause 4.1.1.) :

Provided further that in the case of agricultural tractors the height of the said front head lamps shall not be more than 1.6 metres;

Provided further that on and from the commencement of the Central Motor Vehicles (Amendment) Rules 1993, all vehicles other than three-wheelers of engine capacity less than 500 cc, motorcycles and three-wheeled invalid carriages manufactured shall be fitted with two rear lamps showing red light to the rear".

(III) after sub-rule (4) the following proviso shall be inserted namely :—

"Provided that in the case of agricultural tractors, the height of the rear lamp shall not be more than 1.6 metres";

(IV) after sub-rule (6), the following sub-rule shall be inserted, namely :—

"(7) Two years from the date of commencement of the Central Motor Vehicles (Amendment) Rules 1993, every motor vehicle, manufactured, shall be fitted with one lamp at the rear throwing white light to the rear when the vehicle is being driven in the reverse gear. There shall also be an audible warning system operating when the vehicle is being driven in the reverse gear. The audible warning system, and the light shall be automatically operated so that this system will not work unless the vehicle is in reverse gear :

Provided that different dates may be notified for different classes or types of vehicles.

2.9 In rule 106 of the principal rules.—

(i) for clauses (a) of sub-rule (1), the following clause shall be substituted, namely :—

"(a) is permanently deflected downwards to such an extent that it is not capable of dazzling any person, whose eye position is,—

(A) at a distance of 8 metres from the front of lamp.

(B) at a distance of 0.5 metre to the right side of the lamp i.e. fitted at right extreme of the vehicle, from the right edge of the lamp, and

(C) at a height of 1.5 metres from the supporting plane of the vehicle :

Provided in the case of agricultural tractors filament and construction of lamps shall be as per the Indian Standards IS:12239 (Part 2) : 1988;

(ii) sub-rule (2) shall be omitted; and

(iii) sub-rule (3) shall be renumbered as sub-rule (2).

30. For rule 107 of the principal rules, the following rule shall be substituted, namely :—

"107.—Top lights.—Every goods vehicle including trailer and semi-trailer other than three-wheelers and vehicles with overall width not exceeding 2.1 metres shall be fitted with two white lights at the top right and left corners showing light to the front and two red lights at the top right and left corners at the rear. The lights shall remain lit when the vehicle is kept stationary on the road during night and at the time of poor visibility :

Provided that in the case of goods carriage without a full body in the rear, provision for fitting of the top light at the rear shall not be necessary".

31. In the proviso to rule 108 of the principal rules, the following items shall be added at the end, namely :—

(vi) white lights illuminating the rear number plate.

(vii) white light used while reversing.

(viii) plough light provided in agricultural tractors of illuminating the implement's working area on the ground in agricultural field operations,

32. For rule 109 of the principal rules, the following rule shall be substituted, namely :—

"109. Parking light.—Every motor vehicle other than three wheelers of engine capacity not exceeding 500 cc motor cycles and three wheeled invalid carriages shall be provided with one white or amber parking light on each side in the front. In addition to the front lights, two red parking lights one on each side in the rear shall be provided. The front and rear parking lights shall remain lit even when the vehicle is kept stationary on the road :

Provided that these rear lamps can be the same as the rear lamps referred to in rule 105, sub-rule (2) :

Provided further that in the case of agricultural tractors, parking lights shall be mounted on the rear mudguards so that the lights are visible from the front and also from the rear.

33. For rule 110 of the principal rules, the following rule shall be substituted, namely :—

"110. Lamp on auto-rickshaws and three-wheelers with engine capacity not exceeding 500 cc.—Every auto-rickshaw and three-wheeler of capacity not exceeding 500 cc shall be fitted with one front head lamp and two side white lights or two front lamps on the body. In addition to the front lamp or side lights, it shall be fitted with a rear lamp showing to the rear a red light visible from a distance of 75 metres and a white light illuminating the registration mark exhibited on the rear of the vehicle so as to render it legible from a distance of 15 metres; and also two red reflex reflectors each having a reflecting area of not less than seven square centimetres :

Provided in case where these vehicles are attached with trailers, the rear fittings mentioned in this rule and direction indicator system mentioned in rule 102 shall also be provided at the rear of the trailer".

34. In rule 112 of the principal rules, the second proviso shall be substituted as follows, namely :—

"Provided further that in the vehicles where the exhaust gases are discharged to the right of the vehicle, slight

downward angle shall be permitted, provided the exhaust gases do not kick up any dust when the vehicle is stationary and engine running and in any case the angle of the pipe to the horizontal should not be more than 30 degrees.

Provided also that where the exhaust gases are discharged to the left of the vehicle the inclination of exhaust pipe should not cross 30 degrees in downward and 30 degrees in left direction against the vertical plane which includes the vehicle centre line, provided the exhaust gases do not take up any dust when the vehicle is stationary and engine running.

Provided further more that in the case of tractors, vertical exhaust pipe may be provided and outlet of this pipe should be so directed that the driver of the tractor is not exposed to exhaust gases by locating the outlet over or to the side of head-level of the driver as per Indian Standards IS 12239 (Part 1) : 1988".

35. In rule 115 of the principal rules—

(i) for sub-rule (i), the following sub-rule shall be substituted, namely :—

"(1) Every motor vehicle other than motor cycles of engine capacity not exceeding 70 cc, manufactured prior to the first day of March, 1990, shall be maintained in such condition and shall be so driven so as to comply with the standards prescribed in these rules";

(ii) the Table under sub-clause (c) of sub-rule (2) shall be substituted as follows :—

TABLE

Method of test	Maximum Smoke Density		
	Light absorption coefficient (1/m)	Bosch units	Hartidge units
(a) For vehicles other than agricultural tractors.—			
(i) Full load at 60 to 70% of maximum engine rated rpm declared by the manufacturer. or, Free acceleration	3.25	5.2	75
(b) For agricultural tractors 80% load corresponding to maximum power developed in PTO Performance Tests.	2.45	..	65

(iii) (a) in sub-rule (5), for the words "under the Indian driving cycle", the words "when tested as per test cycle specified in Annexure V", shall be substituted;

(b) in sub-rule (5), a proviso may be inserted namely :— "Provided the standards for exhaust gas emission applicable to agricultural tractors shall be notified separately";

(iv) after sub-rule (6), the following sub rules shall be added namely :—

"(7) After the expiry of a period of one year from the date on which the motor vehicle was first

registered, every such vehicle shall carry a valid 'Pollution under control' certificate issued by an agency authorised for this purpose by the State Government. The validity of the certificate shall be for six months or any lesser period as may be specified by the State Government from time to time and the certificate shall always be carried in the vehicle and produced on demand by the officer referred to in sub-rule (1) of rule 116.

(8) The certificate issued under sub-rule (7) shall, while it remains effective, be valid throughout India."

36. For rule 116 of the principal rules, the following rule shall be substituted, namely :—

"(1) Notwithstanding anything contained in sub-rule (7) of rule 115 any officer not below the rank of Sub-Inspector of police or the Inspector of Motor Vehicles who has reason to believe that a motor vehicle is not complying with the provisions of sub-rule (2) or sub-rule (7) of rule 115, may in writing direct the driver or any person incharge of the vehicle to submit the vehicle for conducting the test to measure the standards of emission in any one of the authorized testing stations, and produce the certificate to an authority at the address mentioned in the written direction within 7 days from the date of conducting the check.

(2) The driver or any person in-charge of the vehicle shall upon such direction by the officer referred to in sub-rule (1) submit the vehicle for testing for compliance of the provisions of sub-rule (2) of rule 115, at any authorised testing stations.

(3) The measurement for compliance of the provisions of sub-rule (2) of rule 115 shall be done with a meter of the type approved by any agency referred to in rule 126 of the principal rules or by the National Environmental Engineering Research Institute, Nagpur-440 001.

Provided that such a testing agency shall follow ISO or ECE Standards and procedures for approval of measuring meters.

(4) If the result of the tests indicate that the motor vehicle complies with the provisions of sub-rule 2 of rule 115, the driver or any person incharge of the vehicle shall produce the certificate to the authority specified in sub-rule 1 within the stipulated time-limit.

(5) If the test results indicate that the motor vehicle does not comply with the provisions of the sub-rule 2 of rule 115, the driver or any person incharge of the vehicle shall rectify the defects so as to comply with the provisions of the sub-rule 2 of rule 115 within a period of 7 days and submit the vehicle to any authorised testing station for recheck and produce the certificate so obtained from the authorised testing station to the authority referred to in sub-rule 1.

(6) If the certificate referred to in sub-rule (1) is not produced within the stipulated period of seven days or if the vehicle fails to comply with the provisions of sub-rule (2) of rule 115 within a period of seven days, the owner of the vehicle shall be liable for the penalty prescribed under sub-section (2) of section 190 of the Act.

(7) If the driver or any person in charge of the vehicle referred to in sub-rule (1) does not produce the said certificate within the said period of 7 days, such vehicle shall be deemed to have contravened the provisions of the sub rule (2) of rule 115 and the checking officer shall report the matter to the registering authority.

(8) The registering authority shall on receipt of the report referred to in sub-rule (7), for reasons to be recorded in writing, suspend the certificate of registration of the vehicle, until such time the certificate is produced before the registering authority to the effect that the vehicle complies with the provisions of sub-rule (2) of rule 115.

(9) On such suspension of the certificate of registration of the vehicle, any permit granted in respect of the vehicle under Chapter V or under Chapter VI of the Motor Vehicles Act 1988 (59 of 1988) shall be deemed to have been suspended until a fresh "pollution under control" certificate is obtained.

37. in rule 117 of the principal rules,—

(i) in sub-rule (1), the following proviso shall be inserted namely :—

"Provided that every agricultural tractor shall be fitted with an Engine RPM-cum-Hour Meter".

(ii) for sub-rule (2), the following sub rule shall be substituted, namely :—

"(2) On and from the date of commencement of the Central Motor Vehicle (Amendment) Rules, 1993, every motor vehicle manufactured shall be fitted with a speedometer that shall conform to the requirements of Indian Standards IS : 11086 specified by the Bureau of Indian Standards."

38 For sub-rule (2), of rule 120 of the principal rules, the following sub-rule shall be substituted, namely :—

"(120) Noise Standards—Every motor vehicle shall be constructed and maintained so as to conform to noise standards as indicated in the Table below, and these Standards shall be tested as per Indian Standards IS : 3028.

TABLE

Category of Vehicles	Maximum Permissible Noise levels
1	2
Two wheelers (Petrol driven)	80 dB (A)
All passenger cars, all Petrol driven three-wheelers and diesel driven two wheelers	82 dB (A)
Passenger or Light Commercial Vehicles including three wheeled vehicles fitted with diesel engine wth gross vehicles weight upto 4000 kgs.	85 dB(A)
Passenger or Commercial Vehicles with gross vehicle weight above 4000 kgs and upto 12000 Kgs.	89 dB(A)
Passenger or Commercial Vehicles with gross vehicle weight above 12000 Kgs.	91 dB(A)

39. Rule 122 of the principal rules shall be substituted as follows, namely :—

"122 Embossment of the Chassis number & Engine number and date of manufacture (1). On and from the date of commencement of the Central Motor Vehicles (Amendment) Rules, 1993, every motor vehicle other than trailers and semi trailers shall bear the identification number including month and year of manufacture, embossed or etched or punched on it :

Provided that in such vehicles where space is insufficient for etching, embossing or punching the engine number, chassis number and month of manufacture all together, the etching, embossing or punching of year and month of manufacture shall be on an identification plate welded or riveted to the body of the vehicle.

(2) The vehicle manufacturer shall intimate to the Ministry of Surface Transport of the Central Government and to the certifying testing agency regarding the place where the numbers shall be embossed or etched or punched including code for the year and month of production in respect of each model and the Central Government shall communicate these details to all the State Governments and Union Territory administrations through a notification in the Official Gazette. No manufacturer shall change the place of embossing, etching or punching and the code for the month and year of production without prior intimation by registered post to the Central Government in the Ministry of Surface Transport :

Provided that in no case the height of the chassis number embossed, etched or punched shall be less than five millimetres for vehicles having overall length less than six metres and less than seven millimetres for the vehicle having overall length more than six metres'.

40. In rule 123 of the principal rules, after the words "No motor cycle," the words "which has provision for pillion rider" shall be inserted.

41. For the rule 124 of the principal rules, the following rule shall be substituted, namely :—

"124. Safety standards of components :—(1) The Central Government may from time to time specify by notification in the Official Gazette the standards specified by Bureau of Indian Standards of any part, component or assembly to be used in the manufacture of a vehicle and the date from which such parts, components or assemblies are to be used in the manufacture of a vehicle and on publication of such a notification every manufacturer shall use only such of these parts, components or assemblies in the manufacture of the vehicle;

(2) Every manufacturer shall certify compliance with the provisions of this rule in Form 22."

42. For rule 125 of the principal rules, the following rule shall be substituted, namely :—

"125. One year from the date of commencement of the Central Motor Vehicles (Amendment) Rules 1993, the manufacturer of every motor vehicle other than motor cycles and three-wheelers of engine capacity not exceeding 500 cc, shall equip every such vehicle with a seat belt for the driver and for the person occupying the front seat.

(2) Six months from the date of commencement of the Central Motor Vehicles (Amendment) Rules 1993, all motor vehicles shall be equipped with rear view mirror.

(3) Three years from the date of commencement of the Central Motor Vehicles (Amendment) Rules 1993, every heavy goods vehicle and heavy passenger motor vehicle shall be equipped with an auto-dipper.

(4) Four years from the date of commencement of the Central Motor Vehicles (Amendment) Rules 1993, every motor vehicle other than motor cycles and three-wheelers or engine capacity not exceeding 500 cc shall be equipped with an autodipper."

43. For rule 126 of the principal rules the following rule shall be substituted, namely :—

"126. Prototype of every motor vehicle to be subject to test—On and from the date of commencement of Central Motor Vehicle (Amendment) Rules, 1993, every manufacturer of motor vehicles other than trailers and semi trailers shall submit the prototype of the vehicle to be manufactured by him for test by the Vehicle Research and Development Establishment of the Ministry of Defence of the Government of India or Automotive Research Association of India, Pune, or the Central Machinery Testing and Training Institute, Budni (MP), or the Indian Institute of Petroleum, Dehradun, and such other agencies as may be specified by the Central Government for granting a certificate by that agency as to the compliance of provisions of the Act and these rules".

44. After rule 126 of the principal rules, the following rule shall be inserted, namely :—

"126A. The testing agencies referred to in rule 126 shall in accordance with the procedures laid down by the Central Government also conduct tests on vehicles drawn from the production line of the manufacturer to verify whether these vehicles conform to the provisions of the Motor Vehicles Act, 1988 (59 of 1988), or rules and orders made thereunder".

45. In rule 128 of the principal rules,—

(i) for sub-rule (3) the following sub-rule shall be substituted, namely :—

"(3) Passenger entrance and exit.—The passenger entrance cum exit door shall be located on the left side of the vehicle and minimum door width shall be 685 millimetres. The door handle should be capable of being handled from inside as well as from outside. The door may be operated pneumatically or hydraulically or electrically with suitable locking devices";

(ii) In sub-rule (4), the words "hinged at the top" shall be omitted.

46. In rule 129 of the principal rules,

(iv) the following sub-clause shall be added to sub-rule (i) namely :—

"(iv) Every goods carriage carrying any dangerous or hazardous goods shall be equipped with safety equipments for preventing fire, explosion or escape of hazardous or dangerous goods".

(ii) the following sub-rule shall be inserted namely :—

"(2) One year from the date of commencement of Central Motor Vehicles (Amendment) Rules 1993, every goods carriage carrying goods of dangerous or hazardous nature to human life, shall be fitted with teograph (an instrument to record the lapse of running time of the motor vehicle; time speed maintained, acceleration, deceleration, etc.) conforming to the specifications of the Bureau of Indian Standards".

47. After rule 129 of the principal rules, the following shall be inserted namely :—

"129A. Spark arrester—six months from the date of commencement of Central Motor Vehicles (Amendment) Rules 1993, every goods carriage carrying goods of dangerous or hazardous nature to human life shall be fitted with a spark arrester".

48. For rule 131 of the principal rules, the following rule shall be substituted, namely :—

"131. Responsibility of the consignor for safe transport of dangerous or hazardous goods.—(1) It shall be the responsibility of the consignor intending to transport any dangerous or hazardous goods listed in Table III, to ensure the following, namely :—

(a) the goods carriage has a valid registration to carry the said goods;

(b) the vehicle is equipped with necessary first-aid, safety equipment and antidotes as may be necessary to contain any accident;

(c) that the transporter or the owner of the goods carriage has full and adequate information about the dangerous or hazardous goods being transported; and

(d) that the driver of the goods carriage is trained in handling the dangers posed during transport of such goods.

(2) Every consignor shall supply to the owner of the goods carriage, full and adequate information about the dangerous or hazardous goods being transported as to enable such owner and its driver to,—

(a) comply with the requirements of rules 129 to 137 (both inclusive) of these rules; and

(b) be aware of the risks created by such goods to health or safety of any person;

(3) It shall be the duty of the consignor to ensure that the information is accurate and sufficient for the purpose of complying with the provisions of rules 129 to 137 (both inclusive) of these rules".

49. For rule 132 of the principal rules, the following rule shall be substituted, namely :—

"132. Responsibility of the Transporter or owner of goods carriage.—(1) It shall be the responsibility of the owner of the goods carriage transporting any dangerous or hazardous goods to ensure the following, namely :—

(a) that the goods carriage has a valid registration to carry the said goods and the said carriage is safe for the transport of the said goods; and

(b) the vehicle is equipped with necessary first-aid, safety equipment, tool box and antidotes as may be necessary to contain any accident.

(2) Every owner of a goods carriage shall, before undertaking the transportation of dangerous or hazardous goods in his goods carriage, satisfy himself that the information given by the consignor is full and accurate in all respects and correspond to the classification of such goods specified in rule 137.

(3) The owner of a goods carriage shall ensure that the driver of such carriage is given all the relevant information in writing as given in Annexure V of these rules in relation to the dangerous or hazardous goods entrusted to him for transport and satisfy himself that such driver has sufficient understanding of the nature of such goods and the nature of the risks involved in the transport of such goods and is capable of taking appropriate action in case of an emergency.

(4) The owner of the goods carriage carrying dangerous or hazardous goods, and the consignor of such goods shall lay down the route for each trip which the driver shall be bound to take unless directed or permitted otherwise by the Police Authorities. They shall also fix a time table for each trip to the destination and back with reference to the route so laid down.

(5) It shall be the duty of the owner to ensure that the driver of the goods carriage carrying dangerous or hazardous goods holds a driving licence as per provisions of rule 9 of these rules.

(6) Notwithstanding anything contained in rule 131 and 132, it shall be sufficient compliance of the provisions of these rules if the consignor transporting dangerous or hazardous goods and the owner of the goods carriage or the transporter, abides by these conditions within six months after the date of coming into force of the Central Motor Vehicles (Amendment) Rules, 1993".

50. For rule 133 of the principal rules, the following rule shall be substituted, namely :—

"133. Responsibility of the driver.—(1) The driver of a goods carriage transporting dangerous or hazardous goods shall ensure that the information given to him in writing under sub-rule (3) of rule 132 is kept in the driver's cabin and is available at all time while the dangerous or hazardous goods to which it relates, are being transported

(2) Every driver of a goods carriage transporting any dangerous or hazardous goods shall observe at all times all the directions necessary for preventing fire, explosion or escape of dangerous or hazardous goods carried by him while the goods carriage is in motion, and when it is not being driven he shall ensure that the goods carriage is parked in a place which is safe from fire, explosion and any other risk, and at all times the vehicle remains under the control and supervision of the driver or some other competent person above the age of 18 years."

51. (1) After subrule (1) of rule 134 of the principal rule,—(i) the following sub-rule shall be inserted, namely:—

"(2) The information contained in sub-rule (1) shall also be displayed on the vehicle by means of a sticker relating to the particular dangerous or hazardous goods carried in that particular trip";

(ii) sub-rule (2) of rule 134 of the principal rules shall be renumbered as sub-rule (3).

52. For rule 136 of the principal rules, the following rule shall be substituted, namely :—

"136. Driver to report to the Police Station about accident.—The driver of a goods carriage transporting any dangerous or hazardous goods shall, on the occurrence of an accident involving any dangerous or hazardous goods transported by this carriage,

54. For Form 20 in the principal rules, the following Form shall be substituted, namely :—

FORM 20

(See Rule 47)

APPLICATION FOR REGISTRATION OF A MOTOR VEHICLE

(To be made in duplicate if the vehicle is held under an agreement of Hire-Purchase/Lease/Hypothecation and duplicate copy with the endorsement of the Registering Authority to be returned to the Financier simultaneously on Registration of motor vehicle).

TO

THE REGISTERING AUTHORITY

1. Full name of the person to be Registered as Registered owner
Son/Wife/Daughter
.....
.....
2. Age of the person to be Registered as Registered owner
.....
.....
3. Permanent address of the person to be Registered as Registered owner (Evidence to be produced)
.....
.....
.....
4. Temporary address of the person to be registered as Registered owner
.....
.....
.....
5. Name and address of the Dealer or Manufacturer from whom the vehicle was purchased
(Sales certificate and certificate of road worthiness issued by the manufacturer to be enclosed)
.....
.....
.....
6. If ex-army vehicle or imported vehicle, enclose proof. If locally manufactured Trailer/Semi-Trailer, enclose the approval of design by the State Transport Authority and note the proceedings number and date of approval
.....
.....
.....
7. Class of Vehicle
(If motor cycle, whether with or without gear)
.....
8. The Motor vehicle is
(a) a new vehicle (b) Ex-army vehicle (c) imported vehicle
.....
9. Type of body
.....
10. Type of vehicle
.....
11. Maker's name
.....
12. Month and year of manufacturer
.....
13. Number of cylinders
.....

report forthwith to the nearest police station and also inform the owner of the goods carriage or the transporter regarding the accident".

53. In form 1-A of the principal rules for the words beginning with "I certify that I have" and ending with the words "to hold a driving licence" the following shall be substituted namely:—

"Certificate of Medical Fitness

I certify that:—

- (i) I have personally examined the applicant Shri/ Smt./Kum.
- (ii) that while examining the applicant I have directed special attention to his/her distant vision;
- (iii) while examining the applicant, I have directed special attention to his/her hearing ability the condition of the arms, legs, hands and joints of both extremities of the applicant, and
- (iv) I have personally examined the applicant for reaction time, side vision and glare recovery, (applicable in case of persons applying for a licence to drive goods carriage carrying goods of dangerous or hazardous nature to human life..

And, therefore, I certify that, to the best of my judgement, he is medically fit/not fit to hold a driving licence".

14. Horse Power
15. Cubic capacity
16. Maker's classification or if not known, wheel base
17. Chassis No. (Affix Pencil print)
18. Engine No.
19. Seating capacity (including driver)
20. Fuel used in the engine
21. Unladen weight
22. Particulars of previous registration and registered number (if any).
23. Colour or colours of body, wings and front end

I hereby declare that the Motor Vehicle has not been registered in any State in India.

**ADDITIONAL PARTICULARS TO BE COMPLETED ONLY IN THE CASE OF TRANSPORT VEHICLES
OTHER THAN MOTOR CAB.**

24. Number, description and size of tyres
(a) Front axle (c) Any other axle =
(b) Rear axle = (d) Tandem axle =
25. Gross vehicle weight
(a) As certified by the manufacturer Kgms. (b) To be registered Kgms.
26. Maximum axle weight
(a) Front axle Kgms (c) Any other axle kgms
(b) Rear axle Kgms (d) Tandem axle Kgms
27. (a) Overall length (b) Overall width
(c) Overall height (d) Over hang

The above particulars are to be filled in for a rigid frame motor vehicle of two or more axles for an articulated vehicles of three or more axles or, to the extent applicable for trailer, where a second semi-trailer or additional semi-trailer are to be registered with an articulated motor vehicle. The following particulars are to be furnished for each such semi-trailer.

28. Type of body
29. Unladen weight
30. Number, description and size of tyres on each axle
31. Maximum axle weight in respect of each axle
32. The Vehicle is covered by a valid certificate of insurance under Chapter XI of the Act.	Insurance Certificate or Cover note No. date of (Name of Company) valid from to
33. The Vehicle is exempted from Insurance. The relevant order is enclosed
34. I have paid the prescribed fee of rupees

Date Signature or thumb impression of the person to be registered as Registered owner

Note : The Motor Vehicle above described is :

- (i) Subject to Hire-Purchase agreement/Lease agreement with
- (ii) Subject to Hypothecation in favour of
- (iii) Not held under Hire-Purchase agreement, or lease agreement, or subject to Hypothecation

Strike out whatever is inapplicable if the vehicle is subject to any such agreement the signature of the Financier with whom such agreement has been entered into is to be obtained.

Signature of the FINANCIER with whom an agreement of
Hire-Purchase, Lease or Hypothecation has been entered into.

Signature or thumb impression of the
REGISTERED OWNER

CERTIFICATE OF INSPECTION OF MOTOR VEHICLE

Certified that the particulars contained in the application are true and that the vehicle complies with the requirements of the Motor Vehicle Act, 1988 and the Rules made thereunder.

Signature of the INSPECTING AUTHORITY

Name :

Date

Designation :

Ref. No.

OFFICE ENDORSEMENT

Office of the.....

The above said Motor Vehicle has been assigned the Registration number and registered in the name of the applicant and the vehicle is subject to an agreement of Hire-Purchase/Lease/Hypothecation with the Financier referred above.

Date

Signature of the REGISTERING AUTHORITY

TO

The Financier

(To be sent by Registered post Acknowledgement Due)

Specimen signature or thumb impression of the person to be registered as Registered Owner and Financier are to be obtained in original application for affixing and attestation by the Registering Authority with office seal in Form 23 and 24 in such a manner that the part of impression of seal or a stamp and attestation shall fall upon each signature.

Specimen signature of the FINANCIER

(1)

(1)

(2)

(2)

Specimen signature of the REGISTERED OWNER

55. Form 22, of the principal rules, the following Forms shall be substituted, namely :

"FORM—22

[See Rule 47(g), 115(6), 124, 126A and 127]

Initial Certificate of compliance with Pollution Standards, Safety Standards of components and Road worthiness.

(TO BE ISSUED BY THE MANUFACTURER)

Certified that
(brand name of the vehicle)

bearing chassis number
and engine number
complies with the provisions of the Motor Vehicles Act, 1988 and the rules made thereunder :

Signature of Manufacturer

Form 22 shall be issued with the signature of the manufacturer duly printed in the Form itself by affixing facsimile signature in ink under the hand and seal of the manufacturer.

FORM 22 (A)

[See rule 47(g), 124, 126 A and 127]

Certificate of compliance with pollution Standards/Safety Standards of components and Road Worthiness (For vehicles where body is fabricated separately).

PART—I

(TO BE ISSUED BY THE MANUFACTURER)

Certified that(brand name of the vehicle) bearing Chassis number and engine number complies with the provisions of the Motor Vehicles Act, 1988 and the rules made thereunder:

Signature of Manufacturer

Form 22A, Part I shall be issued with the signature of the manufacturer duly printed in the Form itself by affixing facsimile signature in ink under the hand and seal of the manufacturer.

PART-II

(TO BE ISSUED BY THE BODY BUILDER)

Certified that body of the vehicle _____ (brand name of the vehicle) bearing chassis number _____ and engine number _____ has been fabricated by us and the same complies with the provision of the Motor Vehicles Act, 1988 and the rules made thereunder.

Signature of Body Builder

*Strike out whichever is not applicable.

Form 22(A), Part II shall be issued with the signature of the body builder duly printed in the Form itself by affixing facsimile signature in ink under the hand and seal of the bodybuilder.

56. For Forms 23, 24, 26, 27, 28, 29, 30, 31, 33, 34, 35 and 37 of the Principal Rules, the following forms shall be substituted, namely :

FORM 23

(See rule 48)

CERTIFICATE OF REGISTRATION

Registered Number _____

Brief description of Vehicle. _____
(e.g. Fiat/Ambassador/Maruti Car, Tata/Ashok Leyland Goods Vehicle, Trailer, Motor Cycle with/Without gear, Motor Cycle with side car etc.)

Purchase form the Dealer Name & Address _____

Name of the Registered Owner _____

Son/Wife/Daughter of _____

Full Address (Permanent) _____

Full Address (Temporary) _____

Signature of REGISTERING AUTHORITY

Date _____

Specimen Signature of the REGISTERED OWNER to be affixed
and attested by REGISTERING AUTHORITY with his seal

DETAILED DESCRIPTION

1. Class of Vehicle _____

The motor vehicle is _____

(a) a new vehicle _____

(b) Ex-army vehicle _____

(c) Imported vehicle _____

(d) Migration from other states. _____

2. Maker's name _____

Dealers name and Address. _____

3. Type of body _____

4. Month and Year of Manufacture _____

5. Number of Cylinders _____

6. Chassis Number _____

7. Engine Number _____
8. Fuel used in the engine _____
9. Horse Power (B.H.P.) _____
10. Cubic Capacity _____
11. Maker's Classification _____
12. Wheel base _____
13. Seating capacity (including driver) _____
14. Unladen weight _____
15. Colour or colours of body, wings and front end. _____

*Additional Particulars in the Case of All Transport Vehicles other than Motor Cabs.

16. Gross vehicle weight
 (a) as certified by the manufacturer _____ Kgms
 (b) as registered _____ Kgms
17. Number, description of size of tyre
 (a) Front axle _____
 (b) Rear axle _____
 (c) Any other axle _____
 (d) Tandem axle _____
18. Registered axle weight
 (a) Front axle _____ Kgms
 (b) Rear axle _____ Kgms
 (c) Any other axle _____ Kgms
 (d) Tandem axle _____ Kgms

Additional Particulars of alternative or additional Semi-Trailer Registered with an Articulated vehicle

19. Type of body _____
20. Unladen weight _____
21. Number, description and size of tyre on (each) axle _____
22. Registered axle weight (in respect of each axle) _____
- This certificate is valid from _____ to _____

Date _____

Signature of the Registering Authority

Note: The Motor vehicle above described is

(i) Subject to Hire-Purchase Agreement with _____

(ii) Subject to Lease agreement with _____

(iii) Subject to Hypothecation in favour of _____

Specimen signature of the Financier (to be affixed)
and attested by the Registering Authority with his seal
This certificate is renewed :

Signature of the Registering Authority

Date _____

From _____ to _____
Date _____

Signature of the Registering Authority

From _____ Signature of the Registering Authority

Date _____ Signature of the Registering Authority

From _____ to _____
Date _____

Signature of the Registering Authority

From _____ to _____
Date _____

Signature of the Registering Authority

NOTE :

- (i) This shall be in the form of a book having sufficient pages for recording Transfer of ownership, change of address, Hire-purchase endorsement, Cancellation of Hire-Purchase entries, Alteration, Suspension and Cancellation of certificate of Registration etc. Such entries shall be duly numbered serially in chronological order datewise.
- (ii) Strike out whichever is inapplicable.
- (iii) Wherever transfer of ownership/change of address/note and cancellation of endorsement of any agreement is recorded specimen signature of the Registered Owner and Financier as the case may be shall be affixed, sealed and attested by the Registering Authority next to the recording, in such manner that part of impression of the seal or stamp and attestation shall fall upon the signatures.
- (iv) For two wheeler and cars, a book can be provided without Additional particulars of the transport vehicle and Trailer or semi-Trailer.
- (v) For transport vehicles, a book can be provided without the column of Renewal of Registration.

FORM 24

(See rule 49)

REGISTER OF MOTOR VEHICLE

Description of Registration of Motor Vehicle		Particulars of regd. owner on registration/transfer of ownership/ change of Address of motor vehicle		Particulars of agreement of hire-purchase, lease, & Hypothecation		Entries relating to the certificate of registration,	Remarks
Particulars	Details	Full Name, Son/wife/ daughter of, Present Address	Specimen signature pasted and attested by Registering Au- thority with offi- cial seal affixed	Note and cancellation of an endorsement of such agreement with full name and address of the Financier, attes- ted by Reg. Authority	Specimen signature or thumb impression of Financier, pasted and att- ested by register- ing Authority	such as suspen- sion/cancellation, issue of duplicate (to the Registered Owner)/frsh (to the Financier); and exemption granted, N.O.C. issued, vehicle removed to other Dist./State, Al- teration of vehicle	
1	2	3	4	5	6	7	8

1. Registration No.

2. Date of
registration

1

2

3

4

5

6

7

8

3. Name of the
owner.
Son/wife/
daughter of

Full address
(Prmanent)
(Temporary)

4. Dealers Name
and Address

5. Particulars of pre-
vious registration
number viz.

(a) The name
of the
registering
authority

(b) Registration
number
assigned.

(c) Date of expiry
of registration

(d) Whether held
under HP/
lease &
hypothecation

(e) if so,
particulars of
financier etc.

6. The motor vehicle is

(a) new
(b) Ex-army
(c) imported.

7. Class of vehicle
(if motor cycle,
with gear or
without gear)

8. Makers name

9. Type of body

10. Month and year
of manufacture

11. No. of Cylinders

12. Chassis No.
Affix pencil
point and to
be attested by
the Registering
Authority.

13. Engine No.

1	2	3	4	5	6	7	8
14.	Fuel used in engine						
15.	Horse power						
16.	Cubic capacity						
17.	Makers classification						
18.	Wheel base.						
19.	Seating capacity including driver.						
20.	Colour or colours of body, wings. front end						
21.	Unladen weight						
22.	Gross vehicle weight						
	(i) as certified by manufacturer						
	(ii) as registered.						
23.	Additional Particulars in case of transport ve- hicle other than motor cabs.						
1.	No. description and size of tyres. front axle Rear axle Any other axle. Tandem axle.						
2.	Registered axle. weight						
	Front axlekg Rear axlekg Any other axle..kg Tandem axle..kg.						
24.	Additional parti- culars of alternatives or additional trailer or semitrailers registered with an articulated vehicle.						
1.	Type of body						
2.	Unladen weight						
3.	Number and descpription and size of tyre on each axle.						
4.	Registrerd axle. weight in respect of each vehicle.						

1	2	3	4	5	6	7	8
25.	Insurance certificate/ Cover Note No..... dated.....veicle valid from....to..... issued b' (Name and address of the insurance company)						
26.	Rate of motor vehicle tax.						
27.	Validity of regis- tration from.....to.....rene- wal from....to.....						
28.	Name and designation of the Inspect- ing officer who certified the vehicle as fit for registration.						
29	Name and designation and signature of the Registering Authority						

Note: Specimen signature of the Regd. owners and Financiers pasted in column 4&6 respectively, shall be attested with office seal by the Registering Authority in such a manner that the part of impression of seal or stamp and attestation shall fall upon each signature.

FORM 26

[See rule 53]

APPLICATION FOR THE ISSUE OF DUPLICAE CERTIFICATE OF REGISTRATION

(To be made in duplicate if the vehicle is held under an agreement of Hire-Purchase/Lease/Hypothecation and in Triplicate if the Original Registering Authority is different, the duplicate copy and the Triplicate copy with the endorsement of the Registering Authority to be returned to the Financier and Registering Authority simultaneously on issue of Duplicate Certificate)

To

THE REGISTERING AUTHORITY _____

The Certificate of Registration of my/our Motor Vehicle, the Registration Mark of which is.....
has been lost/destroyed/completely written off/soiled/torn/mutilated in the following circumstances.
.....
.....

*I/We hereby declare that to the best of my/our knowledge the Registration of the Vehicle has not been suspended or cancelled under the provision of the Act or Rules made therunder and the circumstances explained above are true.

I/We do hereby apply for the issue of a duplicate certificate of Registration.

The written off/soiled/torn/mutilated Certificate of Registration is enclosed.

The Vehicle is not held under any agreement of Hire-Purchase/Lease/Hypothecation

The Vehicle is also not superdari and free from all encumbrances.

I/We hereby declare that I/We on.....(date) have filed a complaint (copy enclosed) with the police about the loss of Certificate of Registration immediately after the loss has been noticed.

Date.....

Signature/thumb impression of APPLICANT

*Strike out whichever is inapplicable.

The Vehicle is held under Hire-Purchase/Lease/Hypothecation agreement with.....and the "No Objection Certificate" has been Granted /Refused by the Financial hereunder : (Where "No Objection Certificate" is refused, applicant shall make a declaration as required under sub-section (8) of Section 51)

Signature or thumb impression of the OWNER

Name

Full Address.....

Date

Note : (1) Full particulars of the circumstances shall be furnished in the case of loss or destruction of the Registration Certificate.

(2) Strike out whichever is inapplicable.

CONSENT OF THE FINANCIER FOR GRANT OF "NO OBJECTION CERTIFICATE" UNDER SECTION 51(6)

I/We being a party to an agreement of Hire-Purchase/Lease/Hypothecation in respect of Motor Vehicle specified above;

(1) have "No Objection" in issue of the duplicate Certificate of Registration of the said Vehicle.

(2) have "Objection" in issue of the duplicate Registration Certificate of the said Vehicle, for the reasons given hereinafter

.....
.....
.....

Date

Signature of the FINANCIER

OFFICE ENDORSEMENT

Ref. Number..... office of the.....
A duplicate Certificate of Registration as requested above is issued with the note of agreement of 'Hire-Purchase/Lease/Hypothecation on and is noted in the original Registration Records in Form 24.

Date

Signature of REGISTERING AUTHORITY

To

The Financier

The Registering Authority

(To be sent to both the above parties by Registered post acknowledgement Due)

Specimen Signature or thumb impression of the Registered Owner and Financier are to be obtained in original Application for affixing and attestation by the Registering Authority with the Office seal in Form 23&24 in such a manner that the part of impression of seal or a stamp and attestation shall fall upon each signature :

Specimen Signature of the FINANCIER

Specimen Signature of the REGISTERED OWNER

1.

1.

2.

2.

FORM 27

[See rule 54]

APPLICATION FOR ASSIGNMENT OF NEW REGISTRATION MARK TO A MOTOR VEHICLE

[To be made in Triplicate if the vehicle is held under an agreement of Hire-Purchase/Lease/Hypothecation the duplicate and the triplicate copy with the endorsement of the Registering Authority to be returned to the Financier & to the Original Registering Authority simultaneously, on the assignment of a new Registration mark)

TO

THE REGISTERING AUTHORITY

I/We Son/wife/daughter of being the Registered Owner of Motor Vehicle No. bearing chassis no. Engine No.
Type of vehicle..... Registered in the State of hereby declare that I/We have, since the day of kept the said Motor Vehicle in this State and hereby apply for the assignment of a new Registration Mark to the said Motor Vehicle.

I/We hereby declare that the registration is valid upto and it has not been suspended or cancelled under the provisions of this Act.

I/We enclose the Certificate of Registration and the Certificate of Fitness(*) of the Motor Vehicle.

I/We enclose a 'No Objection Certificate' from the Registering Authority.

If the 'No Objection Certificate' form the Registering Authority is not enclosed the applicant should file along with this application a declaration as required under the first proviso to sub-section (1) of Section 47.

*The Vehicle is not subject to an agreement of Hire-Purchase/Lease/Hypothecation.

*The vehicle is subject to an agreement of Hire-Purchase/Lease/Hypothecation with.....and the NOC has been Granted /Refused by the Financier thereunder.

If 'No Objection Certificate' has been refused by the Financier the applicant should fill alongwith this application a declaration as required under sub-section (8) of section 51.

Date.....

Signature or thumb impression of the Applicant

*Strike out whichever is inapplicable.

CONSENT OF THE FINANCIER FOR GRANT OF "NO OBJECTION CERTIFICATE" UNDER SECTION 51(6)

I/We, being a party to an agreement of Hire-Purchase/Lease/Hypothecation in respect of Motor Vehicle specified above :

(1) have "No objection" in assigning the new Registration Mark to the said Vehicle.

(2) have "Objection" in Assigning the new Registration Mark to the said Vehicle for the reasons given hereunder

Date.....

Signature of the FINANCIER.

OFFICE ENDORSEMENT

Ref. Number.....

Office of the

The Vehicle No. on removal to this state has been assigned a new Registration Mark.....,(here enter the Registration mark). !

Date.....

Signature of the REGISTERING AUTHORITY

To

The Financier

The Registering Authority

(to be sent to both the above parties by Registered Post Acknowledgement due)

FORM 28

[See rule 54, 58(1), (3) and (4)]

APPLICATION AND GRANT OF NO OBJECTION CERTIFICATE

(To be made in quadruplicate if the vehicle is held under an agreement of Hire-purchase/Lease/Hypothecation, In duplicate copy, the triplicate copy and the quadraplicate copy with the endorsement of the Registering Authority to be returned to the Registered owner of the Vehicle, the Registering Authority in whose jurisdiction the vehicle is to be removed and the Financier simultaneously on grant/refuse of a 'NO' objection Certificate').

PART—I APPLICATION

TO

THE REGISTERING AUTHORITY _____

I/We intend to transfer the vehicle to the jurisdiction of the Registering Authority

I/We intend to sell the Vehicle to Sri/Smt/Kumari., who resides in the jurisdiction of the Registering Authority of I/We therefore request for the issue of a No Objection Certificate for my/our vehicle, the particulars of which are furnished below :

1. Name and Address
2. Son/Wife /Daughter of
3. Registration Number of the Vehicle
4. Class of Vehicle
5. Registering Authority which originally Registered the Vehicle
6. Engine Number
7. Chassis Number
(Affix also pencil print)
8. Period of stay in the State
9. Period upto which Motor Vehicle Tax has been paid
10. Whether any demand for tax pending, if so, give details

11. Whether the vehicle is involved in any theft cases, if so give details.....
12. Whether any action under Section 53, 54 or 55 of the Motor Vehicle Act, 1988 is pending before any Registering Authority or other prescribed Authority if so give details.....
13. Whether the Vehicle is involved in any case of transport of prohibited goods, if so, give details:
14. Whether the Vehicle is held under an agreement or Hire-Purchase/Lease/Hypothecation, if so give full name and address of the Financier

We solemnly declare that the above statement is true.

Date.....

Signature or thumb impression of Registered owner

PART-II—CONSENT OF THE FINANCIERS IN THE CASE OF MOTOR VEHICLE SUBJECT TO AN AGREEMENT

I/We being a party to an agreement of the Hire-Purchase/Lease/Hypothecation in respect of the above said vehicle hereby

1. Give consent to issue the No Objection Certificate for the said vehicle only for the purpose referred above.
2. Refuse to give consent for issue of No Objection Certificate for the said vehicle due to the reasons furnished hereunder :

Date.....

Signature of the Financier

PART-III—OFFICE ENDORSEMENT

(GRANT /REFUSAL OF 'NO OBJECTION CERTIFICATE' UNDER SECTION 48(3) OF M.V. ACT 1988)

- (1) No Objection Certificate in respect of the Vehicle, the detailed particulars whereof recorded over above is hereby granted under Section 48(3) of M.V. Act, 1988 (Valid for use at the Registering Authority, on whom it is issued).
- (2) No Objection Certificate in respect of the Motor vehicle, the detailed particulars whereof recorded over above is hereby refused under section 48(3) of M.V. Act, 1988 for the reasons recorded as under.

Date.....

Signature with seal of Registering Authority

*Strike out whichever is inapplicable Address.....

To

The Registered Owner.....

The Financier.....

FORM 29

[See rule 55(1)]

NOTICE OF TRANSFER OF OWNERSHIP OF A MOTOR VEHICLE

(To be made in duplicate and the duplicate copy with the endorsement of the Registering Authority to be returned to the transfer or immediately on making entries of Transfer of Ownership in certificate of Registration and Form 24).

To

The Registering Authority..... (In whose jurisdiction the Transferee resides)

I/We..... resident of..... have on the..... day of the year..... sold and delivered my/our Vehicle no..... make..... Chassis no..... Engine No..... to Shri/Smt..... (Name son/wife/daughter of..... residing at..... (House No./Street/Village/Town/District) under an Agreement of Hire-Purchase/Lease/Hypothecation with.....

The Registration certificate and Insurance Certificate have been handed over to him/her/them.

To the best of my/our knowledge and belief the vehicle is not superdari and free from all encumbrances and information furnished is true. I/We undertake to hold my/our self responsible for any inaccuracy or suppression of information.

Signature of the Financier

(to give his consent;

Date.....

Signature or thumb impression of the Registered Owner (Transferor)

Date.....

I/We..... (Transferee)

Copy to : The Registering Authority..... in whose jurisdiction the transferor reside.

Note.—To be sent to the both the Registering Authority by Registered Post Acknowledgement

OFFICE ENDORSEMENT

Ref. No..... Office of the..... The ownership of the vehicle has been transferred to the name of..... with the note of the above said agreement with effect from.....(date)

Signature of the Registering Authority,
with Office Seal.

*Strike out whichever is inapplicable.

FORM 30

(See Rule 55(1) and (3))

APPLICATION FOR

INTIMATION AND TRANSFER OF OWNERSHIP OF A MOTOR VEHICLE

(To be made in duplicate if the Vehicle is held under an)agreement of Hire-Purchase/Lease/Hypothecation. The duplicate copy with the endorsement of the Registering Authority to be returned to the Financier simultaneously on making the entry of the transfer of Ownership in the Certificate of Registration and Registration Record in Form 24.

To

THE REGISTERING AUTHORITY

PART-I—FOR THE USE OF THE TRANSFEROR

Name of the Transferor Son/Wife/Daughter of
 Full address

I/We, hereby declare that I/We have on this day of the year sold my/our motor vehicle bearing Registration mark to Shri/Smt. Son/Wife/ Daughter of residing at (full address) and handed over the Certificate of Registration and the Certificate of Insurance to him/her/them.

I We/ hereby declare to the best of my/our knowledge the certificate of Registration of the Vehicle has not been suspended* or cancelled.

*I/We enclose the 'No Objection Certificate' issued by the Registering Authority.

**If the 'No Objection Certificate' issued from the Registering Authority is not enclosed, the Transferor should file along with this application a declaration as required under sub-section (1) of section 50.

Date

Signature or thumb impression of the TRANSFEROR

* Details of suspension or cancellation

** Strike out, whichever is inapplicable.

PART-II—FOR THE USE OF THE TRANSFeree

Name of the Transferee Son/Wife/Daughter of Age
 Full address (Proof of address to be enclosed).

I, hereby declare that I/We have on this day of the year purchased the motor vehicle bearing Registration number from (name and full address) and request that necessary entries regarding the transfer of ownership of the vehicle in my/our case may be recorded in the certificate of Registration and Certificate of fitness of the vehicle, which is enclosed.

The certificate of Insurance is also enclosed. To the best of my knowledge and behalf I/We have not suppressed any facts and information furnished is true. The vehicle is not superdari and free from all encumbrances I/We undertake to hold myself responsible for any inaccuracy of the information.

Date

Signature or thumb impression of the TRANSFeree

CONSENT OF THE FINANCIER IN THE CASE OF MOTOR VEHICLE SUBJECT TO AN AGREEMENT OF HIRE-PURCHASE/LEASE/HYPOTHECATION

I/We being a party to an agreement of Hire-Purchase/Lease/Hypothecation in respect of motor vehicle specified above, give consent to the transfer of ownership of the said motor vehicle in the name of the Transferee named above, with whom I/We have entered into an agreement of Hire-Purchase/Lease/Hypothecation.

(Full name and address of the Financier)

Signature of the FINANCIER

Date

Date

OFFICE ENDORSEMENT

Ref No.

Office of the

The Transfer of ownership of motor vehicle under continuation of an endorsement of Hire-Purchase/Lease/Hypothecation agreement has been recorded with effect from in the Registration Certificate of the vehicle and in the Registration record of this office in Form 24.

Date

758GI/R3—9

Signature of the REGISTERING AUTHORITY

To
 The Transferor
 The Financier
 (To be sent to both the above parties by Registered Post Acknowledgement Due)

Specimen signature or thumb impression of the Regd. owner and the Financier are to be obtained in the original application for affixing and attestation by the Registering Authority with the office seal in Form 23 & 24, in such manner that the part of Impression of seal or stamp and attestation shall fall upon each signature.

Specimen signature of the Financier

1.
2.

Specimen signatures of the Registered Owner

1.
2.

FORM 31

[See Rule 56(2)]

APPLICATION FOR TRANSFER OF OWNERSHIP IN THE NAME OF THE PERSON SUCCEEDING TO THE POSSESSION OF THE VEHICLE

(To be made in duplicate if the vehicle is held under an agreement of Hire-Purchase/Lease Hypothecation and duplicate copy with the endorsement of the Registering Authority to be returned to the Financier simultaneously on making the entry of Transfer of ownership in the Certificate of Registration and Office Record in Form 24).

To
THE REGISTERING AUTHORITY

1. Vehicle Registration No. :
 Make and Model :
 Chassis No. :
 Engine No. :
 Type of Vehicle :
2. Name of the deceased Registered Owner :
 3. Name and Age of the person succeeding to the possession of the vehicle :
 son/wife/daughter :
 Full Postal Address :
 (Proof of address to be enclosed) :
4. Relationship with the deceased registered owner :
 5. Proof of his succession :

Certificate of Registration is enclosed herewith. Kindly transfer the ownership of the vehicle in my name.

Date :

Signature of the APPLICANT

CONSENT OF THE FINANCIER IN THE CASE OF MOTOR VEHICLE HELD UNDER ANY OF THE AGREEMENTS

I/We being a party to an agreement of Hire-purchase/Lease/Hypothecation in respect of the Motor Vehicle specified above, consent to the transfer of ownership of the said Motor Vehicle in the name of the applicant named above, with whom I/We have entered into an agreement of Hire-Purchase/Lease/Hypothecation.

(Full Name & address of the Financier)

Signature of the Financier
Date

OFFICE ENDORSEMENT

Ref. Number..... Office of the

The Transfer of ownership of the Motor Vehicle under continuation of an endorsement of Hire-Purchase/Lease/Hypothecation agreement it has been recorded with effect from in the Certificate of Registration of the Vehicle and the Registration Record of this office in Form 24.

Date..... Signature of the Registering Authority

*Strike out whichever is inapplicable.

To

The Financier

(To be sent by Registered Post Acknowledgement Due)

Specimen signatures or thumb impression of the Registered Owner and Financier are to be obtained in original application for affixing and attestation by the Registering Authority with office seal in Form 23 and 24, in such a manner that the part of Impression of seal or stamp and attestation shall fall upon each signature :

Specimen Signature of the Financier

1.

Specimen Signature of the Registered Owner.

1.

FORM 33

[See Rule 59].

INTIMATION OF CHANGE OF ADDRESS FOR RECORDING
IN THE CERTIFICATE OF REGISTRATION AND OFFICE RECORDS

(To be made in Triplicate if the vehicle is held under agreement of Hire-Purchase/Lease/Hypothecation, the duplicate copy and the Triplicate copy with the endorsement of the Registering Authority to be returned to the Financier and the Registering Authority (from whose jurisdiction the Vehicle is removed) simultaneously, on making the entry of change of address in the Certificate of Registration and Form 24).

To

THE REGISTERING AUTHORITY

I/We Son/Wife/Daughter of (Full address).
 Registered Owner of the vehicle number, have ceased to reside, do not have the place of business at the address recorded in the certificate of Registration with effect from
 The present address is given below (evidences to be enclosed).

- The Vehicle is not held under any agreement of Hire-Purchase/Lease/Hypothecation
- The vehicle is held under an agreement of Hire-Purchase/Lease/Hypothecation with

(Name & full address of the Financier)

The certificate of Registration is enclosed. I/We request that the Change of Address may be recorded in the Certificate of Registration and Form 24.

Date.....

 Signature or thumb impression of the
 REGISTERED OWNER of the
 Vehicle

CONSENT OF THE FINANCIER IN THE CASE OF MOTOR VEHICLE HELD UNDER AN AGREEMENT

I/We being a party to an agreement of Hire-Purchase/Lease/Hypothecation in respect of the above said vehicle, hereby:

1. Give consent for effecting the above Change of Address with the note of an agreement in my/our favour in Form 23 & 24 by the Registering Authority.
2. Refuse to give consent for effecting the above Change of Address by the Registering Authority, due to the reasons furnished hereunder:

Date.....

Signature of the FINANCIER

OFFICE ENDORSEMENT

Ref. Number office of the
 The above change of address has been entered with the note of agreement of Hire-Purchase/Lease/Hypothecation in favour of the Financier in the Certificate of Registration and in Form 24.

Date.....

Signature of the REGISTERING AUTHORITY

To
 The Financier

The Registering Authority

(To be sent to both the parties by Registered Post Acknowledgement Due)

Specimen Signatures or thumb impressions of the Registered Owner and Financier are to be obtained for affixing and attestation by the Registering Authority with official seal in Form 23 & 24 In such manner that part of Impression of the seal or a stamp and attestation shall fall upon each signature:

Specimen Signatures of the FINANCIER

Specimen Signatures of the REGISTERED OWNER

FORM 34

(See Rule 60)

**APPLICATION FOR MAKING AN ENTRY OF AN AGREEMENT OF HIRE-PURCHASE/LEASE/HYPOTHECATION
SUBSEQUENT TO REGISTRATION**

(To be made in duplicate and in Triplicate where the Original Authority is different, the duplicate copy and the Triplicate copy with the endorsement of the Registering Authority to be returned to the Financier and The Registering Authority simultaneously on making the entry in the Certificate of Registration and Form 24).

To**THE REGISTERING AUTHORITY**

The Motor Vehicle bearing registration number.....is the subject of an agreement of Hire-Purchase/Lease/Hypothecation betweenthe registered owner/person to be registered as owner* and.....

(fill the name and full address of the Financier)

We request that an entry of the agreement be made in the Certificate of registration and the relevant records in your office. The Certificate of Registration together with the fee is enclosed.

Date.....

Signature or thumb impression of
REGISTERED OWNER

Date.....

Signature of the FINANCER

Strike out whichever is inapplicable

OFFICE ENDORSEMENT

Ref. Number.....Office of the.....

The entry of the agreement of Hire-Purchase/Lease/Hypothecation as requested above is recorded in this office Registration Record in Form 24 and Certificate of Registration on.....(date).

Date.....

Signature of the REGISTERING AUTHORITY

To**The Financier****The Registering Authority**

(To be sent to both the above parties by Registered Post Acknowledgement Due)

Specimen signatures of the Financier are to be obtained in original application for affixing and Attestation by the Registering Authority with the Office Seal in Form 23 & 24, in such a manner that the part of Impression of seal or a stamp and attestation shall fall upon each signature.

FORM 26

(See Rule 24(1))

**NOTICE OF TERMINATION OF AN AGREEMENT OF HIRE-PURCHASE/
LEASE/HYPOTHECATION**

(To be made in duplicate and in Triplicate where the original Registering Authority is different, the duplicate copy and the Triplicate copy with the endorsement of the Registering Authority to be returned to the Financier and Registering Authority simultaneously on making the termination entry in the Certificate of Registration and Form 24).

To**THE REGISTERING AUTHORITY**

We hereby declare that the agreement of Hire-Purchase/Lease/Hypothecation entered into between us has been terminated. We therefore, request that the note endorsed in the Certificate of Registration of Vehicle No. in respect of the said Agreement between us be cancelled.

The Certificate of Registration together with the fee is enclosed.

Date.

Signature or thumb impression
of REGISTERED OWNER

Date.

* Strike out whichever is inapplicable

Signature of the FINANCIER
with official Seal and address

OFFICE ENDORSEMENT

Ref. Number. Office of the

The cancellation of the entry of an agreement as requested above is recorded in this office Registration record in Form 24 and Registration Certificate on (date).

Date.

Signature of the REGISTERING AUTHORITY

To**The Financier****The Registering Authority**

(To be sent to both the above parties by Registered Post Acknowledgement Due)

Specimen Signatures of the Financier are to be obtained in original Application for affixing and attestation by the Registering Authority with his office Seal in form 23 and 24, in such a manner that the part of impression of seal or stamp and attestation shall fall upon each signature.

FORM 37

[See Rule 61 (3)]

NOTICE TO THE REGISTERED OWNER OF THE MOTOR VEHICLE TO SURRENDER THE CERTIFICATE OF REGISTRATION FOR CANCELLATION AND ISSUE OF FRESH REGISTRATION CERTIFICATE IN THE NAME OF THE FINANCIER.

To be made in duplicate and duplicate copy to be sent to the Financier simultaneously on issue of notice)

OFFICE OF THE REGISTERING AUTHORITY

Ref. Number Date

Shri/Smt./Kumari (Regd. Owner)

is/are hereby informed that (Financier)
has/have reported that he/they have taken possession of the Motor Vehicle bearing registration number, covered by an agreement Hire-Purchase/Lease/Hypothecation, owing to your default under the provisions of the said agreement and that;

*(1) You have refused to deliver the Certificate of Registration to him/her/them.

*(2) You have absconded.

He/She/they have requested to cancel the Certificate of Registration and issue a fresh Certificate of Registration in his/her/their name.

You are therefore directed to surrender the Certificate of Registration of the said motor vehicle which has been retained by you inspite of your having lost the possession and thereby the ownership of the Motor Vehicle under Section 2(30) and to send your representation in this regard, if any, to this office within Seven days from the date of receipt of this notice by you, failing which a Fresh Certificate of Registration will be issued in the name of the Financier, cancelling the Certificate of Registration held by you, in accordance with Section 51(5).

Date

Signature of the REGISTERING AUTHORITY

*Strike out whichever is inapplicable.

To

The Financier.....

(To be sent by Registered Post Acknowledgement Due)

57. In Form 47 in the principal rules, the following shall be added at the end as entry 13, namely:—

Sub-rule 115(3)

"(13) The authorisation for the following State(s) is subject to payment of taxes by the permit holder to the respective States(s)

MASS EMISSION STANDARDS FOR PETROL DRIVEN VEHICLES

1. .
2. .
3. .
4. .

1. Type approval Tests:
Two and Three wheeler vehicles

Reference Mass, R(Kg)	CO(g/Km)	HC(g/Km)
1	2	3
R < 150	12	8
150 < R < 350	12 + 18(R - 150)	8 + 4(R - 150)
	200	260
R > 350	30	12

58. Form 49 in the principal rules shall be omitted.

59. Annexure—I of the principal rules may be substituted as follows :—

Light duty vehicles :

Reference Mass, rw(Kg)	CD(g/Km)	HC(g/Km)
1	2	3
$rw < 1020$	14.3	2.0
$1020 \leq rw \leq 1250$	16.5	2.1
$1250 \leq rw \leq 1470$	18.8	2.1
$1470 \leq rw \leq 1700$	20.7	2.3
$1700 \leq rw \leq 1930$	22.9	2.5
$1930 \leq rw \leq 2150$	24.9	2.7
$rw > 2150$	27.1	2.9

2. Conformity of Production Test s:

Two and three wheeler vehicles :

Reference Mass, R(Kg)	CO(g/Km)	HC(g/Km)
1	2	3
$R < 150$	15	10
$150 \leq R \leq 350$	$15 + 25(R - 150)$	$10 + 5(R - 150)$
	200	200
$R > 350$	40	15

Light duty vehicles :

Reference Mass, rw(Kg)	CO(g/Km)	HC(g/Km)
1	2	3
$rw < 1020$	17.3	2.7
$1020 \leq rw \leq 1250$	19.7	2.7
$1250 \leq rw \leq 1470$	22.5	2.8
$1470 \leq rw \leq 1700$	24.9	3.0
$1700 \leq rw \leq 1930$	27.6	3.3
$1930 \leq rw \leq 2150$	29.9	3.5
$rw > 2150$	32.6	3.7

Explanation: Mass emission standards refers to the gm. of pollutants emitted per km. run of the vehicle, as determined by a chassis dynamometer test using the Indian Driving Cycle.

60. In Annexure II to principal rules, for the figures 34—34 appearing in column 3, against item number 15, the figure '37—34' shall be substituted.

61. In Annexure IV to the principal rules:—

(i) under the heading "Absorption Coefficient", for the words, brackets and figures.

"K(m-1) and (K9-1)", the words, brackets and figures "K(1/m)", shall be respectively substituted.

(ii) at the end the following foot note shall be added under Annexure IV;

"The above standards shall not be applicable to agricultural tractors and the same for the agricultural tractors shall be notified at a later date."

(iii) under the heading 'Absorption coefficient' for the figure '1.31', occurring against the 'Normal flow' for 135, the figures '1.13' shall be substituted.

62. After Annexure IV to the principal rules, the following annexure shall be inserted, namely :—

"ANNEXURE IV-A

[See Rule 115(5)]

TEST CYCLE

The following 13-mode cycle shall be followed in dynamometer operation on the test engine:—

Mode No.	Engine Speed	% Load
1. Idle		—
2. Intermediate		10
3. "		25
4. "		50
5. "		75
6. "		100
7. Idle		—
8. Rated		100
9. "		75
10. "		50
11. "		25
12. "		10
13. Idle		—

[File No. RT-11028/6/91-MVL]

G. K. PILLAI, Jt. Secy.

Foot Note: The principal rules were published in the Gazette of India, in the Ministry of Surface Transport notification No. 590 (E) dated 2nd June 1989 and were subsequently amended vide Gazette notification as follows:

- (1) GSR No. 666 (E) dated 30th June 1989
- (2) GSR No. 933 (E) dated 28th October 1989
- (3) GSR No. 132 (E) dated 9th March 1990
- (4) GSR No. 389 (E) dated 21st March 1990

